THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 191 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.14 2080 गुरुवार, 28 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सिर्फ 3 दिन में 5 लाख बढ़ेंगे

Booking QR Code

FOR OUTSTATION CLIENTS:

1. QR Code स्कैन कर ₹ 1 लाख से कोठी बुक करें
2. 15 अक्टूबर तक साइट विजिट करें
3. पसंद नहीं आने पर पूरा पैसा वापस प्राप्त करें

अन्यथा

1 अक्टूबर से 5 लाख अधिक देकर नई रेट में कोठी बुक करें

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN

DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक 50% रेट बढ़ेगी

1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट (NPO New Product Offer)	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

30 सितंबर को एमपी दौरे पर राहुल गांधी

भोपाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। चुनावी साल में अब बीजेपी, कांग्रेस, आप और सपा सहित अन्य राष्ट्रीय पार्टियों के राष्ट्रीय नेताओं की मध्य प्रदेश में चहल कदमी बढ़ गई है। अभी एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के दौरे पर आए थे। यहां पीएम मोदी भोपाल में आयोजित बीजेपी के कार्यकर्ता महाकुंभ में शामिल हुए थे। वहीं अब कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी मध्य प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। यहां राहुल गांधी विधायक जीतू पटवारी की जन आक्रोश यात्रा में शामिल होकर जनसभा को संबोधित करेंगे। यह जनसभा कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी के गढ़ कालापीपल में होने जा रहा है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल के मीडिया विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 30 सितंबर को शाजापुर जिले के कालापीपल आ रहे हैं। कालापीपल में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन राजीव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी का विधानसभा चुनाव से पूर्व मध्य प्रदेश का यह पहला बड़ा दौरा कार्यक्रम है। राजीव सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को मध्य प्रदेश में जनता का ऐतिहासिक और अभूतपूर्व स्नेह मिला था। राहुल गांधी का शाजापुर दौरा मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए निर्णायक साबित होगा।

राहुल गांधी का पहला दौरा

बता दें चुनावी साल में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी का यह मध्य प्रदेश का पहला दौरा होने जा रहा है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राजीव सिंह के अनुसार राहुल गांधी मध्य प्रदेश में कार्यकर्ताओं को चुनावी जोश देने आ रहे हैं। राहुल गांधी के आगमन से कार्यकर्ताओं में एक नई क्रांति आएगी। राहुल गांधी कांग्रेस के युवा विधायक कुणाल चौधरी के गढ़ कालापीपल में आ रहे हैं। राहुल गांधी के दौरे को लेकर प्रदेश कांग्रेस द्वारा तैयारियां शुरु कर दी गई है।

बिना वीजा-पासपोर्ट कलियर में रहे बांग्लादेशी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रुड़की, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कलियर पुलिस ने बिना वीजा और पासपोर्ट कलियर में रह रहे एक बांग्लादेशी को गिरफ्तार किया है। बांग्लादेशी दो दिन पूर्व ही कलियर में आया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही बांग्लादेशी से गहनता से पूछताछ कर रही है। कलियर में चल रहे उर्स को लेकर पुलिस और खुफिया विभाग पूरी तरह से अलर्ट है। पुलिस और खुफिया विभाग की ओर से संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है। मंगलवार देर रात पुलिस और खुफिया विभाग ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

'सरकार के आदेश का पालन नहीं कर रहे अफसर

एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंची केजरीवाल सरकार

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल सरकार ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली सरकार ने शीर्ष कोर्ट से अपील करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार के एनसीटीडी (संशोधन) अधिनियम, 2023 पर जल्द से जल्द सुनवाई की जाए। दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अफसर सरकार के आदेश का पालन नहीं कर रहे हैं। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और केंद्र सरकार से चार हफ्ते में मामले का संकलन तैयार करने को कहा।

पांच जजों की संविधान पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने की मांग

चीफ जस्टिस न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ से दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने आग्रह किया कि मामले को तत्काल सुनवाई के लिए पांच जजों की संविधान पीठ

के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए।

कुछ समय बाद सूचीबद्ध किया जा सकता- सीजेआई

सिंघवी ने कहा, मैं दिल्ली सरकार की पीड़ा को व्यक्त नहीं कर सकता। संविधान पीठ के पुराने मामले हैं। हम सूचीबद्ध कर रहे हैं और दो सो सात-जजों की पीठ के मामले भी आ रहे हैं। ये सभी भी महत्वपूर्ण हैं और वर्षों से लंबित हैं। सीजेआई ने कहा, इसे कुछ समय बाद सूचीबद्ध किया जा सकता है। हालांकि, पीठ ने सिंघवी और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल संजय जैन को एक साथ बैठकर इस विवाद में संविधान पीठ द्वारा तय किए जाने वाले कानूनी प्रश्नों पर निर्णय लेने के लिए कहा।

राष्ट्रपति से मंजूरी के बाद बना कानून

केंद्र के नए एनसीटीडी (संशोधन) कानून, 2023 संसद के दोनों सदनों से पास हो चुका है और राष्ट्रपति से भी इसकी मंजूरी मिल गई है। यह कानून केंद्र सरकार को दिल्ली सरकार में नौकरशाहों पर नियंत्रण देता है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा था। बता दें कि दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 के कानून बनने के बाद राजधानी में उपराज्यपाल को अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग पर अंतिम फैसला करने का अधिकार है।

मणिपुर की ताजा हिंसा पर खरगे ने पीएम मोदी को घेरा

मुख्यमंत्री को बर्खास्त करने की मांग

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को मणिपुर में हुई हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया। उन्होंने पीएम मोदी से मांग की कि वह पहले मणिपुर हिंसा को नियंत्रित करने के लिए फिर बीजेपी के मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को हथियार बनाया गया है। उन्होंने बीजेपी पर मणिपुर को युद्ध के मैदान में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने एक्स पर कहा, 147 दिनों से मणिपुर के लोग पीड़ित हैं, लेकिन पीएम मोदी के पास राज्य का दौरा करने का समय नहीं है। इस हिंसा में छात्रों को निशाना बनाए जाने की भयावह तस्वीरों ने एक बार फिर पूरे देश को झकझोर दिया है।

मणिपुर को युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है- खरगे

उन्होंने आगे कहा, अब यह स्पष्ट है कि इस हिंसा में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को हथियार बनाया गया था। खूबसूरत राज्य मणिपुर को युद्ध के मैदान में बदल दिया गया है, यह सब बीजेपी के कारण है। अब समय आ गया है, पीएम मोदी बीजेपी के नाकाम मणिपुर मुख्यमंत्री को बर्खास्त करें। आगे की किसी भी उथल-पुथल को नियंत्रित करने के लिए यह पहला कदम होगा।

इंडिया में सीट शेयरिंग पर रार

लालू-नीतीश में नहीं बन पा रही सहमति

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकार से लोहा लेने के लिए एकजुट विपक्ष ने इंडिया नाम से गठबंधन बनाया। यह गठबंधन साल 2024 के लोकसभा चुनावों में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ चुनाव लड़ने की बात कर रहा है। लेकिन अभी चुनाव बहुत दूर हैं और अभी से ही इस विपक्षी गठबंधन मतभेद दिखने लगे हैं। विशेषतौर पर बिहार में सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बन पा रही है। बिहार में विपक्षी गठबंधन इंडिया में सीट शेयरिंग को लेकर पेंच फंसा हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव में सहमति नहीं बन पा रही है। लालू यादव की पार्टी आरजेडी और नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू, कांग्रेस और लेफ्ट

पार्टियों के साथ मिलकर राज्य में सरकार भी चला रहे हैं, जिसके मुखिया नीतीश कुमार हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नतीश कुमार को इस गठबंधन में रहने के लिए कुछ सीटों की कुर्बानी देनी पड़ सकती है, जिसके लिए वह फिलहाल तैयार नहीं दिख रहे हैं। राज्य की 40 लोकसभा सीटों में से फिलहाल 16 पर जेडीयू का कब्जा है, जबकि एक सीट पर कांग्रेस के सांसद हैं।

इन सीटों पर है विवाद

सूत्रों के अनुसार इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच सीतामढ़ी, मधेपुरा, गोपालगंज, सिवान, भागलपुर और बांका लोकसभा सीटों को लेकर विवाद है। इन सीटों पर फिलहाल जेडीयू का कब्जा है, पार्टी ने 2019 के चुनाव में यहां जीत दर्ज की थी। लेकिन लालू यादव की आरजेडी यहां अपना दावा ठोक रही है। सूत्रों के अनुसार अगर जेडीयू इन सीटों को छोड़ती है तो वहां नीतीश कुमार को पार्टी के अंदर भारी विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

अनंतनाग में गाड़ी में हुआ जोरदार धमाका

आठ लोग झुलसे, अस्पताल ले जाया गया

अनंतनाग, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के अनंतनाग जिले के लारकीपोरा में एक गाड़ी में संदिग्ध धमाका हुआ है। इससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में आठ लोग घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई है। मामले में पुलिस की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, अनंतनाग के लारकीपोरा इलाके में बुधवार को वाहन के अंदर एक रहस्यमय विस्फोट हो गया। विस्फोट आज सुबह एक स्थानीय बाजार के पास हुआ। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग सकते में आ गए। तभी लोगों ने एक गाड़ी से धुएं को उड़ते हुए देखा। लोगों ने

तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस और लोगों ने घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला और अन्य वाहनों की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। घायलों को उपचार चल रहा है। सभी घायल प्रवासी बताए जा रहे हैं। विस्फोट की प्रकृति की जांच के लिए पुलिस की टीम और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। इस संबंध में जांच जारी है। उधर, पुलिस ने बताया कि अनंतनाग में लोड कैरियर वाहन में सवार होकर मजदूर अपने काम पर जा रहे थे। उनके साथ सीमेंट मिक्सर सेटलिंग वाइब्रेशन मशीन, पोर्टेबल जनरेटर और तेल के टिन के डिब्बे भी थे। रास्ते में अचानक धमाका हो गया। इसके चलते आठ लोग घायल हो गए। सभी की हालत स्थिर है। इसमें किसी तरह का आतंकी एंगल नहीं देखा गया है। आगामी जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र की इस सीट पर सुप्रिया सुले वीएस सुनेत्रा पवार

संजय राउत की पहली प्रतिक्रिया, बताया किसकी होगी जीत

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव में सुप्रिया सुले का मुकाबला सुनेत्रा पवार से होने की चर्चा है। इस पर ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने टिप्पणी की है। संजय राउत ने कहा, मुझे नहीं लगता कि सुप्रिया सुले और सुनेत्रा पवार के बीच कोई लड़ाई होगी। ये अफवाहें हैं। साथ ही संजय राउत ने ये भी भरोसा जताया कि चुनाव कोई भी लड़े, जीत सुप्रिया सुले की ही होगी।

बीजेपी ने बनाया ये प्लान

यह समीकरण कि पवार का मतलब बारामती और बारामती का मतलब पवार है, राज्य की राजनीति में दशकों से जड़ जमाए हुए है। सुप्रिया सुले को हराने के

लिए बीजेपी ने कमर कस ली है। चर्चा है कि बीजेपी ने सुप्रिया सुले को हराने के लिए, पवार परिवार से ही किसी को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है। इसलिए चर्चा शुरू हो गई है कि सुनेत्रा पवार बारामती लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी।

क्या बोले संजय राउत?

इस बारे में पूछे जाने पर संजय राउत ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। ये अफवाहें चल रही हैं। हम भी राजनीति जानते हैं, हमने राज भी किया है। हम पवार परिवार को भी जानते हैं और हम बारामती की राजनीति को भी जानते हैं।" चुनाव कोई भी लड़े, सुप्रिया सुले ही जीतेंगी।'"बारामती का मतलब है पवार। और पवार का मतलब है बारामती।' ये समीकरण पिछले कुछ दिनों से राज्य की राजनीति में रचे-बसे हैं। पहले से ही हाई-वोल्टेज बारामती लोकसभा सीट पर बीजेपी की नजर है। ऐसे में अजित पवार की बगावत से बनी हवा से शरद पवार गुट को कितना नुकसान होगा ये तो आने वाले वक्त में ही पता चलेगा।

नाबालिग घरेलू सहायिका को जलाया

फिर प्रताड़ित किया', सेना के मेजर और पत्नी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। असम के दिमा हसाओ जिले में भारतीय सेना के एक मेजर और उनकी पत्नी को अपनी नाबालिग घरेलू नौकरानी को प्रताड़ित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सेना के जवान की पहचान मेजर शैलेन्द्र यादव के रूप में की गई है और वर्तमान में वह हिमाचल प्रदेश के पालमपुर में तैनात हैं। उन्होंने दो साल पहले हाफलोंग की किम्मी राल्सन से शादी की थी जब वह दिमा हसाओ में तैनात थे। मेजर शैलेन्द्र यादव के असम के हाफलोंग से हिमाचल प्रदेश में स्थानांतरण के बाद, किम्मी राल्सन घर के कामों में मदद करने के लिए संकोजांग गांव से नाबालिग को अपने साथ ले गईं। हालांकि, किम्मी राल्सन ने कथित तौर पर बच्चे के साथ गंभीर दुर्व्यवहार किया। आरोपों में शारीरिक यातना देने, नाबालिग को गर्म पानी से जलाने और जबरन उसके कपड़े उतारने के मामले शामिल हैं। इंडिया टुडे एनई की रिपोर्ट के अनुसार, लड़की हाल ही में 24 सितंबर को हाफलोंग में अपने परिवार के पास लौट आई। मेजर शैलेन्द्र यादव और किम्मी राल्सन को हाफलोंग न्यायिक मजिस्ट्रेट की अतिरिक्त अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उनकी न्यायिक हिरासत का आदेश दिया। नाबालिग को वर्तमान में असम के हाफलोंग सिविल अस्पताल में चिकित्सा देखभाल मिल रही है।

नवी मुंबई के वाशी के एक पार्क में 48 वर्षीय शख्स ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई के वाशी के एक पार्क में एक शख्स ने आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार शरद कदम (45) ने बुधवार सुबह वाशी सेक्टर 28 के नगरपालिका उद्यान में नायलॉन की रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शरद कोपरखैरने सेक्टर 6 में रहता था और एक निजी स्कूल बस चलाता था। वह आज सुबह 6 बजे काम के लिए घर से निकला और स्कूल न जाकर वाशी सेक्टर 28 के बगीचे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पलक्कड़ में एक व्यक्ति ने पुलिस के आगे लाशों को दफन करने की बात कबूल की

पलक्कड़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ जिले में दो युवकों को उनके खेत में दफन कर दिया गया। पलक्कड़ जिले के कोडुम्बु पंचायत में धान के खेत के मालिक ने दो युवकों के शव को दफनाने की बात कबूल की है। कसाबा पुलिस ने बताया कि मालिक ने यह भी कहा कि संभवतः जंगली सूअरों से बचने के लिए खेत के पास बिछाए गए बिजली के तारों से करंट लगने से दोनों युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि धान के मालिक ने जो कहा है उसके बातों की जांच करनी होगी। क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के अनुसार, कुछ युवक जो हाल ही में एक मामूली हमले के मामले में आरोपी थे सोमवार को कोडुम्बु में छिपे हुए थे और जब पुलिस उनकी तलाश में आई, तो वे वहां से भाग गए। कसाबा पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि आरोपी ग्रुप के दो सदस्यों ने मंगलवार को उनके सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और दावा किया था कि दो अन्य लापता हैं। पुलिस ने आगे कहा,हम आरोपियों की तलाश में धान के खेत पर गए, लेकिन वो वहां नहीं मिला। हालांकि, हम अन्य दो की तलाश करने के लिए वहां वापस गए, लेकिन वे नहीं मिले। लेकिन हमने देखा कि एक जगह मिट्टी खिसकने के कारण जमीन उबड़-खाबड़ हुई थी। इसके बाद जमीन के अंदर से शवों को कब्र से बाहर निकाल लिया गया है।

ओडिशा में ईयरफोन को लेकर हुए विवाद में कक्षा 9 के छात्र की पत्थर मारकर हत्या

राउरकेला, 27 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के राउरकेला में ईयरफोन साझा करने को लेकर हुए झगड़े में कक्षा 9 के एक छात्र की उसके दो दोस्तों ने पत्थर मारकर हत्या कर दी। द न्यू इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 15 साल के बच्चे का शव मंगलवार को हैकेट रोड के किनारे झाड़ीदार इलाके में मिला, पीड़ित रविवार से लापता था। पुलिस ने मीडिया को बताया कि छात्र के चिंतित माता-पिता ने रविवार शाम से उसका पता नहीं चलने पर आरएन पाली पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। मृतक छात्र के पिता ने दोनों ही नाबालिग आरोपियों की जानकारी इकट्ठा की उसके बाद इस मामले का खुलासा हो पाया। पानपोष के एसडीपीओ उपासना पाधी ने कहा कि माता-पिता ने सुराग दिया कि उनका बेटा दो दोस्तों के साथ समय बिताता था जिससे उन्हें आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिली। इन दोनों के साथ, अपराध के दौरान वहां मौजूद एक अन्य लड़के को भी बयान दर्ज करने के लिए हिरासत में लिया गया है। प्रारंभिक जांच में कहा गया है कि किशोर जब अपनी साइकिल से जा रहा था तो ईयरफोन साझा करने को लेकर उन लोगों में झगड़ा हो गया। लड़ाई ने इतना भयानक रूप ले लिया कि दोनों आरोपियों ने पीड़ित पर पत्थर से हमला कर दिया और मौके से भाग गए।

बीजेपी नेता पंकजा मुंडे को बड़ा झटका

जीएसटी विभाग ने बकाया वसूली के लिए जब्त की संपत्ति

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी की नाराज नेता पंकजा मुंडे को झटका देते हुए जीएसटी विभाग ने उनके नियंत्रण वाली एक चीनी फैक्ट्री पर छापेमारी की है। खबर है कि टीम ने 19 करोड़ रुपये के जीएसटी बकाया की वसूली के लिए कुछ संपत्तियां जब्त की हैं। जीएसटी टीम ने पहले बीड में वैद्यनाथ सहकारी चीनी फैक्ट्री को नोटिस भेजा था। लेकिन नोटिस को नजरअंदाज किया गया, जिसके बाद जीएसटी अधिकारियों ने निरीक्षण के लिए सोमवार को फैक्ट्री का दौरा किया। यह फैक्ट्री कई महीनों से वित्तीय समस्याओं के कारण बंद है।

कार्रवाई से नाराज बीजेपी नेता

दिलचस्प बात यह है कि यह घटनाक्रम अमित शाह की मुंबई यात्रा (शनिवार) के 2 दिन बाद और भाजपा अध्यक्ष के महाराष्ट्र दौरे से एक दिन पहले हुआ, जिससे पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मुंडे के समर्थकों को झटका लगा। कार्रवाई और फैक्ट्री परिसर की संभावित कुर्की पर नाराजगी जताते हुए पंकजा मुंडे ने कहा कि कोई हेराफेरी नहीं हुई है और उनकी फैक्ट्री कई वर्षों से वित्तीय संकट से गुजर रही थी।

पंकजा मुंडे ने क्या कहा?

पंकजा मुंडे ने दावा किया कि कई चीनी मिलों ने केंद्र के सहकारिता विभाग से सहायता मांगी थी, लेकिन उनकी फैक्ट्री को इससे बाहर रखा गया था और लेटेस्ट कार्रवाई कथित तौर पर 'ऊपर' के आदेश पर थी। इसके अलावा उन्होंने आगे कहा कि जीएसटी नोटिस में आंकड़े ब्याज से संबंधित हैं, और वसूली प्रक्रिया कुछ महीने पहले शुरू हुई थी जिसके लिए वे जीएसटी अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। मुंडे ने कहा, फैक्ट्री 2011 से घाटे में है। 250 करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसमें से 52 करोड़ रुपये चुका दिए गए।। हमारी संपत्तियां गिरवी हैं और हमने सरकार से मदद मांगी थी, लेकिन यह एकमात्र चीनी फैक्ट्री है जिसे मदद नहीं मिली। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कब तक यह सब सहन करते रहेंगे और कहा कि अगर केंद्र ने सहायता दी होती तो ऐसी स्थिति उत्पन्न नहीं होती। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने मुंडे की दुर्दशा के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और कहा कि इससे पता चलता है कि भाजपा पुराने वफादारों के साथ कैसे अन्याय करती है।

बीजेपी से चल रही हैं साइडलाइन

साल 2019 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद मुंडे को हाशिये पर धकेल दिया गया है। उनके सहयोगियों डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और विनोद तावड़े के साथ उनकी भविष्य की राजनीतिक चाल और रणनीति पर सवाल पूछे जा रहे हैं।

बीजेपी के इस फैसले का खामियाजा जनता भुगतेगी, कमलनाथ ने उठाए सवाल

भोपाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री और सांसदों तक को मैदान में उतार दिया है। बीजेपी के इस फैसले पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ का आरोप है कि एक तरफ जहां मंत्रालय के कामकाज पर असर होगा, वहीं संसदीय क्षेत्र की जनता को खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कमलनाथ ने एक्स पर कहा है, बीजेपी जितने सजावटी उम्मीदवार ला रही है, जनता का आक्रोश उतना ही ज्यादा बढ़ रहा है, कारण स्पष्ट है। जनता मान रही है कि जो मंत्री चुनाव लड़ेंगे, उनका मंत्रालय जो पहले से ही सुप्त है अब और भी निष्क्रिय हो जायेगा, तो फिर जनता के रुके हुए काम कैसे होंगे। इस वजह से आक्रोश बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा, जो सत्ताधारी सांसद चुनाव लड़ेंगे, उनका संसदीय क्षेत्र उपेक्षित होगा, जिसका खामियाजा जनता ही भुगतेगी। इस वजह से आक्रोश बढ़ रहा है। ये तथाकथित बड़े लोग पार्टी के दबाव में बेमन से लड़ेंगे और हारेंगे तो जनता के खिलाफ हो जाएंगे, जिसके कारण जनता उनकी उपेक्षा और उनके उत्पीड़न का शिकार होगी। इस वजह से आक्रोश बढ़ रहा है।

कमलनाथ ने आगे कहा, यदि बीजेपी के कोई एक-दो सांसद जोड़, जुगत, जुगाड़ से चुनाव जीत भी गये तो फिर बाद में विधायक के पद से इस्तीफा देकर आगामी लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे, जिससे उप चुनाव का खर्चा होगा, जो जनता के टैक्स की ही बर्बादी होगी। इस वजह से आक्रोश बढ़ रहा है। कमलनाथ ने कहा, जनता के बढ़ते आक्रोश को देखकर बीजेपी के अधिकांश नेता, पदाधिकारी, कार्यकर्ता, सदस्य और समर्थक भूमिगत हो गये हैं तथा जन-सेवा के लिए समर्पित कुछ अच्छे नेता अन्य विकल्प तलाश रहे हैं। ये दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन के, सबसे बड़े विघटन का दौर है।

12 साल की मासूम के साथ हैवानियत मां के साथ भी दुष्कर्म की आशंका

उज्जैन, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में मां-बेटी के साथ हुए दुष्कर्म मामले की जांच पुलिस ने तेज कर दी है। पुलिस ने 12 वर्षीय पीड़िता को तो ढूंढ लिया है, लेकिन उसकी मां लापता है। पुलिस आरोपियों की धरपकड़ के लिए 400 सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक, बच्ची की मां के साथ भी दुष्कर्म होने की आशंका है, लेकिन वो कहां है इसकी जानकारी नहीं है। बताया जा रहा है कि पीड़िता प्रयागराज के किसी इलाके की रहने वाली है। दोनों के उज्जैन में आने की वजह का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने बताया कि बच्ची हाटकेश्वर विहार कालोनी में लावारिस घूमती रही। वहां से पैदल ही वह बड़नगर रोड पहुंची थी। गौरतलब है कि 12 वर्षीय मासूम बड़नगर रोड पर मुरलीपुरा से आगे दांडी आश्रम के समीप मिली थी। मासूम के कपड़े खून से सने थे और वो कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं थी। इलाज के लिए उसे चरक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में पता चला कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। देर रात हालत खराब होने पर उसे इंदौर रेफर किया गया। पीड़िता की हालत में अब सुधार है। नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस इसकी तफ्तीश में जुट गई है। पुलिस की कई टीमें शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। करीब 400 से ज्यादा कैमरों की फुटेज खंगाली जा चुकी है। बताया जा रहा है कि पीड़िता मानसिक रूप से बीमार भी है। चिंतामन बाईपास पर बनी हाटेश्वर विहार कालोनी सहित आसपास की कालोनियों के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे हैं। सीसीटीवी फुटेज में पीड़िता अर्धनग्न अवस्था में खून से सनी करीब ढाई घंटे तक घूमती हुई नजर आ रही है। लोगों ने डायल 100 पर सूचना दी थी। इसके बाद मामला सामने आया था।

epaper.vaartha.com

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वर्ष-28 अंक : 191 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.14 2080 गुरुवार, 28 सितंबर-2023

गुजरात को बदनाम करने की साजिश हुई : मोदी

गोधरा की घटना और हिंसा के बाद एजेंडा चलाया गया, मैंने फिर भी राज्य को खड़ा किया

अहमदाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अहमदाबाद साइंस सिटी में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के 20वें एनिवर्सरी प्रोग्राम में शामिल हुए। मोदी ने अपने संबोधन में गुजरात का मुख्यमंत्री रहते आईं चुनौतियों पर बात की।

पीएम ने 2001 से पहले गुजरात में आए अकाल, फिर भूकंप और गोधरा ट्रेन की घटना और राज्य में फैली हिंसा के बाद के हालात की चर्चा की। उन्होंने कहा, तब कुछ लोग एजेंडा के तहत गुजरात को दुनिया में बदनाम करने की साजिश रच रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, जब मैं गुजरात का सीएम था और राज्य विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहा था, तब केंद्र सरकार में बैठे लोग बुलाने पर भी नहीं आते थे। सीएम के तौर पर मेरा ज्यादा अनुभव

नहीं था, लेकिन मेरा गुजरात और गुजरात के लोगों पर अटूट भरोसा था। मैंने सीएम रहते संकल्प लिया और इन चुनौतियों से राज्य को बाहर निकाला।

वाइब्रेंट गुजरात ब्रांडिंग नहीं, मेरे लिए बॉन्डिंग :

पीएम ने कहा, 20 साल पहले हमने एक छोटा सा बीज बोया था आज वह इतना विशाल वट वृक्ष बन गया है। बरसों पहले मैंने कहा था कि वाइब्रेंट गुजरात सिर्फ ब्रांडिंग का आयोजन भर नहीं है बल्कि इससे बढ़ कर बॉन्डिंग का आयोजन है। यह बॉन्ड मेरे और गुजरात के 7 करोड़ नागरिकों और उनके सामर्थ्य के साथ जुड़ा हुआ है।

अकाल, भूकंप, गोधरा और हिंसा की भी चर्चा की :

मोदी ने कहा, 2001 में आए भीषण भूकंप से भी पहले गुजरात लंबे समय तक अकाल की स्थिति से जूझ रहा था। भूकंप से लाखों लोग प्रभावित हुए। इस बीच एक और गोधरा की हृदयविदारक घटना हुई और उसके बाद गुजरात हिंसा की आग में जल उठा।

तब कहा गया कि गुजरात से सब पलायन कर जाएंगे :

मोदी ने कहा, जो लोग एजेंडा लेकर चलते थे वे उस समय भी घटनाओं का अपने तरीके से आंकलन करने में जुटे हुए थे।

19 थानों को छोड़कर पूरा मणिपुर डिस्टर्ब्ड एरिया घोषित

इंफाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में दो लापता स्टूडेंट्स की हत्या के विरोध के बाद राज्य में हिंसा बढ़ गई। 26 सितंबर को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई। जिसमें पुलिस को गोली चलानी पड़ी।

मौजूदा स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने एक अक्टूबर से अगले छह महीनों के लिए राज्य को अशांत क्षेत्र घोषित किया है। हालांकि इसमें 19 थाना क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। जिसमें इंफाल, लेंफेल, सिटी, सिंग्जमेई, सेकमई, लामसांग, पत्सोई, वांगोई, पोरोमपट, हेंगेंग, लामलाई, इरिलबुंग, लेमखोंग, थोबुल, बिष्णुपुर, नांबोल, मोइरोंग, काकचिंग और जिरिबम शामिल हैं।

बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन हुआ। हजारों छात्र सड़क पर विरोध जताने उतरे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की जिसमें कुछ स्टूडेंट घायल हुए। वहीं इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) की महिला शाखा ने भी पांच महीने के दौरान आदिवासियों की हत्या और बलात्कार की सीबीआई जांच के आदेश में देरी के खिलाफ चुराचांदपुर में प्रदर्शन किया।

असम-मेघालय के बीच सीमा विवाद फिर हिंसक

शिलांग, 27 सितंबर (एजेंसियां)। असम और मेघालय के बीच सीमा विवाद एक बार फिर हिंसक हो गया है। 26 सितंबर को बॉर्डर के पास स्थित एक गांव में झड़प हुई। पुलिस ने बताया, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर धनुष-बाण और गुलेल से हमला किया। बुधवार को इस विवाद के फोटो-वीडियो वायरल हुए।

यह भिड़ंत मेघालय के पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले और असम के पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले के बीच सीमा पर स्थित लापांगप गांव में हुई। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दोनों राज्यों की पुलिस टीमों ने घटनास्थल का दौरा किया, लोगों को समझाइश दी। तब हालात काबू में किए जा सके।

कावेरी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जाएगी

चामराजनगर (कर्नाटक), 27 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार तमिलनाडु को पानी छोड़ने के कावेरी जल नियामक समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी।

मलाई महादेश्वरा हिल्स में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आदेश पर सवाल उठाया जाएगा और एक अपील याचिका भी दायर की जाएगी। आदेश के मद्देनजर, बेंगलुरू और कावेरी जलग्रहण क्षेत्र में विरोध-प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हमारे पास जल भंडारण नहीं है। हमने कानूनी विशेषज्ञों के सुझाव लिए हैं। कावेरी जल को लेकर कोई समझौता नहीं है। भाजपा और जद (एस) कावेरी संकट पर राजनीति कर रहे हैं।

गोवंश को लंपी से बचाने के लिए एक करोड़ वैक्सीन लगवाएगी यूपी सरकार

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने गोवंश को लंपी चर्म रोग से बचाने के लिए एक माह में एक करोड़ वैक्सीन लगाने का निर्देश दिया है। प्रतिदिन 3.15 लाख टीकाकरण करने का निर्देश दिया गया है। यूपी के पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने टीम के साथ बैठक कर प्रदेश में लंपी की रोकथाम के लिए किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। सरकार की ओर से कहा गया है कि गोवंश के बचाव के लिए प्रत्येक स्तर पर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाएं।

प्रदेश के जो जनपद प्रभावित नहीं हैं, वहां गोटपॉक्स वैक्सीन से टीकाकरण कराया जाएगा। अपर मुख्य सचिव डॉ. रजनीश दुबे ने बताया कि अब तक 65 लाख टीकाकरण किया गया है। प्रदेश के समस्त जनपदों को वैक्सीन उपलब्ध करा दी गई है। अब तक 1,17,84,100 वैक्सीन जनपदों को वितरित की जा चुकी है। बीमारी से 40 जनपद प्रभावित हुए हैं। कुल 8,825 गोवंश प्रभावित हैं। बीमारी से मात्र 59 गोवंश की मृत्यु हुई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गोआश्रय स्थलों एवं गोसंरक्षण केंद्रों के सैनिटाइजेशन एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

लंपी रोग से बचाव के लिए और अधिक सतर्कता बरतने व प्रभावित गोवंश के समुचित उपचार का भी निर्देश दिया गया है। वहीं पशु मेला/हाट आदि के आयोजन पर तत्काल रोक लगाने का निर्देश दिया गया है। सरकार की तरफ से कहा गया कि किसानों और पशुपालकों को रोग से बचाव के लिए जागरूक कर इसका व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित किया जाए। लंपी प्रो वैक्सीन की 15 हजार डोज एनआरसी हिसार से प्राप्त की गई है। इनमें से गोरखपुर मंडल को 11 हजार डोज तथा बलरामपुर व लखनऊ जनपदों को दो-दो हजार डोज उपलब्ध कराई गई है। वहीं गोरखपुर जनपद की दो गोशालाओं में एक हजार डोज पहले ही लगा दी गई है।

बिहार में एक बार फिर बदलेगा मौसम

हथिया नक्षत्र में इन जिलों में होगी झमाझम बारिश

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून लगातार कमजोर हो रहा है। हालांकि अगले 24 घंटे में बिहार के कई भागों में हल्की वर्षा होने के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो बिहार में पिछले कुछ दिनों से झमाझम बारिश हो रही थी, लेकिन पिछले 2 दिनों से बारिश नहीं हो रही है। बदले मौसम में तेज धूप के कारण फिर से उमस बढ़ने लगी है। इस कारण मौसम विभाग को उम्मीद है कि इस बार भी हथिया नक्षत्र में मानसून की अच्छी बारिश प्रदेश में देखने को मिलेगी। जबकि लगातार बदलते हुए मौसम के कारण लोग मौसमी बीमारियों और वायरल से भी परेशान हैं। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक सौरव कुमार के मुताबिक, 29 सितंबर तक भोजपुर, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, अरवल, पटना, गया, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बक्सर और बेगूसराय के कुछ इलाकों में बारिश होगी। जबकि मुजफ्फरपुर समेत राज्य के बाकी हिस्सों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं, 2 अक्टूबर से मौसम पूरी तरह बदल जाएगा और उत्तर बिहार के कुछ हिस्सों के अलावा पटना समेत दक्षिण बिहार के ज्यादातर हिस्सों में झमाझम बारिश होगी। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार बिहार के लोगों को दो से तीन दिन हल्की उमस झेलनी पड़ सकती है।

उत्तरी भाग में भी शुष्क रहेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिक सौरव कुमार की मानें तो उत्तर बिहार में मौसम अब आमतौर पर शुष्क बना रहेगा। हालांकि इस दौरान आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। वहीं, 30 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद मौसम विभाग द्वारा जताई गई है।

अब खैर नहीं

खालिस्तानी आतंकियों और गैंगस्टरों के गठजोड़ को यूं जड़ से मिटाने की चल रही तैयारी

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। एनआईए की टीम ने बुधवार की सुबह खालिस्तान आतंकियों और उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के कई जिलों में एक साथ छापेमारी की है। सूत्रों की मानें तो एनआईए की टीम ने उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत,लखीमपुर खीरी, अलीगढ़ और सहारनपुर में एक साथ छापेमारी की है। इस दौरान कुछ अहम जानकारियां भी टीम के हाथ लगी हैं। हालांकि इस कार्रवाई को लेकर यूपी पुलिस का कोई भी अधिकारी कुछ भी बोलने से इनकार कर रहे हैं। एनआईए की छापेमारी को लेकर स्थानीय पुलिस, एसटीएफ, एटीएस और लोकल जांच एजेंसी एलआईयू भी सक्रिय है। एनआईए की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, झारखंड और हरियाणा सहित कई राज्यों के तकरीबन 50 से अधिक ठिकानों पर चल रही है। उल्लेखनीय है कि खालिस्तान समर्थकों पर शिकंजा कसने के लिए भारत की तमाम जांच एजेंसियों ने एक साथ बड़ी बैठक की थी। इसके बाद ही कई राज्यों में यह छापेमारी की कार्रवाई शुरू हो गई है।

'अपनी गऊशालाओं से कसाइयों को गायें बेचता है इस्कॉन'

मेनका गांधी के बयान पर मचा बवाल

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से बीजेपी सांसद मेनका गांधी ने इस्कॉन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियो में मेनका कहती हैं कि इस्कॉन सबसे बड़ा धोखा है। ये लोग गोशाला चलाते हैं। इसके लिए, इन्हें सरकार से हर तरह से मदद मिलती है। बड़ी-बड़ी जमीनें मिलती हैं। इसके बावजूद आप जब इनके गोशाला में जाएंगे तो आपको एक भी ऐसी गाय नहीं मिलेगी जो दूध देती हो। मेनका ने बताया कि एक बार वह आंध्र प्रदेश के अनंतपुर स्थित इस्कॉन के गोशाला में गई थीं। वहां उन्हें एक भी बछड़ा नहीं मिला। इसका मतलब है कि ये लोग इन्हें कसाईखाने को बेच देते हैं। जितना इस्कॉन वाले गायों को कसाइयों के हवाले करते हैं, शायद उतना कोई नहीं करता। मेनका गांधी यहीं नहीं रुकतीं। वह आगे कहती हैं- "इस्कॉन के लोग सड़क पर हरे राम-हरे कृष्णा गाते हुए फिरते हैं और कहते हैं कि हमारा पूरा जीवन दूध पर निर्भर है। जितना इन लोगों को गाय और बछड़ों को कसाइयों को बेचा है, शायद इतना किसी ने नहीं किया होगा।' मेनका गांधी के इस वीडियो पर लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर धड़ल्ले से शेयर कर रहे हैं।

इस्कॉन ने आरोपों को आधारहीन बताया

इस बीच, इस्कॉन की तरफ से मेनका गांधी के आरोपों पर जवाब दिया गया है। इस्कॉन ने मेनका के आरोपों को तथ्यहीन करार दिया है। इस्कॉन के राष्ट्रीय प्रवक्ता युधिष्ठिर गोविंद दास का कहना है कि उनकी संस्था गाय और बैल के संरक्षण के लिए न सिर्फ देश में बल्कि पूरी दुनिया में काम कर रही है। इस्कॉन की गोशालाओं में गाय और बैल तब तक रहते हैं जब तक वे जिंदा हैं। एक भी गाय, बैल और बछड़े को कसाई के हवाले नहीं किया जाता है। इस्कॉन की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि मेनका गांधी चर्चित एनिमल राइट्स एक्टिविस्ट हैं जो इस्कॉन की शुभचिंतक रही हैं। ऐसे में उनका बयान चौंकाने वाला है।

मथुरा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म पर चढ़ी ईएमयू ट्रेन, हड़कंप

मथुरा, 27 सितंबर (एजेंसियां)। ईएमयू ट्रेन उत्तरप्रदेश के मथुरा जिले में एक अजीबोगरीब घटना हुई। इस घटना में मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर एक लोकल ईएमयू ट्रेन अपने आप प्लेटफॉर्म पर चढ़ गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रेलवे अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि शकूर बस्ती (दिल्ली) से चलकर मथुरा पहुंचने वाली ईएमयू (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन रात करीब 10 बजकर 50 मिनट पर प्लेटफॉर्म नंबर-2ए पर आकर रुकी। यह इसका अंतिम स्टेशन है इसीलिए चालक दल तथा सभी यात्री उतर गए। अधिकारियों ने बताया कि कुछ देर बाद ही ट्रेन अपने आप ही आगे बढ़ने लगी और प्लेटफॉर्म पर चढ़ गई। कुछ गज दूरी तय करने के बाद ट्रेन का इंजन अपने आप बंद हो गया। आगरा रेल मंडल के प्रवक्ता प्रशस्ति श्रीवास्तव ने कहा कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। एक महिला मामूली रूप से घायल है। उन्होंने बताया कि झांसी की रहने वाली ऊषादेवी को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद वे ठीक हैं। उत्तर-मध्य रेलवे (प्रयागराज) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि इस असामान्य घटना की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि प्लेटफॉर्म नंबर 2ए को छोड़कर बाकी सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों की आवाजाही सुचारु है।

दीमक चट कर गई बैंक के लॉकर में रखे 18 लाख रुपए

महिला के उड़े होश, मैनेजर से की शिकायत

मुरादाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला के लॉकर में रखे जेवर और 18 लाख रुपए को दीमक चट कर गई। महिला ने अपनी बेटी की शादी के लिए जेवर और रुपए बैंक ऑफ बड़ौदा की आशियाना शाखा के लॉकर में रखा था। इसका खुलासा तब हुआ जब बैंक ने महिला को लॉकर एग्रीमेंट के रिन्यूअल और केवाईसी के लिए बुलाया। जब महिला ने लॉकर खोला तो प्लास्टिक के बैग में रखे 18 लाख रुपए के नोट और जेवर को दीमक चट कर गई थी। जिसके बाद महिला के होश उड़ गए। महिला ने इसकी शिकायत बैंक मैनेजर से की तो हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक आशियाना कॉलोनी निवासी अलका पाठक ने अक्टूबर 2022 में बैंक के लॉकर में जेवर और 18 लाख रुपए बेटी की शादी के लिए रखे थे। सोमवार को बैंक की तरफ से उन्हें लॉकर के रिन्यूअल और केवाईसी अपडेट के लिए बुलाया गया था। जब उन्होंने अपना लॉकर खोला तो उनके होश उड़ गए। प्लास्टिक बैग में रखे 18 लाख रुपए को दीमक चट कर गई थी। इसकी शिकायत उन्होंने बैंक मैनेजर से की तो हड़कंप मच गया। फिलहाल पूरे मामले में जांच की जा रही है।

लेकिन मामला जैसे ही सामने आया जंगल में आग की तरह फ़ैल गया। अलका पाठक ने बताया कि उन्होंने अक्टूबर 2022 में अपने लॉकर में 18 लाख रुपए और कुछ जेवर अपनी दूसरी बेटी की शादी के लिए रखे थे। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं मालूम था कि लॉकर में पैसे रुपए नहीं रखते। अलका पाठक ने बताया कि बैंक मैनेजर ने कहा है कि जांच की जा रही है। जो भी जानकारी मिलेगी उसे शेयर किया जाएगा।

जेडीयू के लोग बीजेपी के पास किस चीज का ऑफर लेकर जा रहे?

सुशील कुमार मोदी का बड़ा खुलासा

पटना, 27 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले बिहार की राजनीति गरमाई हुई है। बीजेपी के नेता अलग-अलग दावे कर रहे हैं तो वहीं महागठबंधन के नेता सब कुछ ठीक होने का दावा कर रहे हैं। इस बीच बीजेपी नेता ने दावा किया है कि जेडीयू के लोग बीजेपी के पास ऑफर लेकर आ रहे हैं। बयान देते हुए बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने बड़ा खुलासा किया है। सुशील कुमार मोदी ने कहा कि जेडीयू के लोग ऑफर लेकर आते रहते हैं कि नीतीश कुमार को राज्यपाल बना दीजिए तो गठबंधन बीजेपी से जेडीयू कर लो जाएगा। जेडीयू के अधिकांश विधायक और सांसद चाहते हैं कि नीतीश कुमार बीजेपी से गठबंधन कर लें और बिहार में एनडीए सरकार बन जाए, लेकिन हम लोग नीतीश कुमार को राज्यपाल भी नहीं बनाएंगे।

'बीजेपी में ये नीतीश तो भी डराते थे'

राज्यसभा सांसद ने कहा कि बीजेपी का कोई भी कार्यकर्ता नीतीश को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। नीतीश के पास एक वोट की भी क्षमता नहीं है। नीतीश कुमार जब एनडीए में थे तब वो आरजेडी, कांग्रेस के नजदीक होने का ढोंग रचते थे। भारतीय जनता पार्टी को डराते थे कि गड़बड़ करोगे तो उन लोगों के साथ चला जाऊंगा।

'कांग्रेस और आरजेडी को डरने की जरूरत नहीं'

आगे बीजेपी नेता सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार अब आरजेडी और कांग्रेस को डरा रहे हैं कि अगर हमें भाव, सम्मान नहीं दिया तो अब मैं बीजेपी के साथ चला जाऊंगा। सुशील मोदी ने कहा कि मैं राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस से कहना चाहता हूं कि डरने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए बीजेपी का दरवाजा बंद है।

जाति जनगणना को लेकर एनडीए में मतभेद?

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल बोलीं- 'सेंसस के पक्ष में अपना दल'

लखनऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव के पहले कुछ ऐसे विषय हैं जो सत्ताधारी बीजेपी के लिए बड़ी चुनौती है, इनमें से एक जाति जनगणना है। इसी बीच बीजेपी की सहयोगी अपना दल एस की अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल का बयान काफी सुर्खियों में है। अनुप्रिया पटेल ने जाति जनगणना को लेकर समर्थन की बात कही है। उन्होंने दावा करते हुए स्पष्ट किया है कि वे हमेशा से ही इसके पक्ष में हैं। हालांकि, जाति जनगणना होगी या नहीं, अभी आने वाले समय में इसकी आधिकारिक पुष्टि होगी और इसे केंद्र सरकार को फैसला लेना है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल वाराणसी दौरे पर पहुंची थीं। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि अपना दल शुरू से ही जाति जनगणना के पक्ष में रही है और यह होना चाहिए। 2011 के बाद देश में सेंसस नहीं हुआ है लेकिन आने वाले समय में जनगणना जरूर होगी और इस विषय पर केंद्र सरकार को फैसला लेना है। आधिकारिक पुष्टि के बाद ही जाति जनगणना के बारे में पता चलेगा, वैसे जाति जनगणना होगी या नहीं, यह मोदी सरकार को तय करना है।

'इस बार एनडीए ही मारेगी बाजी'

वहीं महिला आरक्षण बिल पर केंद्र सरकार की तारीफ करते हुए अनुप्रिया पटेल ने कहा कि काफी लंबे समय से यह बिल लटका हुआ था। इस बार कानून बन रहा है। सभी की सहमति से यह बिल संसद में पारित हुआ। इसके अलावा इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की ओर से बिहार से लेकर बेंगलुरु तक कई बैठकर हुई, लेकिन सीटों के बंटवारे में अभी भी फैसला नहीं हो पाया है। हमारे पार्टी के दो सांसद हैं और आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में कितने उम्मीदवार होंगे, यह उचित समय पर फैसला लिया जाएगा, लेकिन 2024 में एनडीए ही बाजी मारेगी।

किन्नर ने बच्चों का प्राइवेट पार्ट काटकर नपुंसक बनाया

भीख मंगवाया, अब करोड़ों की संपत्ति पर लगा ताला

सीतापुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में किन्नर काजल के खिलाफ पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन ने इस किन्नर की करीब दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर ली है। फिलहाल जेल में बंद इस किन्नर काजल पर मासूम बच्चों को बहला फुसलाकर अगवा करने, उनके प्राइवेट पार्ट काटकर नपुंसक बनाने और फिर उनसे भीख मंगवाने का आरोप है। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सीतापुर पुलिस ने काजल की 3 मकान, 4 गाड़ियों समेत अन्य संपत्तियों को जब्त किया है। पुलिस के मुताबिक किन्नर काजल ने अपना पूरा गैंग बना रखा था। इस गैंग के लोग बच्चों को अगवा कर लाते थे और फिर उनके प्राइवेट पार्ट काटकर उन्हें नपुंसक बना दिया जाता था। इसके बाद इस गैंग के लोग इन बच्चों से भीख मंगवाते थे और लड़कियों को वेश्यावृति के धंधे में उतार दिया जाता था। साल 2022 में मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने किन्नर काजल और उसके गैंग के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया था। वहीं इस पूरे गैंग द्वारा अंजाम दिए गए वारदातों को देखते हुए पुलिस ने डीएम सीतापुर से गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए फाइल भेजी थी।

मैनपुरी में प्रेम कहानी का अंत

सात जन्मों में न बंध सके तो उठाया खौफनाक कदम, एक ही फंदे पर मिले प्रेमी युगल

मैनपुरी, 27 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के मैनपुरी जनपद में एक प्रेमी युगल की लाशें फंदे पर लटकी मिलने की सनसनीखेज घटना सामने आयी है। थाना घिरोर के गांव गड़ारा निवासी वीकेश और गांव की निवासी बनारसी के बीच लंबे अरसे से प्रेम संबंध थे। इन संबंधों की गांव में काफी चर्चा थी। दोनों एक-दूसरे से विवाह करना चाहते थे। स्वजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। बुधवार सुबह वीकेश और बनारसी का शव, वीकेश के घर में फंदे पर लटके मिले। दोनों के शव एक रस्सी के दोनों किनारों पर फंदे पर लटक रहे थे। वीकेश इस घर में अकेले सोते थे। स्वजन दूसरे घर में सोते थे। युवती अपने घर से वीकेश के घर कैसे पहुंची, इसे लेकर कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस घटना को प्रेमसंबंधों में असफल होने पर आत्महत्या बता रही है। एसओ घिरोर बीएस भाटी ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल ने उदयनिधि पर दायर किया परिवाद, 4 अक्टूबर को सुनवाई

अयोध्या, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सनातन धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले उदयनिधि स्टालिन पर कानूनी कार्रवाई के लिए महावीर मंदिर न्यास- पटना के सचिव एवं पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल ने परिवाद दायर किया है। प्रकरण में चार अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। उन्होंने याचिका के साथ सनातन धर्म पर 54 पृष्ठों की पुस्तिका भी संलग्न की है।

पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के कोर्ट में दायर परिवाद में आचार्य किशोर कुणाल ने तीन सितंबर को चेन्नई में आयोजित सनातन उन्मूलन सम्मेलन में स्टालिन के वक्तव्य की वीडियो प्रति अंग्रेजी अनुवाद के साथ न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की है। साथ ही सम्मेलन के अगले दिन सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उदयनिधि स्टालिन के उस वक्तव्य को भी संलग्न किया है, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म के उन्मूलन से संबंधित अपने बयान पर कायम रहने की बात कही और उसे फिर दोहराया। उदयनिधि स्टालिन ने सम्मेलन के दौरान कहा था "मच्छर, डेंगू, मलेरिया, कोरोना की तरह सनातन धर्म है, जिसका उन्मूलन हम लोगों को करना है"। किशोर कुणाल ने कहा है कि उदयनिधि स्टालिन ने ऐसे वक्तव्य से सनातन धर्म के करोड़ों अनुयायियों की धार्मिक भावनाओं को आहत किया है और करोड़ों सनातन अनुयायियों की धार्मिक भावना को भड़काया भी है। परिवाद याचिका में आचार्य किशोर कुणाल ने यह भी बताया है कि महावीर मंदिर में 13 जून 1993 से अनुसूचित जाति का पुजारी है। वर्तमान में अनुसूचित जाति के अवधेशदास पुजारी हैं और उन्हें भोग, आरती आदि सारे अधिकार हैं। आचार्य किशोर कुणाल ने न्यायालय को बताया कि "दलित देवो भवः" तीन खंडों में उनकी पुस्तक है और उदयनिधि स्टालिन के वक्तव्य से सनातन धर्म के शाश्वत मूल्यों में उनकी आस्था को गहरी चोट पहुंची है।

आचार्य किशोर कुणाल ने परिवाद याचिका में कहा है कि उदयनिधि स्टालिन जर्मनी के तानाशाह हिटलर और सोवियत रूस के तानाशाह स्टालिन की भाषा बोल रहे हैं। आचार्य किशोर कुणाल ने कोर्ट के समक्ष दलील रखी है कि सनातन धर्म का उन्मूलन दो ही तरीके से हो सकता है। या तो सभी सनातन धर्मावलंबियों का जबरन धर्म परिवर्तन कर दिया जाए या उनका संहार कर दिया जाए।

बाहुबली राजा भैया की टेंशन बढ़ाएगा जीयाउल हत्याकांड, जानिए इसकी वजहें

कुंडा, 27 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कुंडा में वर्ष 2013 में पुलिस अधिकारी जियाउलहक हत्याकांड की जांच अब सीबीआई करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका का संज्ञान लेते हुए इस मामले को अब सीबीआई को सौंप दिया है। ऐसा माना जा रहा है कि सीबीआई की जांच में कुंडा के बाहुबली नेता राजा भैया की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में 10 साल पहले डीएसपी की हत्या कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने मामले में एसडीएम की रिपोर्ट को मान्यता देते हुए सीबीआई को तत्कालीन डीएसपी जिया उल हक की हत्या की जांच करने और तीन महीने के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

अखिलेश सरकार ने दी थी जियाउल की पत्नी को नौकरी

दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपने वादे पर अमल करते हुए बहुचर्चित कुंडा हत्याकांड में शहीद हुए पुलिस अधिकारी जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद और उनके भाई सोहराब को नौकरी दे दी थी। प्रदेश सरकार की ओर से जियाउल हक की पत्नी परवीन आजाद को विशेष अधिकारी (ओएसडी) तथा उनके भाई सोहराब की सिपाही के पद पर नियुक्ति की गयी है।

पत्नी को सरकार ने बनाया था ओएसडी रैंक का अधिकारी

मालूम हो कि परवीन आजाद को सीधे डीएसपी रैंक की नौकरी देने की मांग उठ रही थी लेकिन यह पद लोक सेवा आयोग से सृजित होने की वजह से उक्त पद पर सीधे तौर पर तैनाती नहीं दी जा सकती। ऐसे में डीएसपी के समकक्ष वेतनमान में परवीन को विशेष कार्याधिकारी का दर्जा दिया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी विभिन्न घटनाओं में मारे गए पुलिस अधिकारियों की पत्नियों को ओएसडी का ही ओहदा दिया गया है।

ये था मामला

मालूम हो कि उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के हथिगवां क्षेत्र के बलीपुर गांव में कुछ लोगों ने ग्राम प्रधान और उनके भाई की हत्या कर दी थी, जिससे वहां के लोग बुरी तरह से गुस्सा गये और गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर हमला कर दिया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 28 सितंबर, 2023

सुविचार

किसी चीज से डरो मत। तुम अद्भुत काम करोगे। यह निर्भयता ही है जो क्षण भर में परम आनंद लाती है।

गणेश शोभायात्रा और विसर्जन के लिए सभी व्यवस्थाएं : तलसानी

मंत्रियों ने अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के पशुपालन, मत्स्य पालन और डेयरी विकास मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि सरकार ने गणेश शोभायात्रा और विसर्जन के लिए सभी व्यवस्थाएं की हैं। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, गृह मंत्री महमूद अली महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़, पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, जीएचएमसी ईएनसी जियाउद्दीन, जल कार्य निदेशक कृष्णा, जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वेंकट, विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चारमीनार से विशेष बसों में उस्मानगंज, मोजम जाही मार्केट, एबिड्स, लिबर्टी, तेलुगुतल्ली फ्लाईओवर होते हुए एनटीआर मार्ग पर खैरताबाद में गणेश विसर्जन के लिए क्रेन नंबर 4 पर पहुंचे और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। शोभायात्रा के अवसर पर किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को कई निर्देश दिये गये। खैरताबाद विनायक पहुंचकर विशेष पूजा की। इस मौके पर मीडिया से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि हैदराबाद में गणेश नवरात्रि समारोह बहुत भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मुख्यमंत्री कल्वाकुंतला चन्द्रशेखर राव के निर्देशानुसार विभिन्न सरकारी विभागों के निर्देशन में हर साल सभी व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिन मार्गों से गणेश प्रतिमाओं का जुलूस निकाला जाता है, उन सभी मार्गों पर बिना किसी बाधा के सभी सावधानियां बरती गई हैं। बिजली के तार और पेड़ की टहनियों को बिना किसी रुकावट के हटा दिया गया। इसी प्रकार, आवश्यक क्षेत्रों में सड़क मरम्मत के साथ-साथ 52,000 विद्युत लाइटें भी लगाई गई हैं। श्रद्धालुओं को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 34 लाख पानी के पैकेट तैयार किये गये हैं और इसके लिए 122 स्टॉल लगाये गये हैं। इसी तरह मूर्ति विसर्जन के लिए 125 स्टैंडिंग क्रेन, 244 मोबाइल क्रेन और कुल 369 क्रेन लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 12 किलोमीटर तक बैरिकेडिंग भी लगाई गई है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में 3% स्वास्थ्य शिविरों की स्थापना के साथ ही आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए 15 अस्पतालों में व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई सुनिश्चित करने के लिए 3 हजार सफाई कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं और वे चौबीसों घंटे अपनी ड्यूटी निभाएंगे। उन्होंने कहा कि 33 अतिरिक्त ट्रांसफार्मर विद्युत आपूर्ति में बिना किसी रुकावट के उपलब्ध कराये गये हैं। उन्होंने कहा कि 68 फीट के खैरताबाद गणेश के विसर्जन के लिए सारी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं, जिसे पूरा देश बड़े चाव से देखता है। उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन के लिए 74 क्षेत्रों में व्यवस्था की गयी है, इसी तरह 33 शिशु तालाब भी बनाये गये हैं। 200 तैराक और 5 नावें भी उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में जलकार्य एमडी दानकिशोर, सतर्कता एवं प्रवर्तन निदेशक प्रकाश रेड्डी, जोनल कमिश्नर रवि किरण समेत अन्य मौजूद थे।

सीएम केसीआर ने एशिया गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर तेलंगाना की ईशा सिंह को बधाई दी

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने तेलंगाना की युवा निशानेबाज ईशा सिंह और उनकी टीम की उत्कृष्ट उपलब्धि की सराहना की, जिन्होंने चीन में आयोजित एशियाई खेलों 2023 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने सभी तेलंगाना एथलीटों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कामना की कि वे अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए कई पदक लाएं और वैश्विक खेल मंचों पर तेलंगाना की प्रतिष्ठा को और बढ़ाएं। एक बयान में, चंद्रशेखर राव ने राज्य में खेल विकास को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल क्षेत्रों में तेलंगाना के एथलीटों की सफलता राज्य के प्रचुर प्रतिभा पूल के प्रमाण के रूप में खड़ी है।

ईशा सिंह की टीम ने उल्लेखनीय टीम वर्क और कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल 1,759 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। मुख्यमंत्री ने उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की और भारत के लिए उनकी जीत के महत्व पर प्रकाश डाला।

ठाकरे ने टीपीसीसी वॉर रूम का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईसीसी प्रभारी माणिक राव ठाकरे ने आज यहां इंदिरा भवन में टीपीसीसी वॉर रूम और कनेक्ट सेंटर का उद्घाटन किया। सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क, अभियान समिति के अध्यक्ष मधु याशकी, कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, पूर्व सांसद पोन्नम प्रभाकर, मल्लू रवि और अन्य उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, माणिक राव ठाकरे ने कहा कि राज्य के मैदानी स्तर पर पार्टी के प्रदर्शन की समय-समय पर निगरानी की जा रही है और पार्टी कैडर को निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वॉर रूम चुनाव के दौरान पार्टी को महत्वपूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पहले ही कई घोषणाएं कर चुकी है और उन्होंने कहा कि पार्टी की छह गारंटी की भी घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि उनकी गारंटी के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया जबरदस्त थी। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जीतेगी।

एनएमडीसी में हिंदी अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी मुख्यालय, हैदराबाद में 14 से 29 सितंबर, 2023 तक जारी राजभाषा पखवाड़े के एक कार्यक्रम के रूप में हिंदी अंत्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कार्मिकों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के प्रारंभ में रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा क्विज मास्टर एवं निर्णायक के रूप में उपस्थित डॉ. अनुराधा पाण्डे, राजभाषा अधिकारी, डीआरडीओ, हैदराबाद का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित एस. चटर्जी, महाप्रबंधक (कार्मिक) ने प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया। प्रतियोगिता के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित कार्मिकों के प्रति हर्ष व्यक्त करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि अंत्याक्षरी प्रतियोगिता बहुत ही रूचिकर प्रतियोगिता है तथा आप सभी इस प्रतियोगिता में आनन्द के साथ भाग लें। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए अपना दैनिक कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने का आग्रह किया।

तत्पश्चात क्विज मास्टर डॉ. अनुराधा पाण्डे ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्हें हिंदी पखवाड़े की बधाई दी तथा हिंदी अंत्याक्षरी प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में पारंपरिक अंत्याक्षरी, अंतरा-मुखड़ा, धुन गुनगुनाओ, शब्द जाल, शीर्षक गीत, देशभक्ति तथा पहचानो तो जानो आदि राउंड होंगे। अंत्याक्षरी प्रतियोगिता बहुत ही रूचिकर रही। इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मुकेश पांडे, अनुराग साहू तथा जी. देवेन्द्र रेड्डी, द्वितीय स्थान पर भास्कर मित्रा, आशीष कुमार पांडे एवं श्रीमती रेखा गर्ग तथा तृतीय स्थान पर श्रीमती मेघा गुप्ता, श्रीमती सीतामणी एवं श्री जीवीकेएस नरसिंह राव की टीम विजेता रहीं। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. रजिन्दर कौर, प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन देबाशीष घोष, प्रबंधक (राजभाषा) ने दिया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में राजेश कुमार गोंड, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा), एस.के. सनोडिया, उप प्रबंधक (सचि.) एवं सुश्री के. सौम्या, अप्रेंटिस प्रशिक्षु का सक्रिय सहयोग रहा।

समता साहित्य समिति द्वारा हिन्दी दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समता साहित्य समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के आर्ट्स कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के सेमिनार हॉल में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन संपन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता समता साहित्य समिति के अध्यक्ष प्रो. धर्मपाल पीहल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषाएं विश्वविद्यालय, हैदराबाद के हिंदी विभाग की प्रो. टीजे रेखा रानी, विशेष अतिथि के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय हिंदी विभाग की प्रो. माया वाघमारे तथा दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद की वरिष्ठ हिंदी अनुवादक डॉ. रानी पाल मुख्य वक्ता के रूप में मंचासीन थे। इस अवसर पर उस्मानिया विश्वविद्यालय के डायरेक्टरेट ऑफ एडमिशन के ज्वाइंट डायरेक्टर डॉ. अख़्तर अली भी मंचासीन थे। समिति की उपाध्यक्ष एवं मैत्री महिला संघ की अध्यक्ष कांता बौद्ध ने समारोह के अध्यक्ष एवं अतिथियों का मंच पर आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. धर्मपाल पीहल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि हिंदी केवल भाषा ही नहीं है बल्कि वह हमारे भावों, विचारों, साहित्य, समाज और संस्कृति की संवाहिका भी है। उन्होंने कहा कि हिंदी को भारतीय समाज, देश और विश्व में एकता, ज्ञान -विज्ञान, समता, भाईचारा और विकास का माध्यम बनना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रो. रेखा रानी ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी विश्व की तीसरे स्थान की भाषा है जो पूरे विश्व में बोली जाती है। उन्होंने कहा कि आज 140 देशों में हिंदी के पठन-पाठन का कार्य चल रहा है। इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सेवानिवृत्त प्रबंधक साधना भराड़े ने भी बैंकों में हिंदी प्रयोग को लेकर उठने वाली व्यावहारिक समस्याओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. मुहम्मद अब्बास ने अपनी कविताओं का पाठ किया।

युवाओं को कोंडा लक्ष्मण बापूजी की महत्वाकांक्षा को हासिल करने के लिए काम करना चाहिए : रोनाल्ड रोज़

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने कहा कि युवाओं को कोंडा लक्ष्मण बापूजी की महत्वाकांक्षा को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। कोंडा लक्ष्मण बापूजी की 108वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। आयुक्त के साथ ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, ईएनसी जियाउद्दीन, अतिरिक्त आयुक्त शंकरैया, सरोजा विजयालक्ष्मी, कृष्णा, यादगिरी राव, श्रीवत्स, यूसीडी संयुक्त आयुक्त वेंकट रेड्डी, कीट विज्ञान प्रमुख डॉ. रामबाबू, सीपीआरओ मोहम्मद मुर्तुजा , ओएसडी वेणुगोपाल, अनुराधा, पीआरओ पद्मा, सहायक नगर आयुक्त जीवन कुमार, वेंकटरमण और अन्य ने कोंडा बापूजी लक्ष्मण बापूजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयुक्त ने कहा कि वह एक राजनेता थे जिन्होंने तेलंगाना के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने बचपन से ही तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ी। एक दूरदराज के गांव में जन्मे, उन्होंने विधायक के रूप में जीत हासिल की और तेलंगाना के लिए अपने मंत्री पद का बलिदान दिया। आयुक्त ने कहा कि वह तेलंगाना के कट्टर समर्थक के रूप में लोगों के लिए लड़ने की भावना रखते थे। आयुक्त ने खुलासा किया कि हम सभी जानते हैं कि तेलंगाना राज्य के मुख्यमंत्री ने आचार्य कोंडा लक्ष्मण बापूजी के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना की है, जिसे तेलंगाना के लोग हमेशा याद रखेंगे।

ई-ऑफिस में हिंदी में काम बढाया जाए : अरुण कुमार जैन

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्यालय में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन की अध्यक्षता में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर जी. के. द्विवेदी, सभी प्रमुख विभागाध्यक्ष तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे तथा मंडलों व कारखानों के प्रतिनिधियों ने ऑन लाइन माध्यम से सहभागिता की। महाप्रबंधक ने कहा कि इस रेलवे के सभी स्टेशन संचालन नियमों तथा फाटक संचालन नियमों को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक व त्रिभाषिक रूप में जारी करवाया जाए क्योंकि यह राजभाषा नियम के अनुपालन के साथ-साथ संरक्षा की दृष्टि से भी अनिवार्य है। इस रेलवे पर रेल संरक्षा के संबंध में जारी किए जानेवाले सभी प्रलेखों को अनिवार्य रूप से द्विभाषिक व त्रिभाषिक रूप में जारी करवाना सुनिश्चित किया जाए। वेबसाइट पर सामग्री अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी अनिवार्य रूप से अद्यतन करवाया जाए। ई-ऑफिस में हिंदी में काम बढाया जाए। इससे पहले बैठक के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर ने महाप्रबंधक तथा सभी सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि इस रेलवे के मुख्यालय को रेल मंत्री राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस रेलवे के मुख्यालय सहित सभी मंडलों और कारखानों में हिंदी पखवाडा मनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति द्वारा विजयवाडा मंडल, हैदराबाद मंडल, रायनपाडु कारखाना के निरीक्षण के दौरान की गई टिप्पणियों पर आवश्यक कार्रवाई की जाए। एम.के.नागराजु, राजभाषा अधिकारी, प्रधान कार्यालय ने बैठक का संचालन करते हुए पिछली तिमाही की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की मदों पर विस्तार से चर्चा की तथा पिछली तिमाही के दौरान किए गए विशेष कार्यों की जानकारी दी।

मंडलों और कारखानों के प्रतिनिधियों ने अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और अगली तिमाही की कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल ठग गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला पुलिस ने एक ठग को गिरफ्तार किया जो कथित तौर पर साइबराबाद, हैदराबाद और बेंगलुरु में धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल था। पुलिस के अनुसार, पूर्वी गोदावरी के मूल निवासी और नानकरामगुडा निवासी अमरेश्वर नाथ (28) विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में गए और खुद को एक छोटे व्यवसायी के रूप में पेश किया। अमरेश्वर ने पहले हैदराबाद और बेंगलुरु में कई सॉफ्टवेयर कंपनियों के साथ काम किया था। डीसीपी राजेंद्रनगर जगदीश्वर रेड्डी ने कहा कि प्रबंधक या कैशियर के साथ बातचीत करने के बाद, अमरेश्वर दावा करेगा कि उसके पास छोटे मूल्यवर्ग की मुद्रा है और वह इसे 500 रुपये में बदलने का इरादा रखता है।

वह प्रतिष्ठान से 500 रुपये के नोट इकट्ठा करता था और छोटे नोट देने के बहाने दुकान से कुछ दूरी तक एक कर्मचारी को अपने साथ ले जाता था और उसे उतारकर भाग जाता था,'' अमरेश्वर ने छोटे होटलों, ईंधन स्टेशनों, हेयर कटिंग सैलून और अन्य दुकानों को निशाना बनाया जहां व्यापारिक लेनदेन के लिए सिक्कों या छोटे नोट 10 रुपए, 20 रुपए का इस्तेमाल किया जाता है। पुलिस ने वाणिज्यिक प्रतिष्ठान मालिकों से कहा कि वे ऐसे किसी भी व्यक्ति पर विश्वास न करें जो सिक्कों या छोटे मूल्यवर्ग के नोटों के बदले बड़ी मुद्रा का आदान-प्रदान करने की पेशकश करता है, जब तक कि वह अपने साथ राशि नहीं लाता है। अमरेश्वर मैलारदेवपल्ली, राजेंद्रनगर, चेवेल्ला, मोइनाबाद, गाचीबोवली, उस्मानिया विश्वविद्यालय और नरसिंगी पुलिस स्टेशनों में दर्ज सात मामलों में शामिल था।

आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार की पोषण माह 2023 गतिविधियों के संबंध में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा समपदा संस्थान, हैदराबाद ने आंगनवाड़ी केंद्र गड्डीअन्नाराम में बच्चों के लिए योग प्रोटोकॉल पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम से 11 बच्चे और दो आंगनवाड़ी कर्मचारी लाभान्वित हुए। डॉ. क्रिस एंटोनी रिसर्च ऑफिसर आयुर्वेद, डॉ. हेमाराजू एसआरएफ आयुर्वेद और श्रीनिवास राव एल.आई.ए. ने छात्रों के साथ बातचीत की और सकारात्मक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए उचित पोषण, दैनिक दिनचर्या, योग और ध्यान के महत्व के बारे में बात की। अंत में, पोषण माह 2023 के ब्रोशर कर्मचारियों को वितरित किए गए। ए.डब्ल्यूसी में आयोजित कार्यक्रम के बाद एन.आई.आई.एम.एच, हैदराबाद द्वारा सुबह 11:00 बजे मिलेट्स, आयुर्वेद, औषधीय पौधों और सामान्य ज्ञान पर जी.एच.एस. मलकपेट के हाई स्कूल छात्रों की एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया था। दो सदस्यों वाली पांच टीमों ने उत्साहपूर्वक प्रश्नोत्तरी में भाग लिया।

कॉलेज के प्राचार्य, उपप्राचार्य, शिक्षक और छात्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। पोषण माह 2023 पर ब्रोशर भी वितरित किए गए। इस कार्यक्रम से लगभग 30 सदस्य लाभान्वित हुए। कार्यक्रम डॉ. जीपी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, एन.आई.आई.एम.एच, हैदराबाद के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए जिन्होंने अधिकारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिये।

नवयुवक समिति, बेगम बाजार, लाला पहलवान द्वारा स्थापित गणेश महाराज की पूजा-अर्चना करते हुए कांग्रेस नेता एन.के सिंह, लड्डू यादव, भरत मानसिंह, गजानंद चौधरी, रघुनंदन गोप एवं अन्य।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 28 सितंबर- 2023

कावेरी को लेकर फिर तनाव

कावेरी वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने एक आदेश को लेकर कर्नाटक व तमिलनाडु के लोग फिर आमने-सामने हो गए हैं। कर्नाटक के किसान संगठन, कन्नड़ संस्थाएं और विपक्षी पार्टियां इसी फैसले को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। बता दें कि कावेरी वाटर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने जारी आदेश में कहा था कि कर्नाटक अगले 15 दिन तक तमिलनाडु को कावेरी नदी से पांच हजार क्यूसेक पानी दे। बस इसी आदेश के बाद दोनों राज्यों के बीच तनाव बढ़ गया है। कावेरी जल बंटवारे के मुद्दे को गरम करते हुए मंगलवार को बैंगलुरू बंद रखा गया था। गनीमत रही कि बंद कमोबेश शांतिपूर्ण रहा, लेकिन राज्य में बीजेपी और जेडीएस के बने नए गठबंधन जैसे मुख्य विपक्षी दलों के समर्थन ने इस मामले को इतनी हवा दी कि इसकी अहमियत अपने आप बढ़ गई। बता दें कि दोनों राज्यों के बीच कावेरी नदी का जल विवाद जब-तब गरमाता रहता है, लेकिन इस बार के विरोध की तुलना पिछले विरोधों से नहीं की जा सकती। इसकी सबसे बड़ी वजह यही है कि तब इस मामले के निपटारे का कोई व्यवस्थित और तर्कसंगत तरीका नहीं निकाला गया था। बताना जरूरी है कि कावेरी बेंगलुरु शहर के लिए पेयजल की और राज्य के मांडवा क्षेत्र की कृषि भूमि के लिए सिंचाई जल की आपूर्ति का मुख्य स्रोत माना जाता है। इसलिए इसके जल के बंटवारे को लेकर उठ रहा सवाल एक भावनात्मक मुद्दा बन गया है। जाहिर है मुद्दे को भुनाने में कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं रहना चाहता। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने न केवल सभी राज्यों का पानी का कोटा तय कर दिया बल्कि उस फैसले पर सही ढंग से अमल सुनिश्चित करने के लिए कावेरी वॉटर मैनेजमेंट अथॉरिटी और कावेरी वॉटर रेगुलेटरी कमिटी का भी गठन करवा दिया। ये दोनों गैर-राजनीतिक निकाय होने की वजह से अपनी भूमिका नियमित रूप से निभा रहे हैं। इस बार भी तमिलनाडु और कर्नाटक सरकार के दावों और उनकी मांगों पर जमीनी हकीकत की रोशनी में विचार करते हुए कावेरी वॉटर मैनेजमेंट अथॉरिटी और कावेरी वॉटर रेगुलेटरी कमिटी की सिफारिशों के आधार पर कर्नाटक को 5000 क्यूसेक रोजाना के हिसाब से पानी देने को कहा गया, जो तमिलनाडु की मांग के अनुरूप कम है। दोनों राज्य सरकारें इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गईं लेकिन कोर्ट ने अथारिटी के निर्देशों में दखल देने से इनकार कर दिया। ऐसे में अगर कर्नाटक सरकार ने इस फैसले पर अमल करने का निर्णय लिया तो उसे गलत मानना भी मुश्किल है। जो संगठन और राजनीतिक दल इस फैसले का विरोध कर रहे हैं, उनका कहना है कि 2018 में दिया गया सुप्रीम कोर्ट का फैसला सामान्य स्थितियों के लिए था, जबकि इस बार तो मॉनसून भी दगा दे गया है। इसकी वजह से बारिश काफी कम हुई है। लेकिन भूलना नहीं चाहिए कि सीडब्ल्यूएमए ने इस स्थिति पर विचार करते हुए ही अपना फैसला दिया है। कर्नाटक सरकार ने भी कहा है कि वह बदले हालात पर फिर से विचार करेगी और तब आगे का रुख तय करेगी। ध्यान में रखने वाली बात यह भी है कि इस बीच मांडवा में किसानों ने कम पानी वाली फसलों पर फोकस करना शुरू कर दिया है। दूसरी बात किसानों की नई पीढ़ी गैर-कृषि क्षेत्रों की ओर रुख कर रही है। इन वजहों से कावेरी का मुद्दा अब पहले जितना भावनात्मक नहीं रह गया है। राजनीति भी अगर इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अपना रुख तय करे तो यह मसला अपेक्षाकृत सुसंगत ढंग से सुलझाने में कोई दिक्कत नहीं होगी।

ये कैसा गठबंधन? लोकसभा में दोस्ती, विधानसभा में बैर

अशोक भाटिया

हाल ही में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के घटक दल हाल फ़िलहाल एक-दूसरे से मुकाबला कर रहे हैं। आज समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव मध्य प्रदेश में चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत कर चुके है । बुधवार को समाजवादी पार्टी अध्यक्ष रीवा पहुंचें जहां सिरमौर निर्वाचन क्षेत्र में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया । अखिलेश यादव गठबंधन के तहत मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में समाजवादी पार्टी के लिए सीट मांग रहे हैं। ऐसे में उनका दौरा बेहद अहम हो जाता है।

दरअसल इस साल के अंत तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष पहले ही एलान कर चुके हैं कि उनकी पार्टी मिजोरम को छोड़कर बाकी चार राज्यों में भी चुनाव लड़ेगी। मध्य प्रदेश में समाजवादी पार्टी पहले ही अपने छह उम्मीदवारों के नामों का एलान कर चुकी है तो वहीं छत्तीसगढ़ को लेकर भी तैयारी की जा रही है। समाजवादी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में भी 40 निर्वाचन क्षेत्रों की सूची तैयार की है, जहां से पार्टी ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव चाहते हैं कि अब उत्तर प्रदेश से बाहर भी पार्टी का विस्तार किया जाए और समाजवादी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर की पार्टी में बदला जाए। पिछले काफी समय से वो इसकी कोशिशें भी करते आ रहे हैं। 2024 से पहले समाजवादी पार्टी अब विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन का हिस्सा भी बन गई है। ऐसे में वो दूसरे राज्यों में भी अपनी ताकत को दिखाकर 20 24 में कुछ ज्यादा सीटें हासिल करना चाहेगी।

वर्ष 2018 के चुनाव में पार्टी ने 52 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे थे हालांकि उसे सिर्फ एक सीट मिली थी। वर्ष 2013 में पार्टी ने 164 सीट पर किस्मत आजमाई थी, पर पार्टी किसी भी सीट पर जीत दर्ज करने में विफल रही थी। अगस्त महीने में मध्यप्रदेश में विधायक रह चुके लक्ष्मण तिवारी ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। वहीं सतना के जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव संजय सिंह भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए थे। जाहिर-सी बात है कि मध्यप्रदेश में समाजवादी पार्टी का एक्टिव होना कहीं ना कहीं कांग्रेस के लिए परेशानी का सबब बन सकता है।इसके पहले समाजवादी पार्टी ने ऐलान किया था कि आगामी राजस्थान विधानसभा चुनाव में राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ विधानसभा से पूर्व विधायक सूरजभान धानका समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी होंगे। अखिलेश ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'घोसी की घोषणा' पूरे देश के लिए संदेश बन गई है। वहीं, राजस्थान में भी समाजवादी पार्टी इस बार पूरी तैयारी के साथ चुनाव मैदान में उतरने की बात कह रही है। राजस्थान के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता और जनता दल के राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष रहे अर्जुन देथा ने अखिलेश यादव से लखनऊ में मुलाकात की। चुनावी रणनीति पर चर्चा कीजबकि छत्तीसगढ़ में भी पार्टी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। इसे अखिलेश यादव के पॉलिटिकल स्ट्रेटजी भी माना जा रहा है क्योंकि अगर इन राज्यों में कांग्रेस समाजवादी पार्टी के साथ सीटों पर कोई तालमेल नहीं करती है तो उसका सीधा असर उत्तर प्रदेश में भी सीट बंटवारे पर पड़ेगा। वर्ष 2018 के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने छत्तीसगढ़ में 85 सीट, मध्य प्रदेश में 208 सीट, राजस्थान में 142 सीट और तेलंगाना में 41 सीट पर अपनी किस्मत आजमाई थी पर पार्टी किसी राज्य में कोई सीट जीतने में विफल रही थी। हालांकि, 2018 के चुनाव में रालोद ने राजस्थान में एक सीट जीती थी।छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव इसी साल के अंत में होने हैं। राज्य में अभी कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने घोषणा की है कि वो राज्य की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी आप के मध्य प्रदेश प्रभारी बीएस जून ने कहा कि उनकी पार्टी मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ेगी। रविवार को उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी इस साल के अंत में प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। चुनाव के लिए जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की सूची जारी करेगी। उन्होंने कहा था कि मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी पूरी मुस्तैदी से चुनाव की तैयारी में जुटी है। प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर हम चुनाव लड़ेंगे और चुनाव जीतेंगे। प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया जारी है। जल्द ही प्रत्याशियों के नामों की सूची भी जारी कर दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रत्याशी चयन में सिर्फ सर्वेक्षण ही टिकट देने का मापदंड होगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के हर जिले में हम 'परिवर्तन यात्रा' निकाल रहे हैं जिसका समापन चार अगस्त को होगा। जून ने दावा किया कि 'परिवर्तन यात्रा' के दौरान लोगों का आम आदमी पार्टी के प्रति एक जुड़ाव दिख रहा है और हमें अपार जनसमर्थन मिल रहा है।

आप पार्टी का मानना है कि जनता मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस का विकल्प चाहती है और उसे 'आप'विकल्प के तौर पर दिख रही है। दिल्ली से आप के विधायक जून ने कहा कि मध्य प्रदेश में हम बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश में जनता 'आप' के साथ है और पार्टी की मध्य प्रदेश में सरकार बनेगी। सरकार बनने के बाद दिल्ली की तरह ही मध्य प्रदेश में हम शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी की सुविधाएं लोगों को देंगे।इस साल के अंत में होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सभी 230 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आम आदमी पार्टी ने लोगों को जुड़ने के लिए मिस कॉल नंबर भी जारी किया हुआ है। इसके साथ ही ये भी वादा किया है कि जो फ्री सुविधाएं पंजाब और दिल्ली में आप सरकार दे रही है। उसे मध्य प्रदेश में भी दिया जाएगा।

इस बयान से आपको समझ में आ गया होगा कि मध्य प्रदेश में भी आम आदमी पार्टी उसी रणनीति के साथ उतरने की तैयारी में है जिसके चलते वह पंजाब और दिल्ली में सत्ता के सिंहासन पर पहुंची और इसी के दम पर वह गुजरात विधानसभा में एंट्री करवाई। वैसे, आम आदमी पार्टी के मध्य प्रदेश की सभी सीटों पर ऐलान के साथ ही कांग्रेस की टेंशन बढ़ गई है। 2018 के विधानसभा चुनाव में जोरदार टक्कर देने वाली कांग्रेस खेमे में ये आशंका है कि कहीं आम आदमी पार्टी गुजरात की तरह ही खेल न बिगाड़ दे। यह सिर्फ विधानसभा चुनाव के लिए नहीं है, बल्कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को झटका दे सकता है। राजस्थान में भी चुनाव लड़ने का एलान आप पहले ही कर चुकी है। आप के इन ऐलानों के बाद एक सवाल ये भी उठ रहा है कि क्या आम आदमी पार्टी कांग्रेस को खत्म करके उसकी जगह लेने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता आप पर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हैं। हालांकि, इसका उलटा आरोप भाजपा की तरफ से भी लगाए जाते हैं लेकिन आम आदमी के अब तक के प्रदर्शन को देखें तो इसके उभरने से ज्यादा नुकसान कांग्रेस को ही हुआ है। दिल्ली हो या फिर पंजाब, दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी कांग्रेस को हटाकर ही सत्ता के शीर्ष पर पहुंची है। इसके साथ ही गोवा, उत्तराखंड, हिमाचल या फिर गुजरात हो, आप ने जिन प्रदेशों में ताल ठोकी वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल के रूप में है।

यदि 2023 विधानसभा चुनावों में 'इंडिया ' गठबंधन के घटक दलों का यही रवैया रहा तो कह नहीं सकते कि 2024 के लोकसभा चुनाव में यह गठबंधन कितना टिकेगा ।

महिला आरक्षण बनाम कांग्रेस पार्टी

वीरेंद्र सिंह परिहार

अभी हाल में देश की संसद में लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण देने को लेकर जो विधेयक पारित हुआ, उसे लेकर कांग्रेस और कई विपक्षी पार्टियों को यह शिकायत है कि इसमें पिछड़े वर्ग की महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया गया है।इसके पहले जब-जब महिलाओं को आरक्षण देने का सवाल आता था तो पिछड़े वर्ग के साथ मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण देने की बात होती थी। लेकिन ओवैसी जैसे कुछ मुस्लिम परस्त राजनीतिज्ञ के अलावा जो पार्टियां देश में मुस्लिम परस्त मानी जाती हैं, उन्होंने भी उसे मुद्दे पर खुलकर बोलने की हिम्मत नहीं की। उन्हें पता चल चुका है कि अब देश का राष्ट्रीय समाज अर्थात हिंदू समाज जागरूक हो चला है और ऐसी कोई मांग पर जोर देने से बहुमत समुदाय से अलग-थलग होने का खतरा पैदा हो जाएगा।

पिछड़े वर्ग की महिलाओं को आरक्षण देने को लेकर राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी बहुत मुखर रही, यद्यपि सपा और राजद जैसी पिछड़ी जातियों की कही जाने वाली पार्टियां भी इस विधेयक के विरोध में मतदान करने की हिम्मत नहीं कर सकी। लाख टके की बात है कि जब इसमें महिलाओं को आरक्षण देने की बात हो रही है तो क्या इसमें पिछड़े वर्ग की महिलाएं शामिल नहीं है?निश्चित रूप से जब यह कानून लागू होगा तो उसमें पिछड़े वर्ग की महिलाओं को भी पर्याप्त रूप से प्रतिनिधित्व मिलेगा।लेकिन इस देश में वोट बैंक की राजनीति करने वालों का की बात ही अलग है।वे चाहते हैं कि किसी तरह से जातिगत विभाजन बढ़े और उनका सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त हो सके।जातिगत जनगणना की मांग करना भी कांग्रेस समेत दूसरी विपक्षी पार्टियों के लिए यही उद्देश्य है। राहुल गांधी कहते हैं कि केंद्र सरकार में पिछड़ी जातियों के सिर्फ तीन सचिव स्तर के अधिकारी हैं, पतानहीं उन्हें यह आंकड़ा कहां से मिला?क्योंकि विगत कई वर्षों से ऐसा कोई डाटा उपलब्ध नहीं है।यदि राहुल गांधी की बात सच है तो यह एक बड़ी सच्चाई है कि आज जो सचिव स्तर के अधिकारी हैं, वही 1992 के दौर से प्रमोट हुए हैं और उसे वक्त तो केंद्र में कांग्रेस पार्टी की अगुवाई बाली सरकार थी।

जहां तक केंद्र सरकार में अधिकारियों का प्रश्न है तो मोदी सरकार के पूर्व केंद्र में ए श्रेणी के अधिकारी मात्र 9।4% हुआ करते थे लेकिन अब मोदी सरकार के दौर में उनकी संख्या 17% हो गई है,जो क्रमशः बढ़ते क्रम में है। इसी तरह से बी श्रेणी की अधिकारियों की संख्या मनमोहन सरकार के दौर में 11।6%थी, जबकि मोदी सरकार के दौर में 15। 7% है। इसी तरह से यूपीए सरकार के दौर में सीश्रेणी के अधिकारियों का प्रतिशत 18।47 था, जो वर्तमान में 22।5% तक पहुंच चुका है।जहां तक सरकार में पिछड़े वर्गों के प्रतिनिधित्व का सवाल है तो प्रधानमंत्री मोदी खुद ही पिछड़े समुदाय से हैं। मोदी मंत्रिमंडल के 77 मंत्रियों में 27 पिछड़े समुदाय से आते हैं जो कि 35।01% हैं। इसी तरह से बीजेपी के 303 लोकसभा सदस्यों में 113 पिछड़े वर्ग से आते हैं जो कि 37% हैं। देश भर में भाजपा के विधायकों की संख्या भी कम से कम 27% से तो ज्यादा ही है।

लोगों को यह पता होना चाहिए कि इसके पहले महिला आरक्षण संबंधी विधेयक संसद में चार बार आ चुका है। 1996 में जब संयुक्त मोर्चे की सरकार थी और श्री देवगौड़ा प्रधानमंत्री थे,तब भी यह बिल लाने का प्रयास हुआ था। उसके पश्चात वाजपेई सरकार में 1998 और 2002 में इस बिल को संसद में पास करने का प्रयास हुआ,लेकिन कई दलों की सरकार होने के चलते ऐसा संभव नहीं हो पाया।2010 में मनमोहन सरकार के दौर में राज्यसभा में यह बिल पास भी हो गया लेकिन मुलायम,लालू और शरद यादव के विरोध के चलते लोकसभा में इसे प्रस्तुत करने कीयूपीए सरकार की हिम्मत ही नहीं पड़ी और उक्त बिल अपने आप मर गया। उल्लेखनीय बात यह कि उक्त किसी भी महिला आरक्षण संबंधी बिल मेंकोटेपरकोटेका प्रावधान नहीं था,यूपीए सरकार के दौर में भी कोटे पर कोटा यानी पिछड़ी वर्ग की महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं था।उस वक्त के विधि मंत्री वीरप्पामोइली ने स्पष्ट कहा था कि संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।सवाल यह है कि यदि उस वक्त संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था तो अब कैसे हो सकता है? यदि ऐसा किया भी जाता तो निश्चित रूप से सर्वोच्च न्यायालय उसे अधिनियम को स्टेकर देता।ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी अब पिछड़े वर्ग की महिलाओं को लेकर हाय तौबा क्यों मचा रहे हैं? इसे तो विभाजनकारी और वोटकी राजनीति ही कहा जा सकता है। बड़ा सवाल यह है कि जब संविधान निर्माताओं ने देश की संसद और विधानसभाओं में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का प्रावधान नहीं रखा तो फिर उसके लिए इस तरह का हो हल्ला क्यों? दूसरी बड़ी बात है कि यदि कांग्रेस पार्टी को पिछड़े वर्गों से ऐसी पक्षधर्ता है तो उसने आज तक किसी पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को प्रधानमंत्री क्यों नहीं बनाया? यहां तक कि देवगौड़ा को प्रधानमंत्री पद से साल भर में ही चलता कर दिया ।पिछड़े वर्ग के अपने ही पार्टी अध्यक्ष सीताराम केसरी को बुरी तरह से अपमानित करके अध्यक्ष पद से हटा दिया। इसके अलावा भी पिछड़े वर्ग की महिलाओं को अधिक से अधिक टिकट देने से कांग्रेस पार्टी को कौन रोकता है?

रहा सवाल जाति जनगणना करने का- जिसका कांग्रेस पार्टी से लेकर देश में सभी जाति की राजनीति करने वाली पार्टियां मांग कर रही हैं। तो इस संबंध में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने जातिगत जनगणना को विभाजनकारी बताते हुए स्वयं इसका विरोध किया था पर किसी तरह सत्ता पाने की हड़बड़ी में राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को कुछ दिखाई नहीं देता। 2011 में यूपीएस सरकार द्वारा जनगणना में जाति जनगणना भी कराई गई थी, लेकिन आश्चर्यजनक तथ्य कि 2014 तक सत्ता में रहते हुए भी उक्त जाति जनगणना को जारी नहीं किया। जब महाराष्ट्र सरकार ने स्थानीय चुनाव के संदर्भ में पिछड़ी जातियों को आरक्षण देने के लिए उक्त जनगणना का उपयोग करना चाहा तो पता चला कि उक्त जनगणना में भयंकर गलतियां हैं,इनका किसी भी रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता। इससे समझा जा सकता है कि कांग्रेस पार्टी का जाति जनगणना के मामले में भी कितना दोहरा रवैया है।कर्नाटक में 2013 से 2018 तक कांग्रेस पार्टी सत्ता में रही और 2015 में उसने जाति जनगणना भी कराई,लेकिन उक्त जनगणना को कभी भी जारी नहीं किया।

इनके दम से नखले आज़ादी हरा हो जाएगा

सुनील कुमार महला

'राख का हर एक कण, मेरी गर्मी से गतिमान है। मैं एक ऐसा पागल हूं, जो जेल में भी आजाद है।' ऐसे ही क्रांतिकारी विचार जब हम पढ़ते हैं तो हमें बरबस ही याद आ जाती है आजादी के दीवानों की, आजादी के परवानों की। जी हां, आजादी के लिए अपनी जान, अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले शहीद-ए-आजम भगत सिंह हर हिन्दुस्तानी के दिल में बसते हैं। सरदार भगत सिंह और उनके देश के लिए महान बलिदान ने देश की आम जनता में आजादी की जो तड़प पैदा की, उन्होंने देश के जन जन में देशभक्ति की जो भावना और ललक पैदा की, वह आज भी लोगों के ह्रदय के तारों को झंकृत करती है। सच तो यह है कि भगतसिंह को भारतीय राष्ट्रवादी आंदोलन के सबसे प्रभावशाली क्रांतिकारियों में से एक माना जाता है। वो बहुत से क्रन्तिकारी संगठनों के साथ मिले और उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में अपना बहुत बड़ा योगदान दिया था। भगत सिंह जी की मृत्यु 23 वर्ष की आयु में हुई जब उन्हें ब्रिटिश सरकार ने फांसी पर चढ़ा दिया। संस्कृत में हितोपदेश में एक श्लोक आता है -' सम्पदि यस्य न हर्षो विपदि विषादो रणे न भीरुत्वम्। तं भुवन त्रयतिलकं जनयति जननी सुतं विरलम्।।₹ इस श्लोक का मतलब यह है कि जिसको सुख सम्पत्ति में प्रसन्नता न हो, संकट विपत्ति में दुःख न हो, युद्ध में भय अथवा कायरता न हो, तीनों लोकों में महान-ऐसे किसी पुत्र को माता कभी-कभी ही जन्म देती है। भगतसिंह जी ऐसे ही सपूत थे, जिन्होंने भारत माता को,इस भारत देश को गौरवान्वित किया। विकीपीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार भगतसिंह का जन्म 28 सितम्बर 1907 को लायलपुर, पंजाब (वर्तमान में पाकिस्तान) में हुआ था। भगतसिंह महान स्वतंत्रता सेनानी एवं क्रान्तिकारी थे। चन्द्रशेखर आजाद व पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर भगतसिंह ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अभूतपूर्व साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुक़ाबला किया था। पहले लाहौर में बर्नी सैंडर्स की हत्या और उसके बाद दिल्ली की केन्द्रीय संसद (सेण्ट्रल असेम्बली) में बम-विस्फोट करके ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध खुले विद्रोह को बुलन्दी प्रदान की थी। जानकारी देना चाहूंगा कि असेम्बली में बम फेंककर भी भगतसिंह ने भागने से मना कर दिया था, जिसके फलस्वरूप अंग्रेज सरकार ने इन्हें 23 मार्च 1931 को इनके दो अन्य साथियों, राजगुरु तथा सुखदेव के साथ फाँसी दे दी थी।कहा जाता है कि जब भगत सिंह को फांसी दी जा रही थी, तो भी उनके चेहरे पर मुस्कान थी, सर और सीना गर्व से ऊपर उठा हुआ था। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भगतसिंह से नीचे की अदालत में जब यह पूछा गया था कि क्रांति से उन लोगों का क्या मतलब है ? तो इस प्रश्न के उत्तर में उन्होंने यह कहा था कि क्रांति के लिए ख़ूनी लड़ाइयां अनिवार्य नहीं है और न ही उसमें व्यक्तिगत प्रतिहिंसा के लिए कोई स्थान है। वह बम और पिस्तौल का संप्रदाय नहीं है, 'क्रांति से हमारा अभिप्राय है अन्याय पर आधारित मौजूदा समाज-व्यवस्था में आमूल परिवर्तन।' दूसरे शब्दों में कहें तो भगत सिंह के अनुसार क्रांति में सदैव संघर्ष हो यह जरूरी नहीं है, क्रांति बम और पिस्तौल की राह नहीं है।बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि भगत सिंह ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ने के लिए किसानों और मजदूरों को प्रोत्साहित करने के लिए साल 1926 में नौजवान भारत सभा की स्थापना की थी। मैं नास्तिक क्यों हूं उनकी प्रसिद्ध रचना है जो उन्होंने जेल में लिखी थी और यह अंग्रेजी भाषा में लिखी गई थी। बहुत कम लोगों को इसकी जानकारी होगी कि वे विवाह नहीं करना चाहते थे और उन्होंने यह कहते हुए अपना घर छोड़ दिया था कि 'अगर मेरा विवाह गुलाम भारत में हुआ, तो मेरी वधु केवल मृत्यु होगी।' इसके बाद वह हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन में शामिल हो गए थे।

जानकारी देना चाहूंगा कि उन्होंने सुखदेव के साथ मिलकर लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने की योजना बनाई और लाहौर में पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट को मारने की साजिश रची। हालांकि पहचानने में गलती हो जाने के कारण उन्होंने ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स को गोली मार दी थी।ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सॉन्डर्स की हत्या के करीब एक साल के बाद भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली के सेंट्रल असेंबली हॉल में बम फेंके और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। साथ ही इस बार उन्होंने खुद को गिरफ्तार हो जाने दिया। सांडर्स मामले में उन्हें फांसी की सजा हुई न कि असेंबली में बम फेंकने के मामले में। जानकारी मिलती है कि सिख होने के बावजूद उन्होंने दाढ़ी और बाल कटवा दिए थे ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़ न सकें।

डॉट कल्चर

डॉ. नीरज भारद्वाज

वर्तमान भारतीय समाज में बहुत सारे नए-नए शब्दों का प्रयोग दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। देसी-विदेशी शब्दों के मेल से भी नए-नए शब्द बन रहे हैं और उनका प्रयोग हो रहे हैं। इस लेख का विषय डॉट कल्चर है, यह विदेशी शब्दों के लिप्यंतरण से बनाया गया है। कल्चर को लेकर ऐसे बहुत से शब्द और भी साहित्य, मीडिया आदि में प्रयोग हो रहे हैं, जैसे- पड़ोस कल्चर, न्यू कल्चर आदि। डॉट शब्द अंग्रेजी से लिया गया है। भार्गव अंग्रेजी-हिंदी शब्दकोश में डॉट का अर्थ बिंदु या सूक्ष्म चिह्न दिया गया है। विचार यह है कि हिंदी भाषा में इसका प्रयोग कैसे बढ़ रहा है। देखा-समझा-पढ़ा गया तो हिंदी के विराम चिह्नों में संक्षेपसूचक चिह्न या संक्षिप्ति बिंदु को अंग्रेजी के प्रभाव के चलते जोड़ा दिया गया है, ऐसा लगता है।संक्षिप्ति बिंदु का प्रयोग बहुत जगह लघु शून्य की भाँति भी दिखाई देता है।

यह विचार तो रहा डॉट शब्द के जानने का। अब आगे समझे तो इस डॉट का प्रयोग कैसे होता है। विचारणीय बात यह है कि भाषा को जानना और भाषा के बारे में जानना दोनों ही अलग-अलग बातें हैं। डॉट का प्रयोग अंग्रेजी शब्दों के लिप्यंतरण पर अधिक होता है।

हिंदी में इसका प्रयोग उसी भाषा से आया है। जब यह डॉट किसी नाम, पद, विभाग, संस्था आदि के पीछे लगता है तो हिंदी में बहुत सारी भ्रांतियाँ फैल जाती है। सही मायनों में डॉट डाउट पैदा करता है। क्योंकि यह डॉट विस्तार का संक्षेप सूचक है, उदाहरण के लिए आर.एन. सिंह के रघुनाथ सिंह, राम नरेश सिंह, राम नारायण सिंह आदि कितने ही नाम बन सकते हैं। अब इससे सही जानकारी प्राप्त नहीं हो पाती है, लोग भ्रम जाल में फंस जाते हैं। विज्ञान और तकनीक के संदर्भ में यह डॉट महत्वपूर्ण है। क्योंकि बिग बैंग थ्योरी यह है कहती हैं कि शुरुआत में समस्त भौतिक तत्व और ऊर्जा एक बिंदु में सिमटी हुई थी। कंप्यूटर की दुनिया में आए तो यह डॉट कंप्यूटर की भाषा में बहुत हद तक सफल काम करता है। पाइथन, जावा आदि में काम करते समय यह डॉट बहुत महत्वपूर्ण है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग का छात्र इसे अच्छे से जनता समझता है। सामान्यतः जब हम किसी वेबसाइट को खोलते हैं तो उसमें डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट का प्रयोग करते हैं। कंप्यूटर भाषा प्रयोग में डॉट कॉम, डॉट इन, डॉट ऑन, डॉट ओआरजी आदि बहुत सारे शब्दों का प्रयोग होता है। इसके अलावा बहुत सारी वेबसाइटों के नाम भी जैसे शादी डॉट कॉम आदि रखे गए हैं।

विचार करें तो डॉट का प्रयोग आधुनिक समाज का अंग बन गया क्योंकि सभी के हाथ में स्मार्टफोन है और सभी कुछ वेबसाइट से देखना-समझना हो गया है। ऐसे में डॉट नहीं लगाया तो आपके गूगल पर कुछ भी सही से नहीं खुल पाएगा।

मेल के द्वारा सन्देश भी सही जगह नहीं पहुँच पाएगा। सूचना क्रांति में डॉट बड़ी भूमिका अदा कर रहा है। इन्हीं सभी विचारों को लेकर अब राजनीति में भी राजनीतिक पार्टियाँ अपने समूह के नाम में डॉट का प्रयोग कर रही है।

अभी आपको बताया कि कंप्यूटर की भाषा में डॉट बड़ा काम करता है। लेकिन सामान्य व्यवहार में डॉट लगा कोई भी शब्द सामान्य जन के अंदर भ्रांति पैदा करता है। इसकी चर्चा उपयुक्त हो चुकी है। अब हमें सोचना है कि डॉट का प्रयोग कब, कहाँ और कैसे करना है। विचार की यह परंपरा लंबी है, अभी इतना ही कहना है।

हम खाली पड़े हैं

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जनखबरी उपचुनाव में नेताओं के लिए वोट बटोरने का नया धंधा चालू कर रखा है। अंतर केवल इतना है कि यह सब वह घर पर रहकर करता है। इससे पहले बाहर जाओ, धूप में पसीना बहाओ, पोस्टर चिपकाओ, इनकी-उनकी गाली खाओ की फजीहत थी। धन्यभाग्य की ऑनलाइन के चलते उसके माथे में प्रचार-प्रसार के नए विचार ठनके। अब वह घर पर रहकर ही सारी सृजनशीलता दिखा रखा है। मल्टी मीडिया के चलते सोशल मीडिया की सीढ़ी चढ़कर नेता जी को नए-नए आइडिया दे रहा है। बदले में अच्छी-खासी मोटी रकम वसूल रहा है। वह जिस नेता का प्रचार-प्रसार कर रहा था उनका नाम दयाराम था। सिर्फ नाम के दयाराम थे। पुलिस थाने में उनकी दया के किस्से चोर-डकैती, लूटपाट, खूनखराबा के रूप में दर्ज है। इसी दयाराम के ऊपर भजनखबरी ने छोटा-सा गीत लिख डाला – राम बोलो भाई राम बोलो – जय जय दयाराम बोलो। प्यार से बोलो भई जोर से बोलो – जय जय दयाराम बोलो। फूटा अंडा निशान है बोलो – जय जय दयाराम बोलो। चुनाव में यही बटन दबा दो – जय जय दयाराम बोलो। गीत सुनने के बाद दयाराम जी को लगा कि आरंभ की लाइनें शवयात्रा जैसी हैं। इस पर भजनखबरी ने स्पष्टीकरण देते हुए उवाचा – नेता जी आजकल लोग बड़े बदल गए हैं। वे पारंपरिक पद्धति के गीत नहीं सुन रहे हैं। उन्हें एकदम हटकर सुनना पसंद आता है। चूँकि गीत की आरंभिक पंक्तियाँ शवयात्रा सी लग रही है इसलिए यह गीत उन्हें बहुत पसंद आयेगा। यह सुन नेता जी बड़े प्रसन्न हुए। उन्होंने कुछ नारे बना लाने के लिए कहा। नारे बनाने के चक्कर में भजनखबरी को बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। देखते-देखते यह काम भी कर डाला। पहला नारा बना – वोट नहीं तो दया नहीं – आप पर राम की कृपा नहीं। दूसरा नारा बना - वोट दिया तो पुण्य मिलेगा, नहीं तो तुमको पाप लगेगा। तीसरा नारा बना – दया है तो मुमकिन है – राम के चलते रात और दिन है। इस तरह कई नारे बना डाले। नारे सुन दयाराम को खुद पर हँसी आ रही थी। उन्हें लगा पैसा अच्छे को बुरा और बुरे को अच्छा बना देता है। पैसा न हो तो सगा बेटा भी बाप की अच्छाई नहीं बताता। वरना जीवन भर जन्म देने के लिए उसे कोसता रहता है। दयाराम को नारे इतने अच्छे लगे कि हाथों हाथ उन्होंने भी कई नारे बना डाले – आएगा भई आएगा – दयाराम आएगा। लाएगा भई लाएगा खुशहाली लाएगा। इधर उधर जिधर देखो – दयाराम की कृपा देखो। नारे इतने पॉवरफुल थे कि भजखबरी को अपनी दुकान बंद होती नजर आयी। तुरंत उसने नेता जी को रोका। कहा - आप भी कमाल करते हैं। आपका काम हड़कंप मचाना है, लोगों को दहलाना है, अपना खौफ जमाना है। न कि नारे बनाने जैसा चिल्लर काम करना है। शेर अगर घांस की ओर ताकेगा तो बाकी जानवर उस पर चढ़ बैठेंगे। यह सुन दयाराम नारा बनाने के काम से हायतौबा कर ली। भजनखबरी ने उन्हें सुझाव देते हुए उवाचा कि आप अपना एक निजी चुनावी एजेंडा बना लीजिए।

रवि योग में अनंत चतुर्दशी

व्रत वाले दिन अग्नि पंचक और भद्रा भी जानें मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व

रवि योग में अनंत चतुर्दशी 2023
अनंत चतुर्दशी वाले दिन रवि योग बन रहा है। रवि योग सुबह 06 बजकर 12 मिनट से शुरू हो रहा है और देर रात 01 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। रवि योग में सूर्य देव की प्रबलता अधिक होती है। यह एक शुभ योग है।

अनंत चतुर्दशी 2023 की सही तिथि क्या है?
वैदिक पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि 27 सितंबर को रात 10 बजकर 18 मिनट से प्रारंभ हो चुकी है और इस तिथि का समापन 28 सितंबर को शाम 06 बजकर 49 मिनट पर होगा। उदयातिथि के आधार पर अनंत चतुर्दशी का व्रत 28 सितंबर को रखा जाएगा।

अनंत चतुर्दशी 2023 का पूजा मुहूर्त कब से है?
28 सितंबर को अनंत चतुर्दशी व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 12 मिनट से शाम 06 बजकर 49 मिनट तक है। इस दिन पूजा का मुहूर्त 12 घंटे 37 मिनट तक है।

अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा करते हैं।
14 गांठ वाले अनंत धागे या रक्षा सूत्र को दाहिने हाथ में बांधते हैं।
अनंत चतुर्दशी व्रत की पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 12 मिनट से है।
अनंत चतुर्दशी व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि को रखा जाता है। इस बार अनंत चतुर्दशी व्रत रवि योग में है, लेकिन उस दिन अग्नि पंचक के साथ भद्रा का साया है। अनंत चतुर्दशी के दिन भगवान विष्णु के अनंत स्वरूप की पूजा करते हैं और 14 गांठ वाले अनंत धागे या रक्षा सूत्र को दाहिने हाथ में बांधते हैं। इससे व्यक्ति की रक्षा होती है, वह भय मुक्त होता है और विष्णु कृपा से जीवन के अंत समय में वैकुंठ की प्राप्ति होती है। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं अनंत चतुर्दशी पर बनने वाले रवि योग, अग्नि पंचक, भद्रा, मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

अनंत चतुर्दशी 2023 पर अग्नि पंचक और भद्रा का साया
अनंत चतुर्दशी पर पूरे दिन अग्नि पंचक है। अग्नि पंचक 26 सितंबर से प्रारंभ हुआ है, इसमें अग्नि से संबंधित कार्यों को करने की मनाही होती है। भद्रा का साया शाम 06 बजकर 49 मिनट से है, जो अगले दिन प्रातः 04 बजकर 06 मिनट तक है।
उस दिन भद्रा का वास पृथ्वी पर है, उस समय में कोई शुभ कार्य नहीं करते हैं। हालांकि भद्रा और पंचक में व्रत और पूजा पाठ करना वर्जित नहीं है। अनंत चतुर्दशी के दिन भद्रा का प्रारंभ तब हो रहा है, जब तक पूजा मुहूर्त खत्म हो जा रही है। पंचक में कुछ कार्यों को करने की ही मनाही होती है, व्रत और पूजा पाठ कर सकते हैं।

अनंत चतुर्दशी व्रत और पूजा विधि
अनंत चतुर्दशी के दिन सुबह में स्नान के बाद व्रत और पूजा का संकल्प करें। उसके बाद पूजा घर में एक कलश स्थापित करें। फिर शेषनाग पर शयन करते भगवान विष्णु की मूर्ति की स्थापना करें। उसके बाद एक धागा या रक्षा सूत्र लें और उसमें 14 गांठ लगा दें। उसे भी पूजा स्थान पर रख दें।
इसके बाद ओम अनंताय नमः मंत्र का जाप करते हुए अक्षत, फूल, रोली, माला, धूप, दीप, गंध आदि से भगवान विष्णु और अनंत धागे का पूजन करें। फिर अनंत धागे या अनंत रक्षा सूत्र को अपने दाएं हाथ में बांध लें। महिलाएं उस धागे को बाएं हाथ में बांधें। फिर अनंत चतुर्दशी व्रत कथा सुनें। प्रसाद ग्रहण करें। ब्राह्मण को भोजन कराकर आशीर्वाद लें। यह व्रत 14 साल तक करने से भगवान विष्णु की असीम कृपा प्राप्त होती है।

अनंत चतुर्दशी के दिन भूलकर भी न खाएं ये चीज

अनंत चतुर्दशी की खास धार्मिक मान्यता होती है। इस दिन भक्त प्रभु श्री विष्णु के लिए व्रत रखकर पूजा करते हैं। हिंदू पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर अनंत चतुर्दशी का व्रत रखा जाता है। अनंत चतुर्दशी को अनंत चौदस के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि अनंत चतुर्दशी का व्रत रखने पर श्रद्धालुओं के जीवन से आर्थिक, मानसिक और शारीरिक कष्ट दूर हो जाते हैं। इसके अलावा मुक्ति पाने के लिए भी इस व्रत को रखा जा सकता है। भक्त आशा करते हैं कि प्रभु श्री विष्णु उनके जीवन को सुखमय बना देंगे।

इस दिन ना खाएं नमक:
अनंत चतुर्दशी का दिन बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि इस दिन प्रभु श्री गणेश का विसर्जन किया जाता है। किन्तु इस दिन नमक वर्जित रहता है, जो लोग व्रत रखते है वो तो नमक नहीं ही खाएंगे, किन्तु जो व्रत नहीं करने वाले भी नमक का सेवन बिल्कुल नहीं करे। इससे पूरे परिवार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कल किया जाएगा पूर्णिमा का श्राद्ध

पितृ पक्ष में घर-परिवार के मृत लोगों की याद में धूप-ध्यान और दान-पुण्य करने की है परंपरा

शुक्रवार, 29 सितंबर को भाद्रपद मास की अंतिम तिथि पूर्णिमा है। इस दिन पूर्णिमा का श्राद्ध किया जाएगा। इसके बाद 30 सितंबर यानी आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से पितृ पक्ष शुरू हो जाएगा।

सर्व पितृ अमावस्या तिथि

उदयातिथि के मुताबिक, इस बार सर्व पितृ अमावस्या 14 अक्टूबर को मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि का आरंभ 13 अक्टूबर को रात 9 बजकर 50 मिनट पर होने जा रहा है तथा अमावस्या तिथि का समापन 14 अक्टूबर को रात 11 बजकर 24 मिनट पर होगा।
कुतुप मूहूर्त - प्रातः 11 बजकर 44 मिनट से दिन 12 बजकर 30 मिनट तक
रौहिण मूहूर्त - दिन में 12 बजकर 30 मिनट से 1 बजकर 16 मिनट तक
अपराह्न काल - दिन में 1 बजकर 16 मिनट से दोपहर 03 बजकर 35 मिनट तक

पितरों के लिए धूप-ध्यान और दान-पुण्य करने का ये पक्ष 14 अक्टूबर तक रहेगा। पितृ पक्ष में घर-परिवार के मृत सदस्यों को याद किया जाता है, उनके लिए धूप-ध्यान और दान-पुण्य किए जाते हैं। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष की उसी तिथि पर उस मृत व्यक्ति के लिए श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। जिन लोगों की मृत्यु की तिथि मालूम न हो, उनका श्राद्ध सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या (14 अक्टूबर) पर किया जाता है।

श्राद्ध कर्म करने का सही समय क्या है?
पितृ पक्ष में दोपहर के समय धूप-ध्यान करना चाहिए। सुबह और शाम को देवी-देवताओं के लिए पूजा-पाठ की जाती है। दोपहर का समय पितरों के लिए धूप-ध्यान करने का रहता है। दोपहर में करीब 12 बजे पितरों को याद करते हुए श्राद्ध कर्म करें।

धूप-ध्यान कैसे करना चाहिए?
दोपहर में गाय के गोबर से बने कंडे जलाएं और उनके अंगारों पर पितरों का ध्यान करते हुए गुड़-घी डालें। हथेली में जल भरें और अंगूठे की ओर से पितरों को अर्पित करें। इस तरह सामान्य विधि से भी पितरों के लिए धूप-ध्यान किया जा सकता है।

पितृ पक्ष में कौन-कौन से शुभ काम करना चाहिए?
पितृ पक्ष में पितरों के लिए धूप-ध्यान करने के लिए साथ ही रोज सुबह देवी-देवताओं की विशेष पूजा जरूर करें। दिन की शुरुआत सूर्य को जल चढ़ाकर करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। बाल गोपाल को माखन मिश्री का भोग लगाएं। तुलसी को जल चढ़ाएं। शाम को तुलसी के पास दीपक जलाएं।पितृ पक्ष में गरुड़ पुराण, श्रीमद् भागवद् कथा का पाठ करना चाहिए या सुनना चाहिए। माना जाता है कि इन ग्रंथों का पाठ करने से पितरों को शांति मिलती है।
पितरों के नाम पर जरूरतमंद लोगों को अनाज, जूते-चप्पल, धन और कपड़ों का दान करें। किसी गोशाला में हरी घास दान करें। किसी सार्वजनिक स्थान पर छायादार पेड़ों के पौधे लगाएं और संकल्प लें, बड़े होने तक इन पौधों की देखभाल करेंगे। किसी पवित्र नदी में स्नान करें, तीर्थ दर्शन करें। किसी पौराणिक महत्व वाले मंदिरों में दर्शन-पूजन करें।

भिक्षु चरमोत्सव पर विशेष

निर्मला बैद

तेरापंथ के आचार्य भिक्षु का जन्म वि.स. 1783 आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी को कंटालिया (मारवाड में हुआ) वे श्रमण परंपरा के महान संवाहक थे। उनके पिता का नाम शाह बल्लजी तथा माता का नाम दिया बाई था। प्रारंभ से ही वे असाधारण प्रतिमा के धनी थे। धार्मिकता व वैराग्य भाव उनके रग-रग में रमी हुई थी। आचार्य भिक्षु उस व्यक्तित्व का नाम है जिन्होंने शुद्ध साधना पर बनी लकीर पर चलने का संकल्प किया। दीक्षा के बाद 16 वर्ष का जीवन महान संघर्षमय रहा। उन्हें पांच वर्ष तक पेट भर आहार बहुत कम मिलता। इस महान संघर्ष की स्थिति में आचार्य भिक्षु ने कठोर साधना, तपस्या, शास्त्रों का गंभीर अध्ययन किया। आचार्य भिक्षु की ही देन है जो आज तेरापंथ संघ अनुशासित मर्यादित और व्यवस्थित धर्म संघ है। उन्होंने अपने मौलिक चिंतन के आधार पर नये मूल्यों की स्थापना की। उनकी अहिंसा सार्वभौमिक क्षमता पर आधारित थी। अध्यात्म, व्यक्तित्व भूमिका भी उनकी भिन्न थी। उन्होंने दोनो को एक तुला से तोलने का प्रयत्न नहीं किया। दान दया के विषय में लौकिक एवं लोकोत्तर भेद रेखा प्रस्तुत कर जैन समाज में प्रचलित मान्यता के समक्ष नया चिंतन प्रस्तुत किया उन्होंने लौकिक दान-दया की व्यवस्था को कर्तव्य व सहयोग बताकर मौलिक सत्य का उद्‌घाटन किया। दया की परिभाषा को विश्लेषित करते हुए उन्होंने लिखकर जीव जीवेते दया नहीं मरे ते हिंसामत जाण। मारण वाला ने हिंसा कही नहीं मारेते दया गुण खाम।कबीर के शब्दों में- दया कौन पर कीजिए का पर निर्दय होय, सांई के सब जीव है कीडी कुरजर दोय सामाजिक व्यवस्था के लिए हिंसा अनिवार्य थी। जब उस अनिवार्य हिंसा ने अहिंसा का रूप लिया। अनिवार्य हिंसा की धार पर अहिंसा की प्रतिष्ठा को देख भिक्षु ने अहिंसा का यथार्थ स्वरुप व्यक्त किया।

हिंसा किसी भी स्थिति में दया नहीं हो सकती इसलिए अहिंसा को प्रश्न व्याकरण में 'सर्वभूतक्षेमंकरी' कहा गया है। आचार्य भिक्षु एक सहज कवि और महान् साहित्यकार थे। उन्होंने राजस्थानी भाषा में लगभग अडतीस हजार पद्यों की रचना कर जैन साहित्य को समृद्ध किया। आचार्य भिक्षु के साहित्य को पढ़कर आधुनिक विद्वान उन्हें हेगल और काण्ट की तुला से तोलते है। आचार्य भिक्षु जब तक जिये ज्योति बनकर जिये। उनके जीवन का हर पुष्ठ पुरुषार्थ की गौरवमीय गाथाओ से भरा पडा है। सिरियारी में भादु तेरस को समाधि मरण को प्राप्त किया उस समय उनकी उम्र 77 वर्ष की थी।

गृह लक्ष्मी योग बनने से इन राशि वालों की चमकने वाली है किस्मत

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों के निश्चित अंतराल पर राशि परिवर्तन करना या फिर चाल बदलने से शुभ और अशुभ दोनों ही तरह के योगों का निर्माण होता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन से एक बहुत ही शुभ योग बनने जा रहा है। दरअसल शुक्र और गुरु ग्रह साथ मिलकर गृह लक्ष्मी नाम का एक बहुत ही शुभ योग बनने जा रहा है। वैदिक ज्योतिष में गृह लक्ष्मी योग को बहुत ही शुभ और लाभकारी योग माना गया है। जब भी इस तरह का योग बनता है तो जातकों के जीवन में सुख-समृद्धि और सपन्नता आती है। आइए जानते हैं क्या होता है गृह लक्ष्मी योग, कब बनेगा और किन-किन राशि के लोगों को सबसे ज्यादा इसका लाभ मिलेगा।

क्या होता है गृह लक्ष्मी योग और कब बनेगा ?
वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जब कभी शुक्र, बुध और गुरु तीनों ग्रह उच्च भाव में होते हैं तो उस दौरान गृह लक्ष्मी योग का निर्माण होता है। इसके अलावा जब कुंडली के 9वें भाव का स्वामी केंद्र में होता है तो भी इस तरह के शुभ योग का निर्माण होता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में कुंडली के त्रिकोण भाव को लक्ष्मी स्थान जबकि केंद्र भाव को विष्णु माना जाता है। वहीं मित्र राशि, स्वराशि, उच्च राशि, मूल त्रिकोण में हो और लग्नेश भी मजबूत हो तो लक्ष्मी योग बनता है और इससे बहुत लाभ मिलते हैं। गृह लक्ष्मी योग जिस जातकों की भी कुंडली में बनता है वह व्यक्ति बहुत ही भाग्यशाली होता है और जीवन में कभी धन की कमी नहीं होती। दरअसल 3 नवंबर 2023 को शुक्र कन्या राशि में प्रवेश करेंगे, जहां ये पहले भाव में प्रवेश करेंगे। शुक्र कन्या राशि में नवें भाव के स्वामी हैं।

वृषभ राशि
गृह लक्ष्मी योग वृषभ राशि के जातकों के लिए बहुत ही शुभ और लाभ देने वाला साबित होगा। गृह लक्ष्मी योग बनने से वृषभ राशि के लोगों के ऊपर मां लक्ष्मी की विशेष कृपा होगी। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। समाज में आपके काम की तरीफ चारों तरफ फैलेगी। रुके हुए कार्य जल्द ही पूरे होंगे। आपको आर्थिक सपन्नता आएगी। अचानक से आपको लाभ मिलेगा और कोई बड़ी खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। नौकरीपेशा जातकों के लिए गृह लक्ष्मी योग नौकरी में अपार मौके दिलाएगा।

सिंह राशि
गृह लक्ष्मी योग सिंह राशि के जातकों के लिए शुभ सिद्ध होने वाला है। आपकी आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगे जिससे आपको लाभ के बेहतरीन मौके मिलेंगे। जो लोग बिजनेस करते हैं उन्हें कोई अच्छी और बड़ी डील मिल सकती है, जिसमें आपको बड़ा मुनाफा हासिल हो सकता है। कर्जों से छुटकारा मिलेगा और आय के साधन बढ़ेंगे। मां लक्ष्मी की विशेष कृपा आपके ऊपर रहेगी। पैतृक संपत्ति की बिक्री से आपके खाते में एक बड़ी धनराशि जमा होने के संकेत हैं।

कुंभ राशि
गृह लक्ष्मी योग कुंभ राशि के जातकों के जीवन के हर एक क्षेत्र में एक उपलब्धि हासिल करेंगे। शुभ योग बनने से कुंभ राशि के जातकों को धन लाभ, मान-सम्मान और सफलताएं मिलेंगी। आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा। मकान खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। अचानक से धन लाभ हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में प्रमोशन या फिर नई नौकरी के ऑफर मिल सकते हैं। सेहत अच्छी रहेगी और परिवार में सुख-शांति रहेगी।

'बिग बॉस 16' फेम सुंबुल तौकीर खान का छलका दर्द : बोलीं - 'पिता जब एक्टिंग के लिए मुंबई लाए, तो अपनों ने ही बच्चियां बिगाड़ने की बात कही थी'

'बिग बॉस 16' फेम सुंबुल तौकीर खान जल्द ही टीवी शो 'काव्या - एक जज्बा, एक जुनून' में बतौर लीड नजर आएंगी। सीरियल में वे आईपीएस इंस्पेक्टर काव्या के किरदार में दिखेंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि वे अपने पिता के सपनों को पूरा करने की हर कोशिश में लगी हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने अपने प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कुछ दिलचस्प बातें भी सांझा की। आइये जानते है उन्होंने क्या कहा :

रियल लाइफ में किसे अपना आदर्श मानती हैं?

रियल लाइफ में सबसे बड़े आदर्श मेरे पिता हैं। उन्होंने मुझे और मेरी छोटी बहन को अकेले बड़ा किया हैं। एक पिता के लिए ये बहुत मुश्किल होता है और मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। मैंने हमेशा से यही सोचा कि मेरे पापा ने अपनी जिंदगी में जितने स्ट्रगल देखे हैं, जितनी मेहनत उन्होंने की हैं, मैं कभी वो कर्ज अदा नहीं कर पाउंगी। हां, उन्हें थोडी खुशी देने की कोशिश जरूर कर सकती हूं। मैं अपना बेस्ट देने की कोशिश कर रही हूं।

पिता आपके करियर से कितने संतुष्ट हैं?

आज मैं अपने पिता को सुकून में देखती हूं। उन्हें मालूम है कि मैं बड़ी हूं तो अब उन्हें किसी भी बात की चिंता करने की जरुरत नहीं। उन्हें यकीन हैं कि मैं जो भी करुंगी, सही करुंगी। हम दोनों के ऊपर जो भरोसा बना हुआ है, ये मेरे लिए बहुत ही ज्यादा स्पेशल है।

क्या पिता को आपके लिए ताने सुनने पड़े थे?

हम जब मुंबई आने वाले थे, मेरे करियर की शुरुआत हुई भी नहीं थी तब जितने भी लोगों को पापा ने बताया कि वे बच्चों को मुंबई ले जा रहे हैं, एक्टिंग करवाने या कुछ बड़ा करवाना तब उन सभी अपनों ने उन्हें मना किया था। उन्होंने कहा कि तुम अपनी बच्चियों की जिंदगी बर्बाद कर दोगे, बच्चियां बिगड़ जाएंगी।

तुम्हे पता नहीं फिल्म इंडस्ट्री कैसी है और वो तुम्हारा साथ नहीं देंगी, तुम्हे छोड़ कर चली जाएंगी। इस तरह की कई बातें की थी। मेरे पापा ने जवाब में सिर्फ एक बात कही कि मेरी बेटी मुझे कभी छोडकर नहीं जाएंगी। मैंने ये सभी चीजें देखी हैं और इसलिए मेरी यही कोशिश होती है कि मैं इन लोगों की सोच को ज्यादा से ज्यादा गलत ठहरा संकू।

पिता की क्या ख्वाहिश पूरी करना चाहती हैं?

मैं अपने पिता को विदेश यात्रा कराना चाहती हूं। सच कहूं तो मैं भी आज तक अपने देश से बाहर नहीं गई हूं। फिलहाल बस उनकी यही ख्वाहिश पूरी होनी बची है।

'काव्या..' को हामी क्यों भरी?

मुझे इस शो की कहानी और किरदार बहुत पसंद आए। मैं कुछ अलग करना चाहती थी, ऐसा कुछ जो मेरे लिए चुनौतीपूर्ण हो। मेरे रियल लाइफ से ये किरदार बहुत अलग है, यहां तक कि अब तक मैंने जितने भी किरदार निभाएं उन सबसे ये अलग है। इस शो के लिए मैं वाकई में काफी उत्साहित हूं।

बॉलीवुड के किस एक्टर के बहुत बड़े फैन हैं अमिताभ बच्चन? बिग बी ने 'कौन बनेगा करोड़पति 15' में किया खुलासा

'कौन बनेगा करोड़पति 15' का लेटेस्ट एपिसोड होस्ट अमिताभ बच्चन के फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट खेलने से शुरू होता है और हरियाणा की पिंकी को हॉट सीट पर पहुंचती हैं. पिंकी एक हाउसवाइफ हैं. पिंकी इस दौरान बहुत आत्मविश्वास से गेम खेलती हैं और सही निर्णय लेकर और सही जवाब देकर 12 लाख 50 हजार रुपये के सवाल तक पहुंच जाती हैं. इस दौरान अमिताभ बच्चन खुलासा करते है कि वे दिलीप कुमार के सबसे बड़े फैन हैं.

दिलीप कुमार के सबसे बड़े फैन हैं अमिताभ बच्चन

पिंकी के पास कोई लाइफलाइन नहीं बचती है. उनसे 12 लाख 50 हजार रुपये के लिए सवाल पूछा जाता है कि दिलीप कुमार नाम अपनाने से पहले यूसुफ खान को उनके स्क्रीन नाम के रूप में इनमें से कौन सा नाम दिया गया था? पिंकी जवाब को लेकर श्योर नहीं होती हैं. यहां तक कि होस्ट अमिताभ बच्चन भी, जो खुद को दिलीप कुमार का सबसे बड़ा फैन

कहते हैं वे भी श्योर नही होते हैं. वह कहते हैं, ₹हमसे बड़ा शायद ही कोई फैन होगा दिलीप कुमार का दुनिया भर में, लेकिन ये हमको भी नहीं मालूम है.

अमिताभ बच्चन ने दिलीप कुमार को लेकर कही ये बात

सवाल का जवाब पता ना होने के चलते पिंकी खेल छोड़ने का फैसला करती हैं 6 लाख 40 हजार रुपये जीतकर घर ले जाती है. वैसे प्रश्न का सही जहांगीर था. इसके बाद अमिताभ बच्चन बताते हैं कि जब दिलीप कुमार को एक फिल्म के लिए लिया गया, तो उन्हें अपने लिए एक स्क्रीन नाम चुनने की सलाह दी गई थी. देविका रानी और प्रसिद्ध भगवती चरण वर्मा ने उन्हें तीन नाम सुझाए जो थे वासुदेव, दिलीप कुमार और जहांगीर. उन्होंने जहांगीर नाम नहीं चुना लेकिन सालों बाद उन्होंने फिल्म मुगल-ए-आजम में जहांगीर की भूमिका निभाई. मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं और मुझे हमेशा लगता था कि जब भी कोई भारत का फिल्म इतिहास लिखेगा, तो वह दिलीप कुमार से पहले और दिलीप कुमार के बाद होगा. वह एक अविश्वसनीय इंसान और कलाकार थे.

इस बीच कंटेस्टेंट पिंकी उन्हें टोकते हुए कहती हैं कि इसे अमिताभ बच्चन के पहले और अमिताभ बच्चन के बाद के नाम से भी जाना जाएगा.

कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी 'बिग बॉस 17' में करेंगे पार्टीसिपेट !

टेलीविजन के चर्चित रिएलिटी शोज में से एक 'बिग बॉस' का ऑडियंस बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस शो के 16 सीजन पूरे हो चुके हैं। हाल ही में शो के होस्ट सलमान खान ने ऑफिशियल तौर पर पहले प्रोमो के साथ इसकी वापसी की घोषणा की थी। हालांकि शो शुरू होने में अभी कुछ दिन बाकी हैं ,लेकिन इसमें शामिल होने वाले कंफर्म कंटेस्टेंट्स की लिस्ट सामने आ रही है। बता दें , कंगना रनोट के शो 'लॉकअप' के विजेता मुनव्वर फारूकी ने 'बिग बॉस 17' के लिए हामी भर दी है।

मेकर्स से भारी भरकम फीस मांगी

प्रोडक्शन हाउस से जुड़े एक करीबी कहते हैं, 'मेकर्स पिछले कई हफ्तों से मुनव्वर की टीम से संपर्क में थे। मुनव्वर शो में शामिल होने के लिए राजी थे, लेकिन बात पैसों को लेकर अटक गई थी। दरअसल, मुनव्वर सोशल मीडिया पर अपनी पॉपुलैरिटी से वाकिफ हैं। वे जानते हैं कि 'बिग बॉस' में उनका शामिल होना मेकर्स के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। उन्हें अच्छी टीआरपी मिल जाएगी। बस यही वजह थी कि उन्होंने मेकर्स से भारी भरकम फीस मांगी। मेकर्स ने थोड़ा वक्त लिया, लेकिन फिर वे मुनव्वर को मुंह मांगी फीस में लेने के लिए राजी हो गए।' बता दें, मुनव्वर के अलावा श्रेनु पारीख और बॉयफ्रेंड अक्षय म्हात्रे, टीवी कपल ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट, शफक नाज, अंकिता लोखंडे और पति विक्की जैन, ईशा मालवीया ने भी शो में पार्टिसिपेट करने के लिए हामी भर दी है। साथ ही टीवी एक्टर जय सोनी से भी मेकर्स की बातचीत चल रही है।

शैलेश लोढ़ा ने असित मोदी पर लगाए चौंकाने वाले आरोप, जेनिफर ने भी किया समर्थन

टीवी के मशहूर सिटकॉम 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में मिसेज रोशन सिंह सोढ़ी की भूमिका निभाने के लिए लोकप्रिय अभिनेत्री जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इस शो को छोड़ चुके कई स्टार्स जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल, मोनिका भदौरिया, शैलेश लोढ़ाने TMKOC के मेकर्स खासतौर पर असित कुमार मोदी पर कईं चौंकाने वाले आरोप लगाए थे। वही हाल ही में शैलेश लोढ़ा ने असित मोदी के बारे में कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए थे जिसके बाद अब जेनिफर मिस्त्री ने भी उनका सपोर्ट किया है।

कुछ दिन पहले ही शैलेश लोढ़ा ने असित मोदी को लेकर कईं चौकाने वाले खुलासे किए थे साथ ही यह भी बताया था कि उन्होंने शो क्यों छोड़ा। वहीं जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने शैलेश का समर्थन करते हुए अपने सोशल मीडिया पर मीडिया की एक रिपोर्ट का एक स्क्रीनग्रैब शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'अगर शैलेश जी जैसे सीनियर एक्टर को ऐसा सुनना पड़ता था तो जरा सोचिए हम जैसो ने क्या-क्या सुना होगा और क्या सहन किया होगा'।

हाल ही में खुद शैलेश मीडिया से बातचीत करते हुए खुलासा किया था कि शो के मेकर असित कुमार मोदी ने उनसे गलत तरीके से बात की थी। इतना ही नहीं, 'तारक मेहता' के अलावा किसी अन्य शो में काम करने के लिए भी उन्हें अपमानित किया गया था। एक्टर ने बताया कि एक बार उन्हें एक अन्य शो में गेस्ट सेलिब्रिटी के रूप में इनवाइट किया गया था, और उन्होंने खुशी-खुशी इसमें भाग लिया, लेकिन असित कुमार मोदी को यह पसंद नहीं आया।

शैलेश ने ये भी बताया कि असित ने उनसे जिस तरह से बात की वह उन्हें पसंद नहीं आई। शैलेश ने यह भी शेयर किया कि असित कुमार मोदी ने शो में सभी को अपमानजनक तरीके से अपना नौकर कहा, उनके बोलने का तरीका मैं बर्दाश्त नहीं कर सका। एक शो कई लोगों के जरिए बनता है, किसी एक इंसान की बदौलत नहीं। 17 फरवरी को मैंने मेल कर दिया कि मैं अब शो में काम नहीं कर पाऊंगा'।

बता दें कि जेनिफर इस शो में पिछले 15 साल से रोशन सोढी का किरदार निभाती नजर आई हैं। लेकिन जब से मेकर्स के साथ अभिनेत्री की अनबन हो गई तब से उन्होंने शो छोड़ दिया और सेट पर नजर नहीं आई हैं। वहीं, असित कुमार मोदी द्वारा निर्मित, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' साल 2008 से प्रसारित हो रहा है। पिछले कई वर्षों में यह शो भारतीयों की दिलों की धड़कन बनकर उभरा है। लोगों के बीच इस शो की दीवानगी इतनी ज्यादा है कि इसका हर कलाकार दर्शकों के दिलों में बस गया है। बीते काफी समय से यह शो अपनी स्टारकास्ट के छोड़कर जाने के कारण सुर्खियों में बना हुआ है।

साउथ सुपरस्टार नयनतारा फिल्मों में आने से पहले करती थीं न्यूज एंकरिंग, ट्रांसफॉर्मेशन देख हैरान हुए फैंस

साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा हाल ही में शाहरुख खान की फिल्म जवान में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए उन्होंने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। इसी बीच नयनतारा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह एक टीवी शो में एंकरिंग करते हुए दिखाई दे रही हैं।

नयनतारा का थ्रो-बैक वीडियो

वीडियो में नयनतारा का एक अलग लुक देखने को मिला। वह मलयालम भाषा में बोल रही हैं। माथे पर छोटी सी बिंदी, सिंपल मेकअप और प्रिंटेड ब्लैक एंड रेड कपड़ों में उन्हें पहचान पाना मुश्किल हो रहा है। बता दें, फिल्मों में आने से पहले वह टीवी शो चामायम में एंकरिंग कर रही थीं।

2003 में मलयालम फिल्म से की थी शुरुआत

उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म मनासिनक्करे से की, तब वो कॉलेज में ही थीं। इसके बाद नयनतारा ने तमिल सिनेमा में अय्या (2005) से और तेलुगु सिनेमा में लक्ष्मी (2006) से डेब्यू किया था। आज वह साउथ इंडस्ट्री की 'लेडी सुपरस्टार' के नाम से जानी जाती हैं।

नयनतारा का वीडियो देख फैंस हुए शॉक्ड

एक्ट्रेस का ये पुराना वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 38 साल की एक्ट्रेस का ट्रांसफॉर्मेशन देखकर फैंस सवाल कर रहे हैं कि क्या ये सच में नयनतारा ही हैं। वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- वह बहुत अलग दिख रही हैं। दूसरे ने लिखा- पैसा सब बदल देता है। वहीं तीसरे ने कमेंट करते हुए लिखा- अब यह पूरी तरह से बदल चुकी हैं।

नयनतारा का वर्कफ्रंट

नयनतारा के वर्कफ्रंट की बात करे तो वह जल्द ही फिल्म कन्नप्पा में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह 16 साल बाद प्रभास के साथ काम करेंगी। दोनों शिव और पार्वती की भूमिका में दिखाई देंगे। यह फिल्ममेकर विष्णु मांचू का ड्रीम प्रोजेक्ट है। फिल्म का डायरेक्शन मुकेश सिंह करेंगे।

महिमा नांबियार ने चंद्रमुखी 2 को बताया अपना ड्रीम प्रोजेक्ट

बॉलीवुड की धाकड़ क्वीन कही जाने वाली अभिनेत्री कंगना रणौत आज किसी पहचान की महोताज नहीं है। एक्ट्रेस की फिल्म 'चंद्रमुखी 2' पिछले काफी लंबे समय से खबरों की सुर्खियों में बनी हुई है। हर कोई एक्ट्रेस की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। इसी बीच अब फिल्म की अभिनेत्री महिमा नांबियार कंगना की तारीफ करते हुए उन्हें असल 'चंद्रमुखी' बताया है।

मलयालम एक्शन फिल्म आरडीएक्सः रॉबर्ट डोनी जेवियर में अपने अभिनय से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अभिनेत्री महिमा नांबियार एक बार फिर मोस्ट अवेटेड हॉरर कॉमेडी 'चंद्रमुखी 2' से बड़े पर्दे पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए तैयार हो रही हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने कंगना के अभिनय और तारीफों के पुल बांधे हैं और उन्हें असल चंद्रमुखी की उपाधि दी है।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में कहा, 'चंद्रमुखी 2' का निर्देशन असाधारण प्रतिभाशाली निर्देशक पी वासु ने किया है। मेरी जोड़ी राघव लॉरेंस के साथ है और कंगना मैम भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं । यह किरदार चंद्रमुखी 2 को कैमरे के सामने और पीछे दोनों जगह अपार प्रतिभा से भरपूर प्रोजेक्ट बनाता है। इसलिए फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं, खासकर जब से यह लाइका प्रोडक्शंस द्वारा बनाया गया है।'

बात करें कंगना के 'चंद्रमुखी 2' के हिंदी ट्रेलर की तो इसकी शुरुआत एक हवेली से होती है। 17 साल पहले से शुरू होती है, जब गंगा ने खुद को चंद्रमुखी समझकर ऐसा तांडव मचाया था। मानो पूरे गांव में प्रलय आ गया हो, अब तो खुद चंद्रमुखी ही आ गई है।

इस फिल्म में कंगना रणौत के अलावा राधिका सरथकुमार, वादिवेलु, लक्ष्मी मेनन, महिमा नांबियार, सृष्टि डांगे, रवि मारिया और सुरेश मेनन भी अहम किरदार में हैं।

बता दें कि, चंद्रमुखी 2 पहले 15 सितंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन कुछ अटकलों की वजह से इसकी रिलीज तारीख आगे बढ़ाकर 28 सितंबर कर दिया गया।

मेटाडोर में भरकर ले जा रहा था फैंसीडिल एसटीएफ ने धर दबोचा

कोलकाता, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने मेटाडोर में भरकर ले जा रहे फैंसीडिल की बड़ी खेप बरामद की है। एसटीएफ के एसपी आईपीएस इंद्रजीत बसु ने बुधवार को इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि देर रात पुख्ता सूचना मिलने के बाद नदिया के राणाघाट में हबिबपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर घेराबंदी की गई थी। यहां जैसे ही ब्लू रंग की एक संदिग्ध मेटाडोर पहुंची, उसे घेर लिया गया। तलाशी लेने पर उसके अंदर से 500 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप फैंसीडिल बरामद किया गया। तुरंत मेटाडोर चालक अर्चित्य कुमार कीर्तनीय (35) को धर दबोचा गया। कीर्तनीय भी नदिया जिले के ही हंसखाली थाना अंतर्गत हरितला का रहने वाला है। राणाघाट थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है।

अब धरती के सबसे करीबी पड़ोसी शुक्र पर मिशन की तैयारी में इसरो

एस सोमनाथ ने बताया दिलचस्प कारण

चेन्नई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सुदूर अंतरिक्ष के अज्ञात रहस्यों को खोजने की स्पेस रेस में भारत अब तेज गति से आगे बढ़ रहा है। धरती के सबसे निकट खगोलीय पिंड चांद, मंगल और सूरज के अध्ययन के लिए सफल मिशन के बाद अब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्र ग्रह के रहस्यों को भेदने की तैयारी कर ली है। इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मंगलवार (26 सितंबर) को इसकी घोषणा की है। राजधानी नई दिल्ली में इंडियन नेशनल साइंस अकादमी को संबोधित करते हुए सोमनाथ ने कहा कि हमारे तारामंडल के सबसे चमकीले ग्रह शुक्र (वीनस) पर मिशन भेजने की सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। इसके लिए पेलोड पहले ही विकसित हो चुके हैं। पृथ्वी और शुक्र में समानता का जिक्र करते हुए सोमनाथ ने कहा, वीनस एक इंटरेस्टिंग ग्रह है और इसे एक्सप्लोर करने से स्पेस साइंस क्षेत्र में कुछ सवालों के जवाब देने में मदद मिलेगी।

शुक्र ग्रह का वायुमंडल एसिड से भरा

उन्होंने कहा, पृथ्वी की तरह शुक्र का वायुमंडल भी है। इसका वातावरण बहुत घना है। एटमॉस्फेयरिक प्रेशर पृथ्वी से 100 गुना है और यह एसिड से भरा है। आप इसकी सतह में प्रवेश नहीं कर सकते। आप नहीं जानते कि इसकी सतह क्या है कठिन है या नहीं। उन्होंने पृथ्वी पर भी भविष्य में जीवन की कठिन चुनौतियों की आशंका जाहिर करते हुए कहा, हम शुक्र को इसलिए समझने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि पृथ्वी पर भी हालात एक दिन शुक्र जैसे हो सकते हैं। हो सकता है कि 10,000 साल बाद हम अपने ग्रह पर अपनी विशेषताओं को बदल दें। पृथ्वी कभी ऐसी नहीं थी जैसी आज है। यह बहुत समय पहले रहने लायक बिल्कुल नहीं थी। लेकिन धीरे-धीरे हालात बदले और आज यहां जीवन ही जीवन है। आकार और घनत्व में पृथ्वी के समान होने की वजह से शुक्र को हमारी धरती का जुड़वा भी कहा जाता है। सोमनाथ ने यह भी कहा कि भारत में रॉकेट के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले लगभग 95 प्रतिशत कलपुर्जे घरेलू स्रोत से बनाए गए हैं। रॉकेट और सेटेलाइट का विकास सहित सभी तकनीकी कार्य अपने देश में ही किए जाते हैं।

शुक्र पर कौन-कौन देश पहले भेज चुके हैं मिशन

शुक्र से जुड़े मिशन में अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन नासा के पार्कर सोलर प्रोब ने भी शुक्र ग्रह के कई चक्कर लगाए हैं। 9 फरवरी, 2022 को नासा ने जानकारी दी कि पार्कर सोलर प्रोब ने फरवरी 2021 की अंतरिक्ष से शुक्र की सतह की पहली विजिबल लाइट इमेज ली थी। इसके अलावा यूरोपीय स्पेस एजेंसी (ईएसए) का वीनस एक्सप्रेस (जो 2006 से 2016 तक परिक्रमा कर रहा था) और जापान का अकात्सुकी वीनस क्लाइमेट ऑर्बिटर (2016 से परिक्रमा कर रहा है) शामिल हैं। आपको बता दें कि इसरो ने इससे पहले साल 2014 में मंगल ग्रह पर मंगलयान उतार कर इतिहास रच दिया था। इसके बाद हाल ही में चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग हुई है।

दिल्ली में अब अधिकारी फोन कॉल करेंगे रिकॉर्ड

मंत्री आतिशी को क्यों देना पड़ा ये निर्देश?

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की नौकरशाही पर नियंत्रण को लेकर दिल्ली सरकार और एलजी के बीच जंग जारी है। ताजा मामले में केजरीवाल सरकार में सबसे ज्यादा कद्दावर मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया है कि उनके विभाग के अधिकारी दिल्ली सरकार के अन्य विभागों में अपने समकक्ष अधिकारियों को धमकी दे रहे हैं और परेशान कर रहे हैं। ताकि उन्हें अवैध आदेश जारी करने के लिए मजबूर किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक इस मसले पर आतिशी ने 26 सितंबर 2023 को जारी एक आदेश में अपने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि अपने मोबाइल फोन का उपयोग कर ऐसी बातचीत को रिकॉर्ड कर लें। रिकॉर्ड करने के बाद उसकी कॉपी मुझे दें। आतिशी ने कहा कि धमकियां देते पाए जाने वाले सतर्कता विभाग के अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, अधिकारियों का कहना है कि उन्हें सतर्कता विभाग के कुछ अधिकारियों से बार-बार फोन आते हैं, धमकी दी जाती है कि यदि उन्होंने उक्त आदेश जारी नहीं किए, तो उनके खिलाफ जांच शुरू कर दी जाएगी और उन्हें निलंबित कर दिया जाएगा। अपने आदेश में उन्होंने आगे कहा है कि किसी सिविल सेवक को धमकी देना या डराना न केवल केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का उल्लंघन है, बल्कि भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत भी यह अपराध है। ताजा आदेश में कहा गया है,

15 माह की बच्ची के इलाज के लिए आप सांसद संजय सिंह ने आम जन से मांगी आर्थिक मदद

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। 15 माह की बच्ची शिवांशी मिश्रा ऐसी गंभीर और दुर्लभ बीमारी झेल रही है जिसका इलाज करवाने के लिए 17 करोड़ रुपये की जरूरत है। शिवांशी का इलाज इतना महंगा है कि उसके परिवार के लिए संभव नहीं है। शिवांशी के जान बचाने के लिए अब दिल्ली के आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने लोगों से आर्थिक मदद की गुहार लगाई है। आप सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें वो बीमार बच्ची और उसकी मां के साथ नजर आ रहे हैं। संजय सिंह ने कहा मासूम बच्चे ऐसी गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं कि जिसका इलाज किसी सामान्य परिवार के लिए संभव नहीं है। सांसद ने कहा आप सबकी मदद से ही इस बच्ची का जीवन बचाया जा सकता है। आप सबसे हाथ जोड़ कर प्रार्थना है इस बच्ची के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाएं। संजय सिंह ने बताया शिवांशी मिश्रा उसी तरह की बीमारी से ग्रसित है जिस बीमारी से दिल्ली के अनमय और अनय पीड़ित थे। उन्होंने बताया बिहार के सीतामढ़ी की इस मासूम बच्ची को एसएमए टाइप 2 (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी टाइप 2) नाम की बीमारी है। ये ऐसी गंभीर और दुर्लभ बीमारी है जिसका इलाज 17 करोड़ का इंजेक्शन लगाने से हो सकता है। संजय सिंह ने बताया इस बच्ची के पिता आकाश मिश्रा तमिलनाडु में डॉक्टर हैं। मां आरती समेत पूरा परिवार बच्ची की जान बचाने के लिए परेशान हैं। इस मासूम बच्ची के दादा एयर फोर्स में फ्लाइंग अफसर रहे हैं। मैं आप सबसे ये कहूंगा कि जब देश में कोई आपदा आती है तो आप सब मदद के लिए आगे बढ़ाते हैं। इस बच्ची को एक बच्चे के तौर पर मत देखिए इसकी बीमारी को एक आपदा के रूप में देखिए। एक बहुत बड़े संकट के रूप में देखिए।

आइए सब मिलकर इस मासूम की जान बचाते हैं

संजय सिंह ने कहा मैं ये कहता हूं देश के 17 हजार लोग भी अगर 10-10 हजार रुपये इस बच्ची के लिए दें तो इस बच्ची की जान बच सकती है। 140 करोड़ आबादी वाले देश में 17 हजार लोगों के लिए 10-10 हजार रुपये देना कोई मुश्किल बात नहीं है अगर 10- 10 हजार नहीं तो एक या दो हजार या लाख दान करते हैं तो ये 17 लाख की रकम बहुत बड़ी नहीं है। आपके द्वारा की गई मदद से एक बच्ची की जान बचा सकती है इसलिए आइए सब मिलकर इस मासूम बच्ची की जिंदगी बचाने के लिए अपनी ओर से मदद का हाथ बढ़ाते हैं।

जिन तस्करों को रोकने का है जिम्मा, उन्हीं को वर्दी की आड़ में तस्करी करवाता था कांस्टेबल

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में खाकी एक बार फिर दागदार हो गई। नशा तस्करी पर लगाम लगाने का दावा करने वाली पुलिस का मुलाजिम ही तस्कर का मददगार निकला। आरोपी कांस्टेबल खुद नशा लेने के लिए तस्कर के साथ कार में उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद शहर में जाता था। एंटी नारकोटिक्स सेल वन की टीम ने 12 अगस्त को तस्कर गुरप्रीत सिंह उर्फ शेरु को गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो पता चला कि शेरु का मददगार कोई और नहीं बल्कि मेहरवान थाने में तैनात पंजाब पुलिस का कांस्टेबल हरमनदीप सिंह है। जब मामला पुलिस कमिश्नर मंदीप सिंह सिद्धू के ध्यान में आया तो उन्होंने तुरंत कांस्टेबल को नामजद करने के आदेश जारी किए।

वैष्णो देवी यात्रा के लिए विदेशी सैलानियों का रुझान बढ़ा

जम्मू, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कोविड की बंदिशें लगभग खत्म होने के बाद जम्मू संभाग के धार्मिक पर्यटन व पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों का रुझान बढ़ा है। पिछले साल 60 लाख की तुलना में श्री माता वैष्णो देवी के दरबार में गत अगस्त तक 6531142 लाख श्रद्धालु हाजिरी दे चुके हैं। इसमें 6900 से अधिक विदेशी यात्री वैष्णो देवी में पहुंचे हैं। जिस रफ्तार से यात्री पहुंच रहे हैं उससे पिछले कुछ सालों का रिकार्ड टूट सकता है। संभाग में धार्मिक पर्यटन में सबसे अधिक यात्री वैष्णो देवी में पहुंचते हैं। वर्ष 2022 में अगस्त तक कोई विदेशी यात्री वैष्णो देवी में नहीं पहुंचा था, लेकिन इस साल रफ्तार बढ़ी है। इस साल जनवरी से मई तक विदेशी यात्रियों ने रुझान नहीं दिखाया, लेकिन गत जून से उनका आवागमन शुरू हो गया। इसमें जून में 500 से अधिक, जुलाई में 22 से अधिक और अगस्त में 4200 से अधिक विदेशी यात्री वैष्णो देवी के दरबार में पहुंचा। बताया जाता है कि अमरनाथ यात्रा के कुछ दिन रुकने के कारण नेपाल आदि देशों से यात्रियों ने वैष्णो देवी की ओर से रुख किया था। लेकिन विदेशी यात्रियों की संख्या बढ़ना वैष्णो देवी धार्मिक पर्यटन को और ऊंचाइयों तक ले जाता है। पिछले साल की तुलना में अब तक वैष्णो देवी के घरेलू यात्री भी अधिक पहुंचे हैं और आगामी माह में खासतौर पर अवकाश या दिसंबर माह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के माता के दरबार में पहुंचने की उम्मीद है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इससे पहले वर्ष 2018 में वैष्णो देवी में 32 हजार से अधिक, 2019 में 23 हजार से अधिक विदेशी यात्री पहुंचे थे। जबकि अगले दो साल में कोविड के कारण यह रफ्तार धीमी रही।

सुचेतगढ़ में बढ़ रहे पर्यटक

जम्मू संभाग में धार्मिक के साथ सीमांत पर्यटन को गति मिली है। पिछले साल अक्तूबर तक सुचेतगढ़ आरएस पुरा में 172867 पर्यटक पहुंचे थे, जबकि इस साल अगस्त तक ही 217371 पर्यटन पहुंच चुके हैं और इस साल यह आंकड़ा बढ़ने की उम्मीद है। सुचेतगढ़ में भारत -पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित ऑक्ट्राय पोस्ट पर रिट्रीट सेरेमनी देखने के लिए भी घरेलू और देशभर से पर्यटकों का रुझान बढ़ा है।

पति या पत्नी को मिर्गी की बीमारी होना

हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक का आधार नहीं, बॉम्बे हाईकोर्ट का अहम फैसला

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने तलाक से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्ति हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 के तहत इस आधार पर तलाक नहीं मांग सकता है कि उसके जीवनसाथी को मिर्गी की बीमारी है। जस्टिस विनय जोशी और जस्टिस एसए मेनेजेस की डिवीजन ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। फैमिली ने पति को तलाक की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पति ने इस आधार पर तलाक मांगी थी कि उसकी पत्नी मिर्गी से पीड़ित है। ये एक लाइलाज बीमारी है। मानसिक रूप से अस्वस्थ भी है। पति ने आरोप लगाया था कि मिर्गी के कारण उसकी पत्नी असामान्य व्यवहार करती थी और आत्महत्या करने की धमकी भी देती थी, जिसके कारण शादी टूट गई। हालांकि, उच्च न्यायालय इन आरोपों से सहमत नहीं था। अदालत ने कहा,'मिर्गी' न तो लाइलाज बीमारी है और न ही इसे हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आईआईआई) के तहत आधार बनाते हुए मानसिक विकार या मनोरोगी विकार माना जा सकता है। अदालत ने रघुनाथ गोपाल दफ्तरदार बनाम विजया रघुनाथ दफ्तरदार मामले में सिंगल जज के फैसले पर भरोसा जताया। ने आगे कहा कि इस बात के प्रचुर मात्रा में चिकित्सीय साक्ष्य हैं कि ऐसी चिकित्सीय स्थिति पति-पत्नी के एक साथ रहने में बाधा नहीं बनेगी। कोर्ट ने कहा कि इस आधार पर, हम मानते हैं कि पति यह साबित करने में विफल रहा है कि पत्नी मिर्गी से पीड़ित थी या यहां तक कि, यदि वह ऐसी स्थिति से पीड़ित थी, तो इसे धारा 13(1)(आईआईआई) के तहत एक आधार माना जा सकता है। अदालत ने पाया कि पत्नी का इलाज करने वाले एक न्यूरोलॉजिस्ट के अनुसार, वो केवल मस्तिष्क दौरे से पीड़ित थी, मिर्गी से नहीं। अगर यह भी मान लिया जाए कि पत्नी मिर्गी से पीड़ित थी, तो यह निश्चित रूप से कोई मानसिक विकार या मनोरोगी विकार नहीं है। चूंकि पति पत्नी के मिर्गी से पीड़ित होने के अपने आरोप को साबित करने में असमर्थ था, इसलिए अदालत ने कहा कि यह मानने का कोई आधार नहीं है कि पत्नी की स्थिति के कारण उसे क्रूरता या मानसिक यातना का सामना करना पड़ा। न्यायाधीशों ने पति की इस दलील को भी खारिज कर दिया कि उसने अपने असामान्य व्यवहार के कारण आत्महत्या करने की धमकी देते हुए एक पत्र लिखा था।

किसान हो जाएं सावधान

पराली जलाने पर देना होगा 15 हजार रुपये तक का जुर्माना

करनाल, 27 सितंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर-नवंबर का महीना किसानों के लिए धान की फसल की कटाई का होता है। इस वक्त पराली जलाने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। प्रदूषण के स्तर में भी भारी इजाफा देखा जाता है। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए इस बार हरियाणा सरकार पहले से ही तैयार नजर आ रही है। करनाल जिला प्रशासन ने जिले में फसल अवशेषों की घटनाओं को शून्य स्तर तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की टीमों को फील्ड में उतार दिया है।

पराली जलाने पर देना होगा जुर्माना

अधिकारियों-कर्मचारियों की टीमें गांव दर गांव जाकर किसानों, ग्रामीणों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसानों के बारे में अवगत कराएंगी। पराली जलाने वाले किसानों पर नियम अनुसार जुर्माना भी लगाया जाएगा। कृषि विभाग के मुताबिक, पराली जलाने वाले किसानों को 25 सौ रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक फाइन देना होगा। विभाग द्वारा किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए होर्डिंग लगवाई जा रही है। साथ ही दीवारों पर पेंटिंग की जा रही है। डॉ. वजीर सिंह, उप-निदेशक बताया कि पिछले साल करनाल जिले में पराली जलाने की घटनाओं में करीब 65 प्रतिशत की कमी आई है। इस बार हमें पराली जलाने की घटनाओं को शून्य करना है। पराली जलाने की घटना पर रोक लगाने के लिए सब डिवीजन लेवल पर नोडल अधिकारी तैनात किए जाएंगे।

लोगों को किया जा रहा जागरूक

ग्रामीण क्षेत्र में आग लगाने की घटनाओं की मॉनिटरिंग ग्राम सचिव, पटवारी और कृषि विभाग के कर्मचारी की टीम द्वारा की जाएगी। यह टीम फसल कटाई शुरू होने से पहले गांव में जाकर पंचायत, ग्राम सभा व अन्य सभाएं आयोजित करके पराली न जलाने के लिए लोगों को जागरुक भी करेगी। इसके अतिरिक्त जिन लोगों ने पिछले वर्ष पराली जलाई थी, उन लोगों के घर जाकर भी दोबारा पराली न जलाने के लिए जागरुक किया जा रहा है।

कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू का सीएम भगवंत मान पर जुबानी हमला, लगाए गंभीर आरोप

चंडीगढ़, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने एक बार फिर मुख्यमंत्री भगवंत मान पर हमला बोला है। सिद्धू ने आरोप लगाया कि राज्य में माफिया पल रहा है जिसमें मुख्यमंत्री की सहमति है। आपको बता दें कि सिद्धू आज पंजाब के सिविल एविएशन दफ्तर पहुंचे थे। जहां उन्होंने एक राइट टू इनफॉर्मेशन एक्ट के तहत अर्जी दायर की है। जिसमें यह जानकारी मांगी है कि पिछले डेढ़ साल में पंजाब सरकार ने प्राइवेट जेट हायर करने पर कितना खर्च किया है। नवजोत सिंह सिद्धू ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी का दूसरे राज्यों में प्रचार के लिए पंजाब सरकार प्राइवेट जेट किराए पर लेती है और साथ ही हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल भी दूसरे राज्यों में आम आदमी पार्टी के प्रचार के लिए किया गया है। सिद्धू ने कहा कि यह पंजाब की जनता के पैसे का दुरुपयोग है और आरटीआई में उन्होंने इनफॉर्मेशन मांगी है कि कितना खर्चा इस पर हुआ है। नवजोत सिंह सिद्धू ने पंजाब की जनता के नाम एक चिट्ठी भी लिखी है। इसमें आरोप लगाया है कि पंजाब में माफिया पल रहा है और पंजाब सरकार रेवेन्यू जेनरेट करने में पूरी तरह से विफल रही है। सिद्धू ने कहा कि आम आदमी पार्टी बड़े-बड़े वादे करके सत्ता में आई थी मगर अब पूरी तरह से फेल हो गई है। उन्होंने कहा कि इस सरकार के राज में राज्य पर 50 हजार करोड़ का कर्जा और चढ़ा दिया है और सरकार को बताना चाहिए कि यह पैसा कहां खर्च हुआ है।

10-20 रुपये की चोरी के आरोपी की बेरहम पिटाई से मौत

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक शख्स की बेरहमी से पिटाई का एक वीडियो इन दिनों जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में दिख रहा है कि कुछ शख्स एक युवक को पोल में बांधकर उसकी बेरहमी से पिटाई कर रहे हैं। अभी तक की जांच में पता चला है कि जिस शख्स को पोल से बांधकर पीटा जा रहा है उसका नाम ईसार अहमद है। उसकी उम्र 26 साल है, और उसपर आरोप है कि उसने 10 से 20 रुपये की चोरी की है। ईसार की आरोपियों ने इस कदर पिटाई की कि उसकी बाद में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद ही पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अभी तक पुलिस ने इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी पीड़ित की पिटाई करने के बाद उसे सड़क किनारे अधमरी हालत में ही छोड़कर मौके से फरार हो गए थे। पीड़ित शख्स मजदूरी करता था। उसके परिवार में उसके अलावा उसकी चार बहनें और माता-पिता हैं।

अलका लांबा ने सही बोला था! दिल्ली में इंडिया को टाटा कर सकती है कांग्रेस?

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस) को लेकर जो आशंकाएं बार-बार जताई जाती रही हैं, वह दिल्ली में एकबार फिर सामने आ रही है। यह गठबंधन बना ही इसलिए है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में एक सीट पर इंडिया ब्लॉक के एक उम्मीदवार को उतारकर बीजेपी को चुनौती दी जाए। लेकिन, कांग्रेस पार्टी ने दिल्ली की सभी सातों सीटों पर अपनी संगठनात्मक तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले महीने दिल्ली कांग्रेस की नेता अलका लांबा ने पार्टी की एक बड़ी बैठक से निकलने के बाद यही बात कही थी, जिसपर इंडिया ब्लॉक में बवाल मच गया था। कांग्रेस ने जिस तरह से पार्टी के पूर्व विधायकों और शीला दीक्षित सरकार में मंत्री रहे नेताओं को सातों लोकसभा सीटों का संयोजक बनाया है, उससे यही संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी अपनी ओर से सभी सीटों के लिए पूरी तरह से तैयार रहना चाहती है।

शीला दीक्षित के भरोसेमंदों को आगे बढ़ा रही है कांग्रेस

गौरतलब है कि पार्टी ने पहले अरविंदर सिंह लवली जैसे नेता को प्रदेश का कमान दिया और अब नरेंद्र नाथ और हारून युसूफ जैसे पूर्व मंत्रियों और जय किशन, वीर सिंह धींगा, सुभाष चोपड़ा, मुकेश शर्मा और विजय लोचव जैसे पार्टी के पूर्व विधायकों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर अपना इरादा साफ कर दिया है। पार्टी ने दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए जमीनी स्तर पर संगठन में जान फूंकने की कोशिश की है। हर विधानसभा क्षेत्रों में 9 सदस्यीय टीम खड़ी कर रही है। दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों में से लगभग हर में करीब 10 विधानसभा सीटें आती हैं।

2024 के लिए संगठनात्मक तैयारियां कर रहे हैं- लवली

अभी जो जमीनी स्तर पर संगठनात्मक ढांचा खड़ा किया जा रहा है, यह काम अक्टूबर के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। दिल्ली के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने ईटी को बताया है, "हमने आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर हमारी राय से हमारे वरिष्ठ नेताओं को अवगत करा दिया है। अब हम 2024 के संसदीय चुनावों के लिए संगठनात्मक तैयारियां कर रहे हैं।'

इंडिया ब्लॉक में तालमेल हो पाने में क्यों है मुश्किल?

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन का विरोध दिल्ली कांग्रेस के नेता तो करते ही रहे हैं। दरअसल, अगर हम 2019 के लोकसभा चुनावों और 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनावों के परिणामों को देखें तो इसमें इतना विरोधाभास है कि इंडिया ब्लॉक के मंसूबे के मुताबिक सीटों का बंटवारा हो पाना बहुत मुश्किल है। मसलन, 2019 के लोकसभा चुनावों में जहां दिल्ली की सात में से पांच सीटों पर कांग्रेस दूसरे नंबर पर रही थी, वहीं राज्य में सत्ताधारी आम आदमी पार्टी सिर्फ दो सीटों पर ही दूसरे नंबर पर जगह बना सकी थी। जबकि, सातों सीटें 2014 के लोकसभा चुनावों के बाद लगातार दूसरी बार भी बीजेपी ने जीत ली थी। कांग्रेस जिन 5 सीटों पर दूसरे नंबर पर आई थी, उनमें चांदनी चौक, पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और उत्तर-पूर्वी दिल्ली शामिल है। वहीं 2020 के विधानसभा चुनावों में 70 में से 62 सीटें आम आदमी पार्टी के खाते में गई थी और कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी।

दिल्ली में इंडिया को टाटा कर सकती है कांग्रेस?

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने नाम नहीं जाहिर होने देने की शर्त पर कहा है, 'आम आदमी पार्टी अस्थिर पार्टी है। हम नहीं जानते कि क्या कोई गठबंधन होगा। हमारी प्रदेश इकाई ऐसा नहीं चाहती। इसलिए हम सभी सातों सीटों के लिए तैयारियां कर रहे हैं।'

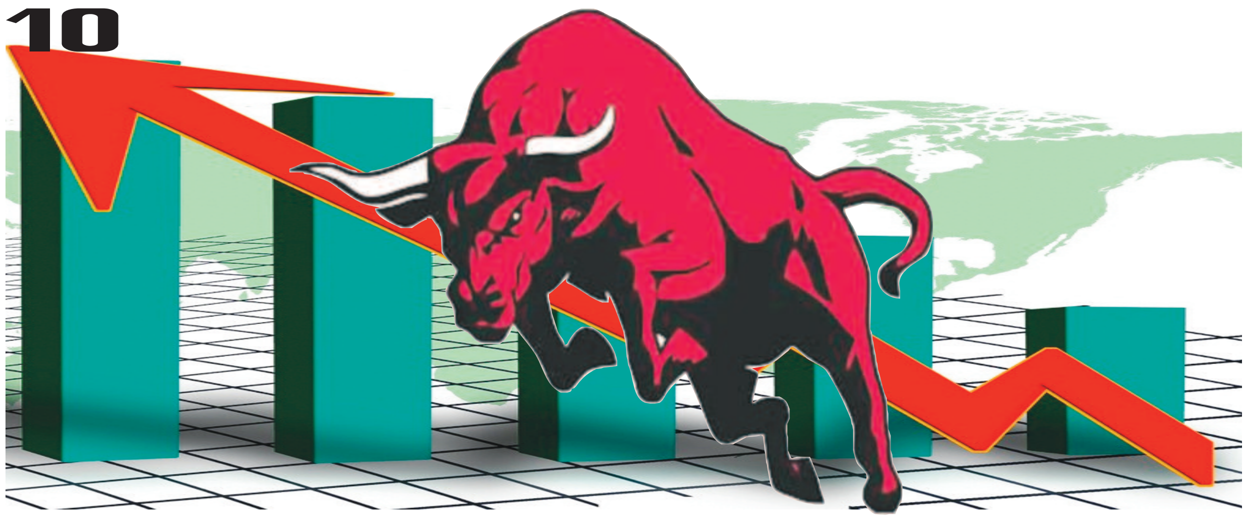

सेंसेक्स 173 अंक चढ़कर 66,118 पर बंद : निफ्टी में भी 51 अंक की तेजी रही, सिग्नेचर ग्लोबल का शेयर 19% चढ़ा

मुंबई, 27 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (27 सितंबर) को तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 173 अंक चढ़कर 66,118 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 51 अंक की तेजी रही थी। ये 19,716 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली है। सिग्नेचर ग्लोबल कंपनी का शेयर में आज 19.35% की तेजी रही।

आज एलएंडटी, कोल इंडिया और आईटीसी निफ्टी के टॉप गेनर रहे। वहीं टाइटन, ग्रासिम और हीरो मोटोकॉर्प टॉप लूजर रहे। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसा मजबूत होकर 83.23 रुपए पर बंद हुआ।

निफ्टी टॉप गेनर

शेयर	करंट प्राइस	कितना बढ़ा	चेंज
L&T	2,971	58.45	2.01%
कोल इंडिया	291	5.20	1.81%
ITC	449	6.90	1.56%

निफ्टी टॉप लूजर

शेयर	करंट प्राइस	कितना घटा	चेंज
टाइटन	3,217	45.10	1.38%
ग्रासिम	1,932	25.60	1.31%
हीरो मोटोकॉर्प	3,007	27.20	0.90%

सिग्नेचर ग्लोबल का शेयर 15.32% प्रीमियम पर लिस्ट

आज सिग्नेचर ग्लोबल लिमिटेड की अच्छी लिस्टिंग हुई है। एनएसई पर कंपनी का शेयर 15.32% प्रीमियम के साथ 444 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जबकि बीएसई पर ये 15.58% प्रीमियम के साथ 445 रुपए प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ। लिस्टिंग के बाद इसमें और बढ़त देखने को मिली और ये 19.35% चढ़कर 458.55 रुपए पर बंद हुआ।

इसका इश्यू प्राइस 385 रुपए प्रति शेयर था। ये आईपीओ 11.88 गुना सब्सक्राइब हुआ था। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 366-385 रुपए तय किया था।

आज से वेलिएंट लेबोरेटरीज के आईपीओ में पैसा लगाने का मौका

वेलिएंट लेबोरेटरीज का आईपीओ 27 सितंबर से रिटेल इनवेस्टर्स के लिए ओपन हो गया है। इश्यू का प्राइस बैंड 133-140 है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 105 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। अपर प्राइस बैंड के हिसाब से 1 लॉट के लिए 14,700 निवेश करने होंगे।

कंपनी इसके जरिए 152.46 करोड़ जुटाना चाहती है। यह 100% फ्रेश इश्यू होगा, जिसके लिए कंपनी 10,890,000 शेयर इश्यू करेगी। इस आईपीओ के लिए 3 अक्टूबर तक अप्लाय कर सकते हैं। 9 अक्टूबर को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

कल बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले कल यानी मंगलवार (26 सितंबर) को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। सेंसेक्स 78 अंक गिरकर 65,945 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 9 अंक की गिरावट रही थी। ये 19,664 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 16 में तेजी और 14 में गिरावट देखने को मिली थी।

लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना-चांदी : साढ़े 58 हजार के करीब सोना, चांदी 71 हजार पर आई

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार (27 सितंबर) को सर्राफा बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने के दाम 311 रुपए गिरकर 58,611 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गए हैं। वहीं 18 कैरेट सोने की कीमत 43,958 रुपए रह गई है।

चांदी में 500 रुपए से ज्यादा की गिरावट

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार आज चांदी की कीमत से 500 रुपए ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। ये 537 रुपए फिसलकर 71,020 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इससे पहले सोमवार को ये 71,557 रुपए पर थी। इससे पहले कल भी चांदी में 1,651 रुपए टूटी थी।

डॉलर में मजबूती के कारण सोने में गिरावट

डॉलर और सोने की कीमत में उल्टा संबंध है। जब डॉलर मजबूत होता है तब सोने की कीमतों में गिरावट आने लगती है। दूसरी तरफ डॉलर कमजोर होने पर सोना महंगा होने लगता है। अभी डॉलर इंडेक्स 105.95 पर पहुंच गया है। ये इसका 10 महीने का हाई है, इसी कारण अभी सोने में कमजोरी है। इसके अवाला 1 डॉलर की कीमत भी 83.22 रुपए पहुंच गई है।

इस महीने अब तक सोना 701 और चांदी 3,492 टूटी

इस महीने की शुरुआत यानी 1 सितंबर को सोना 59,312 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो अब 58,611 रुपए पर आ गया है। यानी इसकी कीमत में इस महीने अब तक 701 रुपए की गिरावट देखने को मिली है। वहीं चांदी की बात करें तो इसकी कीमत 3,492 रुपए कम हुई है। ये 74,512 रुपए प्रति किलोग्राम से गिरकर 71,020 रुपए पर आ गई है।

आने वाले दिनों में बढ़ सकते हैं सोने-चांदी के दाम

एक्सपट्‌र्स के अनुसार त्योहारों में सोने-चांदी की बीच मांग बढ़ेगी। इसके चलते दिवाली तक सोना 62,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 78-80 हजार रुपए प्रति किलो तक जा सकती है। 2023 के अंत तक सोना 65,000 रुपए का और चांदी 90,000 रुपए तक पहुंचने की संभावना है।

अगस्त में म्यूचुअल-फंड्स का एयूएम 47 लाख करोड़ पर पहुंचा

स्मॉलकैप फंड में निवेश 61% बढ़ा, 45% ग्रोथ के साथ मल्टीकैप फंड दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। छोटी कंपनियों के शेयर इस महीने भले ही बिकवाली के दबाव में हैं, लेकिन अगस्त में सबसे ज्यादा निवेश स्मॉलकैप म्यूचुअल फंड में ही हुआ। मल्टीकैप फंड दूसरे और सेक्टोरल या थीमैटिक फंड तीसरे नंबर पर रहे। पिछले साल अगस्त के मुकाबले बीते महीने स्मॉल-कैप फंड्स का एसेट अंडर मैनेजमेंट सबसे ज्यादा 61% बढ़ा।

आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम 47 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसमें से 24 लाख करोड़ इक्विटी,

हाइब्रिड और सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम्स में आए।

2 साल से ज्यादा नहीं टिकते 49% निवेशक

48.7% इक्विटी निवेशक म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो 2 साल के भीतर भुना लेते हैं। दिलचस्प है कि ऐसे ज्यादातर निवेशकों को लंबी अवधि के निवेश की अहमियत पता होती है। एक्सिस म्यूचुअल फंड की सर्वे रिपोर्ट कहती है कि अधिकांश निवेशक ब्याज की रकम पर ब्याज यानी कंपाउंडिंग की ताकत भी समझते हैं।

पुराने फंड्स में तीन गुना से ज्यादा निवेश

पुराने फंड यानी न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से इतर निवेश अगस्त में 15,200 करोड़ रुपए का रहा। इसके मुकाबले जुलाई में पुराने फंड्स में 4,600 करोड़ लगाए गए थे। दरअसल पहले से चल रहे फंड्स के रिटर्न का ट्रैक रिकॉर्ड होता है, जबकि एनएफओ के प्रदर्शन को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है।

स्मॉल-कैप फंड क्या हैं?

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वैसे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं।

स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65% तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35% रकम को फंड मैनेजर मिड या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कन्या	में
चंद्र-	कुंभ	में
मंगल	कन्या	में
बुध-	सिंह	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कर्क	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
सिंह...	05-25	बजे
कन्या..	07-32	बजे
तुला...	09-40	बजे
वृश्चिक.	11-54	बजे
धनु.....	14-01	बजे
मकर..	15-51	बजे
कुंभ...	17-29	बजे
मीन...	19-05	बजे
मेष--	20-50	बजे
वृष--	22-09	बजे
मिथुन..	01-03	बजे
कर्क...	03-15	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने, ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय- 06-09 सूर्य अस्त- 18-05
भोग्य कति वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - 18 -49 तक उपरन्त पूर्णिमा
मास - भद्रपद शुक्ल पक्ष, गुरुवार 28 September
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद - 01-48 -तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - गण्ड - 23 - 54 - तक उप वृध्दि
करण- गर - 08 -33 - तक उप- वणिज्
विशेष:- अनंत चतुर्दशी व्रत
व्रत -त्योहार - पूर्णिमा व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:37 से 15:07 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		
शुभ.	06:09 - 07:37	शुभ
रोग	07:37 - 09:07	अशुभ
उत्पात	09:07 - 10:37	अशुभ
चंचल	10:37 - 12:07	शुभ
लाभ	12:07 - 13:37	शुभ
अमृत.	13:37 - 15:07	शुभ
काल.	15:07 - 16:37	अशुभ
शुभ	16:37 - 18:05	शुभ

रात का चौघड़िया		
अमृत	18:05 - 19:37	शुभ
चंचल	19:37 - 21:07	शुभ
रोग	21:07 - 22:37	अशुभ
काल	22:37 - 00:07	अशुभ
लाभ	00:07 - 01:37	शुभ
उत्पात	01:37 - 03:07	अशुभ
शुभ	03:07 - 04:37	शुभ
अमृत	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
खुशियों से भरा शुभ दिन। पैसों का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से निजात दिला सकता है। नई चीजों पर ध्यान दें और अपने सबसे अच्छे दोस्तों से मदद लें। निजी मामले नियंत्रण में रहेंगे। अपने पेशेवर ब्लॉकों को हल करने के लिए अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करें। आपका छोटा सा प्रयास इस समस्या का हमेशा के लिए समाधान कर सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
किसी दोस्त का ठंडा रवैया आपको नाराज़ कर सकता है। लेकिन अपने आप को ठंडा रखने की कोशिश करें। यह आपको पीड़ा न दें बल्कि दुख से बचने का प्रयास करें। पैसे के संदिग्ध उपक्रमों में न फँसें-निवेश को अत्यधिक सावधानी से संभालना चाहिए। दोस्तों के साथ शाम का समय मौज-मस्ती के साथ-साथ छुट्टियों की योजना बनाने के लिए भी अच्छा रहेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
दोस्त आपका परिचय किसी ख़ास व्यक्ति से कराएंगे, जो आपकी सोच पर गहरा प्रभाव डालेगा। आज दूसरों के कहने पर निवेश करने से आर्थिक नुकसान होने की संभावना है। आज अगर परिवार का कोई सदस्य आपको परेशान करता है- इससे पहले कि स्थिति हाथ से निकल जाए, सीमा तय कर लें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
कोई दोस्त आपके खुले विचारों और सहनशीलता की परीक्षा ले सकता है। आपको सावधान रहना चाहिए कि आप अपने मूल्यों का समर्पण न करें और हर निर्णय में तर्कसंगत रहें। धन लाभ आपकी उम्मीद के अनुरूप नहीं रहेगा। आपका ज्ञान और अच्छा हास-परिहास आपके आस-पास के लोगों को प्रभावित करेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,)
किसी बेवजह की बहस में अपनी ऊर्जा बर्बाद न करें। अपने आप को याद दिलाएं कि आप किसी तर्क से कभी कुछ हासिल नहीं करते हैं लेकिन कुछ खो देते हैं। लंबी अवधि के नजरिए से निवेश करना चाहिए। दिन की शुरुआत करीबी रिश्तेदारों या दोस्तों से शुभ समाचार के साथ होगी। आज ही एक पौधा लगाएं।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो,)
आज आप आशा के जादू के अधीन हैं। यदि आपकी रचनात्मक प्रतिभा का उचित उपयोग किया जाए तो यह अत्यधिक आकर्षक साबित होगी। जब आप किसी ग्रुप में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कहते हैं-आपकी आवेगपूर्ण टिप्पणियों के लिए आपकी कड़ी आलोचना हो सकती है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)
दिन शुभ है परन्तु शराब की आदत से छुटकारा पाने के लिए यह एक बहुत ही शुभ दिन है। आपको यह समझना चाहिए कि शराब पीना स्वास्थ्य का घातक दुश्मन है और यह आपकी कार्यक्षमता को भी कम करता है। धन का अचानक प्रवाह आपके बिलों और तत्काल खर्चों का ख्याल रखता है। परिवार के करीबी सदस्य आपको ईर्ष्या और चिढ़ महसूस कराएंगे।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,)
बच्चे आपकी पसंद के मुताबिक काम नहीं करेंगे- जिससे आप चिड़चिड़े हो जाएंगे। आपको खुद पर संयम रखना चाहिए क्योंकि अनियंत्रित क्रोध आमतौर पर सभी को प्रभावित करता है और क्रोधित व्यक्ति को सबसे अधिक नुकसान होता है क्योंकि यह ऊर्जा बर्बाद करता है

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
आपके लिए तम्बाकू का सेवन बंद करने का सही समय है अन्यथा बाद में इस आदत से छुटकारा पाना आपके लिए बेहद मुश्किल होगा और इसका उपयोग न केवल आपके शरीर को स्टंट करता है बल्कि मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। आज निवेश से बचना चाहिए।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
कुछ शारीरिक परिवर्तन जो आप आज करते हैं निश्चित रूप से आपके रूप-रंग में निखार लाएंगे। आज आपको अपना पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि घर का कोई बड़ा आपके पैसों में आपकी मदद कर सकता है। जीवनसाथी के साथ बेहतर समझ घर में सुख-शांति और समृद्धि लाती है।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
किसी रचनात्मक काम में खुद को लगाएं। आपकी बेकार बैठने की आदत मानसिक शांति के लिए घातक साबित हो सकती है। अतीत में आपने अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए जो पैसा लगाया था, आज उसका फल मिलेगा। दिन के उत्तरार्ध में आप आराम करना और अपने परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)
अब समय आ गया है कि आप यह जान लें कि मानसिक शत्रु शरीर की रोगप्रतिरोधक शक्ति को कम कर देते हैं इसलिए मन में कोई अवांछित विचार न आने दें। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य आज ख़राब हो सकता है, जिससे आपके ख़र्चे का बड़ा हिस्सा ख़र्च होगा। आपके मित्र उस समय आपको निराश कर सकते हैं जब आपको उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

भारत अब बनाएगा सेमीकंडक्टर चिप, लेकिन चीन के पेट में क्यों हो रहा दर्द?

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सेमीकंडक्टर को लेकर अभी भारत की निर्भरता चीन और ताइवान जैसे देशों पर हैं। भारतीय कंपनियां चीन और ताइवान से चिप मंगवाती हैं, लेकिन जल्द ही ये निर्भरता खत्म हो सकती है। सरकार भारत सेमीकंडरक्टर के मोर्चे पर देश को मजबूत बनाने की तैयारी में जुट गई है। फिर चाहे विदेशी कंपनियों को भारत लाने की बात हो या फिर भारतीय चिप मेकिंग कंपनियों को मजबूत करने की। जिस तरह से सरकार सेमीकंडक्टर चिप मेकिंग पर अपना फोकस बढ़ा रही है, उसके भारत जल्द ही न केवल अपनी जरूरत को पूरा कर सकेगा, बल्कि ग्लोबल मार्केट का बड़ा खिलाड़ी बन सकता है। भारत जिस तरह से सेमीकॉन वॉर की तैयारी कर रहा है, उसने चीन की चिंता बढ़ा दी है।

सेमीकडंक्टर के लिए विदेशी कंपनियां फॉक्सकॉन, माइक्रॉन भारत का रूख कर रही है। वहीं भारत ने अब विदेशी कंपनियों के अलावा अपनी देशी खिलाड़ियों को भी चिप वॉर में उतराने का फैसला कर लिया है। चंडीगढ़ के पास मोहाली में सेमी कंडक्टर लेबोटरी (SCL) को रिवाइवल करने की तैयारी की जा रही है। आपको बचा दें कि एससीएल एक रिसर्च इंस्टीट्यूट और चिप मेकर कंपनी है, जिसे रिवाइवल की तैयारी की जा रही है। जहां एक ओर विदेशी कंपनियां भारत आकर यहां प्लांट लगाने की तैयारी कर रही हैं तो वहीं देशी कंपनियों को भी चिप वॉर के लिए मैदान में उतारने की तैयारी में जुट गई हैं। आपको बता दें कि एससीएल भारत की एकमात्र सरकारी सेमीकंडक्टर मेकिंग यूनिट है, जो फिलहाल रणनीतिक उद्देश्यों के लिए चिप तैयार करती है।

भारत सेमीकॉन मार्केट में तेज रफ्तार के साथ बढ़ रहा है। अब तक वो चिप के लिए चीन, ताइवान जैसे देशों पर पूरी तरह से निर्भर है, लेकिन जल्द ही वो इस निर्भरता को खत्म कर ग्लोबल मार्केट में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की ओर बढ़ना चाहता है। इस चिप वॉर में विदेशी कंपनियों के साथ-साथ देशी कंपनियों को भी मैदान में उतारने के की तैयार की जा रही है। एक ओर फॉक्सकॉन, माइक्रॉन जैसी बड़ी कंपनियां भारत में प्लांट लगाने की तैयारी कर रही है तो वहीं दूसरी ओर भारत की देशी कंपनी को मजबूती देने की तैयारी की जा रही है।

मोहाली स्थित 40 साल पुरानी सेमीकंडक्टर रिसर्च इंस्टीट्यूट और चिप मेकर कंपनी एससीएल पर सरकार 2 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है। आपको बता दें कि इस लेबोटरी में सेमीकंडक्टर माइक्रो चिप्स तैयार किए जाते हैं, जिसका इस्तेमाल भारत के स्पेस मिशन में होता है। अब इस लेबोरटी को बड़ा और विकसित बनाने की दिशा में काम हो रहा है। भारत ग्लोबल कंपनियों के बीच अपने इस पुरानी कंपनी को शामिल कर सेमीकंडक्टर में खुद को मजबूत करना चाहता है। इसके रिवाइवल के लिए, इसे आधुनिक बनाने के लिए टेक्नोलॉजिकल और ऑपरेशनल एक्सपीरियंस वाली कंपनियों की बोली आमंत्रित की जा रही है।

एससीएल का गठन साल 1976 में किया गया था। साल 1984 इसके मैन्युफैक्चरिंग की शुरू हुई थी। आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत की इस कंपनी में चिप उस दौर से बनाया जाता था, जब ताइवान, जो कि आज सेमीकंडक्टर का किंग कहलाता है, वो इस सेमीकंडक्टर चिप के बारे में जानता तक नहीं था। अगर ये कंपनी एक दुर्घटना की शिकार नहीं होती तो आज भारत चिप मेकिंग का किंग होता। दरअसल साल 1989 में मोहाली के इस प्लांट में रहस्यमयी तरीके से आग लग गई। उस आग ने न केवल इस प्लांट को जलाकर खास कर दिया बल्कि भारत के चिप मेकिंग के सपने को भी जला दिया। अब भारत सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में फिर से खुद को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है।

भारत चिप पर चीन की निर्भता को कम करना चाहता है। इसके लिए वो न केवल विदेशी सेमीकंडक्टर कंपनियों को आमंत्रित कर रहा है, बल्कि अपने देशी खिलाड़ी को भी मजबूत कर रहा है। अमेरिकी चिप मेकिंग कंपनी माइक्रोन भारत में अपना प्लांट लगाने जा रही है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी लगभग 22,500 करोड़ रुपये की लागत से भारत में अपना सेमीकंडक्टर प्लांट लगाने जा रहा है। वहीं ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन भी भारत में अपना विस्तार कर रही है।

भारत की बड़ी कंपनियों ने भी चिप मेकिंग की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। रिलायंस, टाटा, वेदांता जैसी कंपनियों ने इस दिशा में अपने कदम बढ़ा दिए है। ये कंपनियां विदेशी कंपनियों के साथ डील कर रही है। भारत के चिप मेकिंग हब बनने को इससे बल मिलेगा।

इंफ्रा प्रोजेक्ट को फाइनेंस करने के लिए पीएबी-आरईसी में हुआ करार, इस वजह से दोनों पीएसयू के शेयर में तेजी

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। बुधवार को शेयर बाजार की कमजोरी के दौर में भी रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन के शेयरों में अच्छी तेजी दर्ज की जा रही थी और इसके शेयर 18 रुपए की तेजी पर 285 रुपए के लेवल पर कामकाज कर रहे थे. पिछले 5 दिन में आरईसी लिमिटेड के शेयर ने निवेशकों को 10 फीसदी का रिटर्न दे दिया है जबकि पिछले 1 महीने में रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन के शेयर से निवेशकों को 17 फीसदी का बंपर रिटर्न मिला है. पिछले 6 महीने में निवेशकों की पूंजी को डेढ़ गुना बढ़ा देने वाले आरईसी लिमिटेड के शेयर 115 से 285 रुपए का लेवल तय कर चुके हैं.

पिछले 1 साल में आरईसी लिमिटेड के शेयर ने 96 के लेवल से निवेशकों की पूंजी में 200 फीसदी का इजाफा कर दिया है और उन्हें मालामाल कर दिया है. आरईसी लिमिटेड और पीएनबी ने एक करार किया है जिसके तहत पावर सेक्टर और इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ लॉजिस्टिक्स सेक्टर के प्रोजेक्ट को फाइनेंस करने का काम करेंगे.

REC लिमिटेड और पीएनबी ने कंसोर्सियम अरेंजमेंट के तहत इंफ्रा प्रोजेक्ट की फाइनेंसिंग करने का करार किया है.

अगले 3 साल में आरईसी लिमिटेड और पीएनबी मिलकर 55000 करोड रुपए के लोन की फाइनेंसिंग करने जा रहे हैं. 26 सितंबर को गुरुग्राम में इस बारे में दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए हैं.

आरईसी लिमिटेड एक महारत्न सेंट्रल पीएसयू कंपनी है जो ऊर्जा मंत्रालय के तहत काम करती है. सन 1969 में बनी आरईसी लिमिटेड ने देश के फाइनेंशियल लैंडस्केप में बड़ा बदलाव किया है. कंपनी लंबी अवधि के लोन और पावर सेक्टर की कंपनियों को कई तरह के वित्तीय प्रोडक्ट उपलब्ध कराकर देश में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में काफी मदद कर रही है.

आरईसी लिमिटेड इलेक्ट्रिक व्हीकल, बैट्री स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन आदि के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनियों को भी लोन देती है. REC लिमिटेड ने पिछले कुछ सालों में नॉन पावर इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में भी अपने पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई किया है. कंपनी रोड और एक्सप्रेसवे, मेट्रो रेल, एयरपोर्ट, आईटी कम्युनिकेशन, सोशल एवं कमर्शियल इंफ्रास्ट्रक्चर, पोर्ट और इलेक्ट्रोनिक वर्क आदि का भी काम का शुरू किया है. कंपनी का लोन बुक 4.1 54 लाख करोड रुपए के पार चला गया है।

चिटफंड कंपनियों की संपत्तियों पर सरकार की निगाह टेढ़ी, छत्तीसगढ़ के निवेशकों के फंसे 38 लाख रुपये वापस कराए

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एजेंसियां)। लोगों को अमीर बनाने या ज्यादा मुनाफा कमाने का लालच देकर उनकी गाढ़ी कमाई हड़पने वाली चिटफंड कंपनियों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने एक्शन लिया है. राज्य सरकार ने 122 निवेशकों के 38 लाख रुपये से ज्यादा की रकम वापस कराई है. राज्य सरकार अब तक 38 करोड़ से अधिक राशि निवेशकों को लौटा चुकी है. सरकार ठगी करने वाली चिटफंड कंपनियों की सम्पत्तियों को चिन्हित कर कुर्क कर रही है. वहीं, चिटफंड कंपनी माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड की खिलौरा स्थित जमीन को सरकार जल्द ही नीलाम करेगी.

चिटफंड कंपनियों की सम्पत्ति कुर्क कर रही सरकार

मध्य प्रदेश सरकार चिटफंड कंपनियों और लोगों को मोटा मुनाफा देने का वादा करने वाली कंपनियों पर सख्ती बढ़ा दी है. ठगी करने वाली चिटफंड कंपनियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है. ऐसी कंपनियों की सम्पत्तियों को कुर्क कर निवेशकों को राशि लैटाई जा रही है. मध्य प्रदेश सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मजबूत इरादों के कारण यह संभव हुआ है कि चिटफंड कंपनी में निवेश करने वालों को उनकी डूबी रकम वापस मिल रही है.

122 निवेशकों के फंसे 38 लाख रुपये मिले

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के ऑफिशयल हैंडल से शेयर सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वर्चुअल कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के बेमेतरा और कोरिया जिले के 122 निवेशकों को 38 लाख 40 हजार 784 रुपये की राशि लौटाई गई है. वहीं, राज्य सरकार ने चिटफंड कंपनी माइक्रो फाइनेंस लिमिटेड की खिलौरा स्थित जमीन को जब्त किया था, अब इस संपत्ति को जल्द ही नीलाम कर निवेशकों के पैसे लौटाने की प्रक्रिया शुरू होने की संभावना है.

अब तक 38 करोड़ रुपये निवेशकों को लौटाए गए

सरकारी आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में अब तक 38 करोड़ 8 लाख 67 हजार रुपये चिटफंड निवेशकों को लौटाए जा चुके हैं. इससे पहले फरवरी 2023 में चिटफंड कंपनियों में निवेश करने वाले दुर्ग जिले के 3 हजार 274 निवेशकों को 2 करोड़ 56 लाख रुपए की राशि लौटायी गई थी. जबकि, दुर्ग जिले में कंपनियों के नाम पर लोगों ठगने वाले 134 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है.

शिवराज की सियासत पर कमलनाथ की चालाकी भारी!

फिर भी मोदी फैक्टर भाजपा की मदद कर सकता है

भोपाल, 27 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मध्य प्रदेश के चुनाव में बहुत ही कांटे के की टक्कर होने जा रही है। सत्ताधारी बीजेपी के लिए पिछले कार्यकाल के कामकाज को लेकर मतदाताओं की नाराजगी एक चुनौती है, लेकिन मोदी फैक्टर पार्टी को मदद कर सकता है। कांग्रेस का दलित-आदिवासी गेम काम करता दिख रहा है। पार्टी ओबीसी वोटों को लुभाने की कोशिश में भी जुटी है। हालांकि, बीजेपी की संगठनात्मक क्षमता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर शहरों और मालवा क्षेत्र में।

राजनीति विज्ञानी वेन विलकॉक्स ने मध्य प्रदेश को 'विभिन्न राज्यों के बचे हुए हिस्सों को एक विषम इकाई में मिलाकर बनाया गया एक संग्रह' बताया था। उन्होंने कहा था कि 'भारत में किसी भी राज्य में एकता के आधार कम नहीं हैं।' चुनाव प्रचार गति पकड़ने के साथ ही यह सवाल उठता है कि बीजेपी या कांग्रेस में से किसके पास अधिक प्रभावी सामाजिक गठबंधन है? वर्ष 2000 में मध्य प्रदेश के विभाजन तक, राज्य को पारंपरिक रूप से चार अलग-अलग क्षेत्रीय इकाइयों का एक ढीला-ढाला समूह माना जाता था। पहला, मालवा पठार की ओर मध्य-पश्चिम मध्य भारत क्षेत्र। दूसरा, उत्तर-पूर्वी विंध्य प्रदेश क्षेत्र, जो उत्तर प्रदेश से सटा हुआ है और विंध्य पर्वतों से जुड़ा है। तीसरा, दक्षिणी महाकौशल क्षेत्र, जो महाराष्ट्र से सटे एक खनिज संपन्न इलाका है। और चौथा, दक्षिण-पूर्वी छत्तीसगढ़ क्षेत्र, जिसे बाद में एक अलग राज्य में विभाजित कर दिया गया था।

पहला, जब 1956 में राज्य का गठन हुआ था, उस समय दो-तिहाई से अधिक विधानसभा क्षेत्र पूर्ववर्ती रियासतों में स्थित थे। मध्य प्रदेश का राजनीतिक इतिहास पर कांग्रेस का वर्चस्व रहा है, जो पूर्व रियासतों के कुलीन वर्ग और पारंपरिक जमींदार जातियों से जुड़ी रही है।

दूसरा, पारंपरिक कुलीनों को साथ मिलाने का मतलब था कि मध्य प्रदेश की राजनीति कांग्रेस की व्यापक छत्रछाया में गहन गुटबाजी की तर्ज पर विकसित हुई। पूर्व मुख्यमंत्रियों डीपी मिश्रा और एससी शुक्ला जैसे गुटबाज नेता उप-क्षेत्रीय कांग्रेस इकाइयों पर हावी थे और प्रमुख पार्टी के भीतर सत्ता का एक नाजुक संतुलन बनाए रखते थे। कांग्रेस ने अपने गठन के बाद से लगभग लगातार वर्ष 2000 से पहले तक के संयुक्त मध्य प्रदेश पर शासन किया। दो छोटे अपवाद 1977-80 का जनता काल और 1990-92 की संक्षिप्त भाजपा सरकार की अवधि थी।

तीसरा, मध्य प्रदेश में उच्च जातियों का वर्चस्व उत्तर प्रदेश और बिहार की तुलना में भी अधिक गहरा था। सुधा पई के अनुसार, यह वर्चस्व इसलिए संभव हो पाया क्योंकि आजादी से पहले कांग्रेस ने पूर्ववर्ती रियासतों में राजनीतिक लामबंदी नहीं की। इस कारण, 1967 तक कांग्रेस सरकारों में 66% से 86% राज्य स्तरीय मंत्री उच्च जातियों के थे।

1990 के दशक में उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे उत्तरी राज्यों की राजनीति को बदलने वाली मंडल राजनीति की लहर से मध्य प्रदेश अपेक्षाकृत अछूता रहा। इसके दो कारण थे-

पहला, मध्य प्रदेश में ओबीसी की लगभग 40% जनसंख्या है, लेकिन वहां यादवों, कुर्मियों और जाटों जैसी प्रमुख कृषि जाति की कमी है। कोई भी मध्यवर्ती ओबीसी जाति, राज्य की जनसंख्या का 5% से अधिक हिस्सा नहीं रखती है। यादव 4%, कुर्मी 2.5% और जाट वर्ष 2000 के बाद की राज्य की जनसंख्या के

0.3% हैं। प्रदेश में ओबीसी जातियां हुई हैं, इस कारण राजनीति में उनका प्रभावी समूह बनना कठिन हो जाता है।

दूसरा, दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने 1990 के दशक में मध्य प्रदेश में पूरी तरह सोच-समझकर 'चरमपंथियों के गठबंधन' की रणनीति बनाई। इस रणनीति ने ओबीसी को दरकिनार कर दिया और उच्च जातियों, विशेष रूप से राजपूतों को दलित और आदिवासी मतदाताओं के साथ लाया। कांग्रेस ने तब दलितों और आदिवासियों को संरक्षण और विशेष रियायतों के जरिए लुभाया । यह प्रभावी लामबंदी का एक शानदार उदाहरण था क्योंकि 14 प्रतिशथ दलित और 21 प्रतिशत आदिवासी मिलकर राज्य की जनसंख्या का एक तिहाई से अधिक हिस्सा रखते हैं। इस प्रकार, दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस ने लगातार दो बार जीत हासिल की, जबकि मंडल और मंदिर राजनीति के कारण 1990 के दशक में उत्तरी भारत के अधिकांश हिस्सों में पार्टी का सफाया हो गया था।

दिग्विजय सिंह के कार्यकाल का अंत क्यों हुआ और उनकी जगह शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार क्यों आई? इसका जवाब दो भागों में दिया जा सकता है।

पहला, मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दलितों और आदिवासियों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कुछ प्रशंसनीय काम किए, लेकिन उन्होंने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसे सड़क और बिजली की बिगड़ती स्थिति की समस्या को काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया। बीजेपी ने 2003 में 'बिजली सड़क पानी' के नारे पर चुनाव जीता था।

दूसरा, कांग्रेस को उस चुनाव में ओबीसी के गुस्से का भी सामना करना पड़ा था। ओबीसी को कांग्रेस का दलितों और आदिवासियों के प्रति झुकाव पसंद नहीं आया और उन्होंने उमा भारती और बाद में चौहान जैसे ओबीसी नेताओं के नेतृत्व वाली बीजेपी की ओर रुख किया। संख्यात्मक रूप से मजबूत ओबीसी के बीच बीजेपी ने 2003 में 50% वोट जीते, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 26% वोट मिले। बीजेपी के पक्ष में ओबीसी का मजबूत एकीकरण बताता है कि पिछले दो दशकों में पार्टी राज्य की राजनीति पर क्यों हावी रही है।

इसके अलावा, चौहान ने किसानों के व्यापक चुनावी क्षेत्र के तहत ओबीसी को लामबंद किया। यह चुनावी रूप से समझदारी भरा कदम था क्योंकि इस राज्य में अपेक्षाकृत पिछड़ों की आधी से अधिक आबादी खेती-किसानी में लगी हुई है। अशोक गुलाटी एवं अन्य अर्थशास्त्रियों के 2017 के एक रिसर्च पेपर के अनुसार, चौहान सरकार के नीतिगत हस्तक्षेपों-विस्तारित सिंचाई, भूजल सिंचाई के लिए विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, बेहतर खरीद प्रणाली और ग्रामीण सड़कों में निवेश आदि ने राज्य के कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय सुधार किया। 2007-15 की अवधि में कृषि सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 10.9% प्रति वर्ष की वृद्धि हुई, जो भारत में सबसे अधिक और राष्ट्रीय औसत 4.3% से काफी अधिक है।

2018 के बाद के चरण में मध्य प्रदेश की राजनीति को एक प्रतिस्पर्धी दौर के रूप में देखा जा सकता है, जिसमें न तो बीजेपी और न ही कांग्रेस एक प्रमुख राजनीतिक गठबंधन बनाने में सक्षम रही है। कृषि विकास धीमा हुआ है और किसानों की आय ठप हो गई है, जबकि स्वास्थ्य के पैमाने पर एमपी की स्थिति देश में सबसे खराब है। ओबीसी अब बीजेपी के पक्ष में मजबूती से खड़े नहीं दिखते हैं। मौजूदा सीएम गुटबाजी बढ़ने के कारण काफी कमजोर हो गए हैं, औरकमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ज्यादा आरक्षण देने जैसे वादे से ओबीसी पर खूब डोरे डाल रही है।

बीजेपी को पिछले चुनाव में ही दलित और आदिवासी मतदाताओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। 2018 के चुनावी सर्वेक्षणों के अनुसार, कांग्रेस ने आदिवासियों के बीच बीजेपी को 10 प्रतिशत और दलितों के बीच 16 प्रतिशत वोटों के अंतर से हराया था। ओपिनियन पोल में इस बार बीजेपी-कांग्रेस में बेहद कड़ी टक्कर के संकेत मिल रहे हैं। कांग्रेस को मामूली बढ़त मिलती दिख रही है। दो दशकों का कार्यकाल के बोझ से बीजेपी थकी-हारी दिखने लगी है। उधर कांग्रेस पार्टी दुर्लभ एकता में काम कर रही है और जोश से लबालब है।

हालांकि, मध्य प्रदेश में बीजेपी-आरएसएस संगठन मजबूत बना हुआ है। भाजपा अभी भी शहरी निर्वाचन क्षेत्रों और अपने पारंपरिक गढ़ मालवा क्षेत्र में बहुत ताकतवर है। अंत में, राज्य में प्रधानमंत्री मोदी की अपार लोकप्रियता को देखते हुए मध्य प्रदेश में भाजपा को हटाना निश्चित रूप से आसान काम नहीं होगा।

हल की मूठ पर हथेली अपनी और फसल ठाकुर की!

राजद सांसद मनोज झा की 'जात वाली बात' पर सियासी संग्राम

पटना, 27 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राज्यसभा में आरजेडी सांसद मनोज झा की कही गई एक कविता पर बिहार में सियासी संग्राम छिड़ गया है। जात की इस बात ने माहौल को हद से ज्यादा गरम कर दिया है। बड़ी बात ये है कि मनोज झा के इस बयान पर उन्हीं की पार्टी के नेता विधायक भड़क गए हैं।

आरजेडी सांसद मनोज झा ने राज्यसभा में एक कविता कह कर बिहार की राजनीति में तूफान खड़ा कर दिया है। उन्होंने एक कविता के जरिए ठाकुर यानी राजपूतों को लेकर बयान दिया। इसके बाद उनकी ही पार्टी के आनंद मोहन और विधायक चेतन आनंद हत्थे से उखड़ गए। बीजेपी विधायक तो मारपीट तक की बात करने लगे हैं। पहले पढ़िए कि राज्यसभा में मनोज झा ने आखिर ऐसी क्या कविता कह डाली। दरअसल मनोज झा ने एक कविता सुनाई, सदन में सुनाई गई इस कविता के बोल थे 'चूल्हा मिट्टी का, मिट्टी तालाब की, तालाब ठाकुर का। भूख रोटी की, रोटी बाजरे की, बाजरा खेत का, खेत ठाकुर का। बैल ठाकुर का, हल ठाकुर का, हल की मूठ पर हथेली अपनी लेकिन फसल ठाकुर की। कुआं ठाकुर का, पानी ठाकुर का, गली मोहल्ले ठाकुर के, खेत खलिहान ठाकुर के। फिर

अपना क्या, गांव, देश शहर? मैं फिर से क्लियरफाई करता हूं। वो ठाकुर मैं भी हूं, वो ठाकुर संसद में है। वो ठाकुर विश्वविद्यालयों में है। वो ठाकुर विधायिका को कंट्रोल करता है। इस ठाकुर को मारो, जो हमारे अंदर है।'

मनोज झा पर हत्थे से उखड़े आनंद मोहन

इसके बाद तो आनंद मोहन अपनी ही पार्टी आरजेडी के राज्यसभा सांसद मनोज झा पर गरम हो गए। उन्होंने एक टीवी न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि 'महिला बिल के सवाल पर लोगों ने सिर्फ भाषण दिए हैं। आनंद मोहन का खून बहा है, लवली आनंद की गिरफ्तारी हुई है। बातें चल रही थीं महिला बिल पर और बात शुरू हो गई ठाकुरों पर। कहां से बीच में आ गया ठाकुर। जो लोग कहते हैं कि अपने अंदर के ठाकुर को मारो। मैं कहता हूं कि अपने अंदर के ब्राह्मण को मारो, जो पूरे देश को संचालित कर रहा है। मैं खुद कविता लिखता हूं, एक कविता पेश कर सकता हूं। संदर्भ कुछ है, कहीं पर निगाहें और कहीं पर निशाना। आप क्यों नहीं बोलते कि जब चेतन आनंद ने कहा कि हमारा सबसे ज्यादा बलिदान है तो वो गलत नहीं कहा। हमने अखंड भारत की स्थापना एक बार नहीं कई बार की। वो दिल्ली यूनिवर्सिटी में इतिहास पढ़ाते होंगे। हम इतिहास गढ़ते हैं। हमने तो रजवाड़े, रियासतें और जमीनें तक छोड़ दीं। आप पहले अपने अंदर के ब्राह्मण को मारें।'

आनंद मोहन के बेटे और शिवहर विधायक चेतन आनंद ने मनोज झा को खूब कोसा है। उन्होंने कहा है कि 'अगर आपको खून की जरूरत पड़ गई तो क्या आप ये देखेंगे कि खून ठाकुर का है, नहीं लेंगे। ठाकुर का टाइटिल समझते हैं? ठाकुर होता है देनेवाला। हमलोग तो भगवान श्रीकृष्ण को भी ठाकुर बोलते हैं। चले हैं ठाकुर मारने। हम तो चेतन आनंद लिखते हैं, आप क्यों मनोज झा लिखते हैं। ये ऐसे नहीं चलता। जब जब ऐसी बात आएगी, कहीं भी आएगी, किसी के द्वारा आएगी। चाहे वो मेरी पार्टी का ही क्यों न हो, हम विरोध करेंगे।

मैं होता तो मुंह तोड़ देता-नीरज बबलू

भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री नीरज सिंह बबलू ने कहा कि 'मैं होता तो इस तरह की बयानबाजी करने वालों का मुंह तोड़ देता। आरजेडी लोगों को बांटने की कोशिश कर रही है। जात से जात को फिर से लड़ाने की साजिश हो रही है। ठाकुरों ने देश की रक्षा की, आजादी की लड़ाई में साथ दिया। भारत को आजाद कराया। ठाकुरों ने ही भारत की संस्कृति बचाई वरना भारत का नाम मुगलिस्तान होता।'

बाय बाय मॉनसून... कहीं खुशी, कहीं गम

इस बार देश में कहां, कितनी हुई बारिश

नई दिल्ली, 27 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। देश से मॉनसून की विदाई शुरू हो गई है। आधिकारिक रूप मॉनसून का सीजन 30 सितंबर को खत्म हो जाएगा। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल है कि आखिर इस बार का मॉनसून कैसा रहा। मॉनसून में बारिश कितनी हुई? क्या यह सामान्य मॉनसून था? कहीं इस बार कुछ इलाकों में बारिश कम होने से सूखे की स्थिति तो नहीं रहेगी। मौसम विभाग के आकंड़ों का विश्लेषण करने पर कुछ चीजें निकल कर आती हैं। मौसम विभाग के अनुसार इस बार बारिश कुल मिलाकर कम ही हुई है। देशभर में मॉनसून सीजन में 25 सितंबर तक लगभग 800 मिलीमीटर बारिश हुई है। सामान्य तौर पर इस दौरान 843.2 मिलीमीटर बारिश होती है। मॉनसून के दौरान अब तक 6% कम बारिश हुई है।

आईएमडी के डेटा के अनुसार देश में 25 सितंबर तक 799 मिलीमीटर बारिश हुई। यह 1961 से 2010 के औसत से करीब 4 प्रतिशत कम है। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार साल 1901 से यह 36वां सबसे कम बारिश का सीजन रहा है। 1961 से लेकर 2010 तक पूरे सीजन में बारिश का औसत 853.7 मिलीमीटर रहा है। इसका मतलब है कि देश को आखिर के 5 दिन में रोजाना औसत 10.9 मिलीमीटर बारिश की जरूरत है। जबकि इस महीने की बारिश का डेली एवरेज 6.7 मिलीमीटर है। ऐसे में नागपुर में बाढ़ जैसी स्थिति को छोड़ दे तो इस कमी का पूरा होना मुश्किल है। मौसम विभाग ने पहले ही घोषणा कर दी है कि 25 सितंबर से दक्षिण-पश्चिम राजस्थान से मॉनसून की वापसी शुरू हो गई है।

इस बार मॉनसून में कुछ चीजें बिल्कुल ही अलग देखने को मिलीं। जैसे इस साल जून का महीना 1901 के बाद से 49वां सबसे सूखा महीना गुजरा। इस महीने में 5.5% कम बारिश हुई। वहीं, जुलाई में 13.3 प्रतिशत अधिक बारिश हुई। अगस्त इस सीजन का सबसे सूखे महीने के रूप में गुजरा। इस महीने में 34.5% कम बारिश हुई। वहीं, सितंबर में अब तक 17 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार इस बार बारिश के आंकडों से यह पता चलता है कि देश के 27.6 फीसदी हिस्से में 1961 से 2010 के औसत से अलग-अलग हिस्सों में 20 से लेकर 60% कम बारिश हुई है। देश के जिन राज्यों में कम बारिश हुई है उनमें केरल, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के इलाके शामिल हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हिस्सों में भीषण बाढ़ भी देखने को मिली है। इस वजह से देश के 21.7 फीसदी हिस्से में सरप्लस बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के डेटा के अनुसार देश के 45% इलाकों में ना तो बहुत कम बारिश हुई और ना ही अधिक बारिश हुई।

मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून सीजन की अवधि सामान्य रूप से 4 महीने की होती है। मॉनसून एक जून को सबसे पहले केरल में एंट्री लेता है। इसमें 2 से 4 का दिन अंतर हो सकता है। इसके बाद यह दक्षिण भारत की तरफ बढ़ते हुए हुए पंजाब, हरियाणा और आखिर में राजस्थान पहुंचता है। सितंबर महीने से मॉनसून की वापसी की शुरू हो जाती है। मॉनसून की वापसी की शुरुआत दक्षिण-पश्चिम राजस्थान से शुरू होती है। इसके बाद यह जम्मू कश्मीर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र से होकर पूरे देश से विदा लेता है। मौसम विभाग के अनुसार मॉनसून विदाई की प्रक्रिया सामान्य रूप से 15 अक्टूबर तक पूरी हो जाती है।

बीजेपी-कांग्रेस के बीच छिड़ा वीडियो वॉर

सीएम भूपेश ने जारी किया मोदी-अडानी का वीडियो, लिखा-वाह क्या गाया है, जवाब में भाजपा का ईडी-ईडी सॉन्ग

रायपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी के एनिमेटेड किरदार को एक-दूसरे के साथ डांस करते दिखाया है। जवाब में बीजेपी ने भी ईडी-ईडी सॉन्ग जारी किया है।

कांग्रेस की तरफ से जारी वीडियो में बैकग्राउंड में एक गाना बजाया गया है। हमें तो लूट लिया.. सॉन्ग पर मशहूर कव्वाली की पैरोडी तैयार की है। वतन को लूट लिया मिलकर बीजेपी और अडानी वालों ने.. काले दिल वालों ने खोटी नियत वालों ने... इस पर भूपेश बघेल ने लिखा है कि वाह क्या गाया है।

2 मिनट 16 सेकंड के वीडियो में नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी के कैरेक्टर को गाते दिखाया गया है। उनके सामने राहुल गांधी और मल्लिका अर्जुन खड़गे के कैरेक्टर तंज कसते दिख रहे हैं।

बॉलीवुड सॉन्ग इलू-इलू की तर्ज पर ईडी-ईडी नाम का एक गाना रिलीज किया गया है। वीडियो में शराब घोटाला, खनिज घोटाला मामले में आरोपी बनाए गए तमाम चेहरे दिखाई दे रहे हैं। ईडी के अफसर बने कलाकार उन्हें दौड़ा रहे हैं। कांग्रेसी बने एक्टर छिपे फिरते दिख रहे हैं।

जवाब में बीजेपी की तरफ से जारी वीडियो में फिल्म 3 इडियट के मशहूर इंटरव्यू वाले सीन का इस्तेमाल किया गया है। असल सीन की वॉइस हटाकर छत्तीसगढ़ के एक गरीब युवा की कहानी दिखाई गई है जो पीएससी का इंटरव्यू देने पहुंचा है। कांग्रेस की ओर से जारी एक और वीडियो में मोदी और राहुल को फिल्म दीवार के मशहूर सीन को एनिमेशन के साथ दिखाया गया है। जो बातें फिल्म में अमिताभ बच्चन और एक्टर शशि कपूर के बीच हुईं। वो सियासी अंदाज में राहुल गांधी और मोदी के कार्टून में होती दिख रही हैं। मोदी कहते हैं मेरे पास ईडी है, सीबीआई है, क्या है तुम्हारे पास, राहुल कहते हैं देश की जनता का प्यार। एक दूसरे पर आरोप लगाना, प्रेस कॉन्फ्रेंस लेना, भाषण देना, बयान देना यह सब तो सियासी दल कर रहे हैं। इस बार क्रिएटिव अंदाज में बीजेपी और कांग्रेस ने एनिमेटर और फिल्मेकर्स को काम दिया है। स्थानीय स्तर पर काम करने वाले कलाकारों को भी मौका दिया गया है। जानकारों का मानना है कि छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया यूजर हैं।

1 लाख रु की रिश्वत लेते डॉक्टर

नौकरी लगाने के नाम पर पैसे लेते कैमरे में कैद, पीड़ित बोला- कर्ज लेकर दिए रुपए

सूरजपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सूरजपुर में एक डॉक्टर का रिश्वत लेने का वीडियो सामने आया है। आरएमए (ग्रामीण चिकित्सा सहायक) विकास मिंज नौकरी लगवाने के नाम पर ग्रामीण से 1 लाख 20 हजार रुपए लेते कैमरे में कैद हो गए। हीरा पैंकरा के मुताबिक कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर बेटी की नौकरी लगवाने उसने कर्ज लेकर पैसे दिए हैं। शिकायत के बाद सीएमएचओ ने दोषी पाए जाने पर डॉक्टर को सस्पेंड करने की बात कही है। हीरा के मुताबिक पैसे लेने के लिए डॉक्टर खुद उसके घर पहुंचा था, तभी घर के सदस्यों ने वीडियो बना लिया। विकास मिंज को ये कहते हुए साफ सुना जा सकता है ''नहीं होगा न तो पैसा वापस हो जाएगा। उसके साथ एक अन्य व्यक्ति नजर आ रहा है, जो ड्रेसर भगवान दास है। विकास हीरा के घर आंगन में कुर्सी पर बैठा है और उसके हाथ में 500-500 रुपए के 2 बंडल और 200 रुपए का एक बंडल है। इस बीच ग्रामीण हीरा पैंकरा और उसकी बेटी कशीला डॉक्टर से कहते हैं कि पूरी कोशिश कीजिएगा कि नौकरी लग ही जाए। शिकायत पर सूरजपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि मामला अति संवेदनशील है। मैं तत्काल इसकी जांच के आदेश देता हूं। बीएमओ डॉ. विजय सिंह के मुताबिक 'मैं अपने इलाज के लिए बनारस आया हुआ हूं।

वायरल वीडियो के बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद मैंने आरएमए से फोन पर चर्चा की और उसे फटकारा है। आरएमए ने पैसे लेने की बात स्वीकार की है और इसे पुराना मामला बताया है। वापस आने के बाद मैं आगे की कार्रवाई करूंगा। 10 दिन पहले जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा जनपद पंचायत में पटवारी शोभाराम पांडेय का किसान से रिश्वत मांगते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था। एसडीएम विक्रांत अंचला ने जांच में दोषी पाए जाने पर पटवारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। जानकारी के मुताबिक, पीपरसत्ती गांव का रहने वाला किसान नारायण सिंह बरगाह (49) केसीसी लोन निकालने के लिए दस्तावेज पर पटवारी शोभाराम पांडेय के हस्ताक्षर लेने के लिए गया था।

चारा घोटाला मामला, लालू यादव को मिले अधिकतम सजा

देवघर कोषागार मामले में सीबीआई का सजा बढ़ाने का अनुरोध, हाईकोर्ट में दिसंबर में सुनवाई

रांची, 27 सितंबर (एजेंसियां)। चारा घोटाले मामले में देवघर कोषागार से अवैध निकासी की गयी थी। इस मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव समेत अन्य को तीन से छह साल तक की सजा सुनाई गई है। इस सजा को बढ़ाने को लेकर सीबीआई हाईकोर्ट पहुंची है। सीबीआई की ओर से याचिका दायर की गयी है। आज इस दायर याचिका पर आंशिक सुनवाई हुई। सुनवाई जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अदालत में हुई। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई के लिए दिसंबर में समय निर्धारित किया है। अदालत ने दिसंबर के दूसरे सप्ताह में सुनवाई की बात कही है। देवघर कोषागार से अवैध

निकासी मामले में राजद सुप्रीमो लालू यादव सहित कुल छह लोगों को सजा सुनाई गई है। इन्हें तीन से छह साल तक की सजा मिली है। जिन छह आरोपियों को सजा मिली है उनमें तीन की मौत हो चुकी है। ये फूलचंद सिंह, आरके राणा और अन्य हैं। पूर्व में कोर्ट ने दो सजायाफ्ता फूलचंद सिंह और आरके राणा का नाम इस केस से हटाने का आदेश दिया था। जिसमें हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कोर्ट को बताया गया था कि फूलचंद सिंह और आर के राणा की मौत हो गई है। फिलवक्त देवघर कोषागार से अवैध निकासी मामले में मिली सजा को सीबीआई कम मानते हुए अधिकतम सजा देने का अनुरोध अदालत से किया है। इस मामले में अभी जीवित आरोपी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, नौकरशाह बेक जूलियस और सुबीर भट्टाचार्य हैं।

जंगल में रहने वालों को मिलेगा अधिकार

रांची, 27 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में जंगल पर निर्भर रहने वालों के लिए सरकार बड़ा फैसला ले रही है। अक्टूबर से अबुआ वीर दिशोम वनाधिकार अभियान चलेगा।

इस योजना के माध्यम से सरकार कैंप लगा कर लोगों को वनपट्टा देगी। सरकार ने इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, राज्य सरकार वन पट्टा हासिल करने के योग्य हर व्यक्ति को उसका हक मिलेगा सरकार इसके लिए पूरी तरह संकल्पित है काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों को तेजी से अभियान चलाने और वन अधिकार के प्रति लोगों को जागरुक करने और उनके अधिकार देने का निर्देश दिया है।

हिन्दू फोरम की पन्नू पर कार्रवाई की मांग

कहा- खालिस्तानी आतंकी की एंट्री पर बैन लगे, उसकी धमकियों का बच्चों पर गलत असर

ओटावा, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा में रह रहे खालिस्तानी आतंकी और सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के प्रमुख गुरुपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ हिन्दू फोरम कनाडा ने कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फोरम के वकील पीटर थॉर्निंग ने कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर से पन्नू की एंट्री पर बैन लगाने की अपील की है।

थॉर्निंग ने अपने खत में बताया कि पन्नू की धमकियों की वजह से न केवल हिन्दुओं को बल्कि बहुत सारे कनाडाई समुदाय के लोगों में भी डर का माहौल है। इसके बाद उन्होंने पन्नू पर हिन्दुओं के खिलाफ नफरत फैलाने के आरोप में कार्रवाई करने और उसके कनाडा आने पर बैन लगाने की मांग की।

थॉर्निंग ने अपने लेटर में आगे लिखा है कि कनाडा को किसी भी खास समुदाय के खिलाफ हिंसा भड़काने की कोशिशों को स्वीकार न करते हुए सख्त एक्शन लेना

चाहिए। खत में हिन्दू फोरम ने बताया है कि कैसे पन्नू के वीडियो का गलत असर न केवल बड़े लोगों पर बल्कि स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले बच्चों पर भी पड़ रहा है।

थॉर्निंग ने कहा है कि इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए ये जरूरी है कि कनाडा ऐसे भाषणों को नजरअंदाज न करे। फोरम ने ये भी कहा है कि अगर वीडियो बनाते वक्त पन्नू कनाडा में ही था तो उस पर हिंसा भड़काने की कोशिश करने के आरोप में पूछताछ और सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। थॉर्निंग ने बताया कि पन्नू और उसके सहयोगी सोशल मीडिया पर लगातार एक वीडियो शेयर कर रहे हैं, जिसमें सभी हिन्दुओं को कनाडा छोड़कर भारत जाने के लिए कहा जा रहा है। पन्नू ने हिन्दू समुदाय के लोगों पर आरोप लगाया है कि वो उसी देश के खिलाफ काम कर रहे हैं, जहां रहकर उनका गुजारा होता है। दरअसल, करीब एक हफ्ते पहले पन्नू ने वीडियो जारी करके भारतीय मूल के हिंदुओं को कनाडा छोड़कर वापस जाने की धमकी दी थी। वीडियो में उसने कहा था कि हिंदुओं का देश भारत है और वे कनाडा को छोड़कर इंडिया लौट जाएं। कनाडा में वही सिख रहेंगे, जो खालिस्तान समर्थक हैं। पन्नू ने ये भी कहा था कि खालिस्तान समर्थक सिख हमेशा कनाडा के लिए वफादार रहे हैं और देश के कानूनों और संविधान का पालन करते हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद कनाडा के रक्षा मंत्री डोमिनिक लोबलांक ने आतंकी पन्नू को नसीहत दी थी। उन्होंने कहा था- कनाडा में नफरत फैलाने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। सभी कनाडाई देश में सुरक्षित महसूस करने के हकदार हैं। हिंदू कैनेडियन को निशाना बनाने वाली वीडियो कैनेडियन सिद्धांतों के उलट है। हमले, नफरत, डराना या डर का माहौल पैदा करने वाली कार्रवाइयों की यहां कोई जगह नहीं है। थॉर्निंग ने कनाडाई प्रशासन को भारत के साथ गहरे संबंधों की याद दिलाई, जो खालिस्तानी तत्वों के कारण राजनीति में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि पन्नू एक घोषित आतंकवादी है। उसका संगठन एसएफजे भारत में प्रतिबंधित है।

उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत के बीच लंबे समय से द्विपक्षीय संबंध हैं, जो लोकतंत्र, मजबूत पारस्परिक संबंधों की साझा परंपराओं पर आधारित हैं। कनाडा वो देश है जहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं।

इराक में मैरिज हॉल में लगी आग, 113 की मौत

150 से ज्यादा घायल, हॉल के अंदर आतिशबाजी की वजह से आग लगी, रेस्क्यू जारी

बगदाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। इराक में बुधवार को एक मैरिज हॉल में आग लगने से 113 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इस हादसे में दूल्हा और दुल्हन भी घायल हो गए हैं।

एक अधिकारी ने बताया कि आग इराक के निनेवे प्रांत के हमदानिया इलाके में लगी है। अभी तक आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है। हालांकि, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि आतिशबाजी के बाद मैरिज हॉल में आग लगी है। जब आग लगी तो यहां करीब 1,000 लोग मौजूद थे।

रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची

आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। घटनास्थल में फंसे लोगों को निकाला जा रहा है। मैरिज हॉल पूरी तरह से खंडहर बन चुका है। रेस्क्यू टीम यहां से शवों को निकाल रही है।

इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने अधिकारियों से लोगों को जल्द से जल्द मदद मुहैया कराने का निर्देश दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच करने के आदेश दिए हैं।

जुलाई 2021: कोविड अस्पताल में आग लगने से 58 लोगों की मौत

इराक के दक्षिणी शहर नसीरिया में 13 जुलाई 2021 को अल-हुसैन कोविड हॉस्पिटल में आग लग गई थी। इसमें 2 स्वास्थ्यकर्मियों समेत 58 लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आग कोविड वार्ड में एक ऑक्सीजन टैंक में विस्फोट की वजह से लगी। मरने वाले लोगों को इराक के नजफ में दफनाया गया। इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने वरिष्ठ मंत्रियों की बैठक बुलाई। इसमें नसीरिया हॉस्पिटल के सुरक्षा प्रबंधकों को सस्पेंड करने और उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया था।

अप्रैल 2021: कोरोना अस्पताल में आग लगने से 82 लोगों की मौत

अप्रैल 2021 में इराक के बगदाद में कोविड अस्पताल में आग लगने से 82 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में 100 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अस्पताल प्रबंधन ने बताया था कि यहां अचानक शॉर्ट-सर्किट हुआ, जिससे आग लग गई। आग लगने से पास ही रखा ऑक्सीजन टैंक फट गया और आग पूरे अस्पताल में फैल गई।

सिंध प्रांत में बच्चों को मिला रॉकेट शेल

खिलौना समझ ले आए घर धमाके से आठ की मौत

कराची, 27 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में बुधवार को एक घर में रॉकेट लॉन्चर का शेल फटने से एक ही परिवार के चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। काशमोर-कंधकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रोहिल खोसा ने बताया कि बच्चे मैदान में खेल रहे थे, तभी उन्हें एक रॉकेट शेल मिला, जिसे वे खिलौना समझकर घर ले आए। घर में बच्चे उससे खेल रहे थे, तभी वह फट गया। धमाके में परिवार के चार बच्चों, दो महिलाओं और एक पुरुष सहित आठ लोगों की जान चली गई। एसएसपी ने बताया कि सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है। जांच जारी है। सिंध के मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति मकबूल बकर ने प्रांतीय महानिरीक्षक से इस मामले की रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में बताया जाए कि प्रांत के काशमोर जिले की कंधकोट तहसील के जांगी सुब्जवाई गोथ गांव में एक रॉकेट लॉन्चर कैसे पहुंचा।

उन्होंने पूछा है कि क्या कच्चे इलाकों में तस्करी कर लाए जा रहे हथियारों का कोई जखीरा था? क्या गोठ गांव में डकैतों को समर्थन करने वाले लोग मौजूद हैं? घटना पर दुख व्यक्त करते हुए बकर ने महानिरीक्षक को घटना की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

जयशंकर बोले- कनाडा में हिंसा को बढ़ावा मिल रहा

कहा- हमारे डिप्लोमैट्स को धमकाया जाता है और वो इसे लोकतंत्र कहकर सही ठहराते हैं

न्यूयॉर्क, 27 सितंबर (एजेंसियां)। यूएन को संबोधित करने के बाद मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डिस्कशन एट काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशन्स में कई सवालों के जवाब दिए। इस दौरान उन्होंने कनाडा के साथ तनाव के अलावा चीन, रूस और मणिपुर हिंसा जैसे मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। जयशंकर ने कहा कनाडा में अलगाववादी ताकतों, हिंसा और उग्रवाद से जुड़ा अपराध पनप रहा है।

जयशंकर ने कहा- कनाडा में हमारे डिप्लोमैट्स को डराया-धमकाया जाता है, हमारे कॉन्सुलेट पर हमले होते हैं। इन सबको ये कहकर सही ठहरा दिया जाता है कि लोकतंत्र में यही होता है। यदि कोई ऐसी घटना है जो एक परेशानी का मुद्दा है और कोई मुझे एक सरकार के रूप में कुछ जानकारी देता है, तो मैं उस पर जरूर गौर करूंगा। जयशंकर ने इस बात पर भी चिंता जताई कि कनाडा राजनीतिक कारणों से इन मामलों में बहुत ढिलाई दे रहा है। विदेश मंत्री ने बताया- भारत ने कनाडा को अपराधों और आतंकियों पर बहुत सारी जानकारी दी है और कई लोगों की प्रत्यर्पण की भी रिक्वेस्ट की है।

हमने उन्हें कनाडा से ऑपरेट होने वाले संगठित अपराध और इसके लीडर्स के बारे में बहुत सारी जानकारी दी है। ऐसे कई आतंकियों के सरगना हैं, जिनकी

पहचान की गई है। भारत पर निज्जर की हत्या के आरोपों को लेकर जयशंकर ने कहा- हमने कनाडा को बताया है कि ये भारत सरकार की पॉलिसी नहीं है।

जयशंकर बोले- कनाडा हमें आरोपों के सबूत दे

जयशंकर ने आगे कहा- फिर भी अगर उनके पास कुछ स्पेसिफिक है तो वो हमें बताएं। बिना पूरी जानकारी के कोई भी कदम नहीं उठाया जा सकता है। दरअसल, कनाडा ने निज्जर की हत्या के आरोपों को लेकर अब तक कोई सबूत नहीं दिखाए हैं। हालांकि, कुछ दिन पहले पीएम ट्रूडो ने कहा था कि वो भारत से हफ्तों पहले सबूत साझा कर चुके हैं। दूसरी तरफ, कनाडा के आरोपों के पीछे फाइव आइज अलायंस के इंटेलिजेंस शेयरिंग की रिपोर्ट पर विदेश मंत्री ने कहा- मैं इस अलायंस का हिस्सा नहीं हूं और न ही मैं एफबीआई में हूं। आप गलत शख्स से सवाल पूछ रहे हैं।

दरअसल, फाइव आइज एक इंटेलिजेंस शेयरिंग अलायंस है, जिसमें कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। पिछले दिनों एनवाईटी ने अपनी रिपोर्ट में पुष्टि की थी कि इस अलायंस ने निज्जर की मौत पर जानकारी इकट्ठा करने के लिए साथ मिलकर काम किया था।

यूएन में कनाडा ने कहा- किसी के राजनीतिक फायदे के लिए लोकतंत्र से समझौता नहीं करेंगे

यूएन में कनाडा के राजदूत बॉब रे ने कहा कि विदेशी हस्तक्षेप की वजह से लोकतंत्र खतरे में हैं इसलिए राजनीतिक फायदे के लिए झुका नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब हम बराबरी के महत्व पर जोर देते हैं, हमें निष्पक्ष और लोकतांत्रिक समाजों के मूल्यों को बनाए रखना होगा। हम किसी के राजनीतिक फायदे के लिए झुक नहीं सकते।

ऐसा देखा जा रहा है कि विदेशी दखल की वजह से लोकतंत्र खतरे में हैं। सच्चाई ये है कि अगर हम उन नियमों का पालन नहीं करते हैं, जिन पर हम सहमत हुए हैं तो हमारे समाज के बुनियादी ढांचे पर असर पड़ेगा। दूसरी तरफ, भारत और चीन के रिश्तों पर बात करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा- मैं 2009 में ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस के तुरंत बाद, 2013 तक राजदूत था। मैंने चीन में सत्ता परिवर्तन देखा और फिर मैं अमेरिका आ गया। यह रिश्ता कभी भी आसान नहीं रहा। इसमें हमेशा कुछ समस्याएं थीं।

जयशंकर ने कहा- चीन के साथ डील करने में एक खास बात यह है कि वे आपको कभी नहीं बताते कि वे कोई भी काम क्यों करते हैं। आप अक्सर इसका पता लगाने की कोशिश करते हैं। इसमें अक्सर कुछ बातें साफ नहीं हो पाती हैं। गलवान हिंसा पर बात करते हुए जयशंकर ने कहा- ऐसे देश के साथ सामान्य रहना कठिन है जिसने कई बार समझौते तोड़े हैं और ऐसी हरकतें की हैं।

फोर्ब्स की '30 अंडर 30 सूची' में शामिल टेक सीईओ अपार्टमेंट में मृत मिलीं

सिर पर कई चोट के निशान

वाशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में 26 साल की एक टेक सीईओ सोमवार को एक अपार्टमेंट में मृत पाई गई हैं। उनके सिर पर चोट के निशान मिले हैं। बाल्टीमोर पुलिस विभाग (बीपीडी) ने बताया कि ईकोमैप टेक्नोलॉजीज कंपनी की सह संस्थापक पावा लापरे डाउनटाउन बाल्टीनोर अपार्टमेंट में मरी हुई मिलीं। इस मामले में एक 32 वर्षीय युवक पर शक है। पुलिस कमिश्नर रिचर्ड वॉर्ले ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वह जेसन डीन बिलिंगस्ले की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस को सोमवार सुबह करीब साढ़े 11 बजे जानकारी मिली थी।

सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। वहां, लापरे मृत मिलीं। जांच करने पर पाया कि उनके सिर पर कई चोट के निशान थे। रिचर्ड का कहना है कि जेसन खतरनाक अपराधी हो सकता है। उस पर फर्स्ट डिग्री हत्या, हमला, लापरवाही से खतरे में डालने और कई अन्य आरोप हैं। उसके पास हथियार भी हो सकता है।

मस्क बेटे को कंधे पर बैठाकर हंगरी प्रेसिडेंट से मिले

पॉपुलेशन क्राइसिस पर मीटिंग की, कहा- बच्चे पैदा करके ही दुनिया को बचा सकते हैं

टेक्सास, 27 सितंबर (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने सोमवार को टेक्सास गीगाफैक्ट्री में हंगरी की प्रेसिडेंट कैटलिन नोवाक से मुलाकात की। दोनों के बीच वेस्टर्न वर्ल्ड के पॉपुलेशन कोलैप्स क्राइसिस यानी जनसंख्या कम होने के संकट पर बातचीत हुई। इस मुलाकात की तस्वीरें हंगरी की प्रेसिडेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर की हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे पैदा नहीं करना हमारे समय की सबसे बड़ी चिंता है। मस्क ने भी इन तस्वीरों को रिपोस्ट किया है। मस्क ने यह भी लिखा कि 'बच्चे पैदा करना दुनिया को बचाना है।'

डेमोग्राफिक क्राइसिस पर कम ध्यान

इस मीटिंग में प्रेसिडेंट नोवाक ने मस्क से कहा, 'क्लाइमेंट चेंज के खतरों की तुलना में डेमोग्राफिक क्राइसिस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाइल्डलेसनेस यानी निःसंतानता हमारे समय की सबसे बड़ी चिंता है।'

नोवाक ने कहा- 'मस्क से इस बारे में बात की कि युवाओं को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर हम मिलकर क्या कर सकते हैं।' मस्क भी इसे लेकर अपने विचार रखते रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने कहा था- 'पॉपुलेशन कोलैप्स' क्लाइमेंट चेंज से भी बड़ा खतरा है।

हाल के दिनों में मस्क कई वर्ल्ड लीडर्स से मिल चुके हैं। हंगरी की प्रेसिडेंट से पहले मस्क ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन से मुलाकात की थी। वो फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी से भी मिल चुके हैं। इन मीटिंग्स में चर्चा का विषय व्यापक था। कुछ में टेस्ला कार या बैटरी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट बनाने से जुड़ी बातचीत भी शामिल थी।

श्रीलंका में चीन गरीबों के लिए 19 हजार मकान बनाएगा

बीआरआई सम्मेलन में करेगा समझौता, भारत के लिए ये बड़ी चुनौती

कोलंबो, 27 सितंबर (एजेंसियां)। चीन ने श्रीलंका में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए निम्न आय वर्ग पर नजर गड़ाई है। इसी कारण वह उनके लिए सस्ते मकान बनाने जा रहा है। श्रीलंका के शहरी विकास और आवास मंत्री प्रसन्ना रणतुंगा ने बताया कि श्रीलंका गरीब परिवारों के लिए 19 हजार से ज्यादा सस्ते घर बनाने के लिए अक्टूबर में चीन से एक समझौता करेगा।

यह करार बीजिंग में बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव शिखर सम्मेलन में होगा। उसमें राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे भी भाग लेंगे। श्रीलंका के विदेश मामलों के विशेषज्ञों का कहना है कि चीन की यह चाल आक्रामक तरीके से श्रीलंका में पैठ बढ़ाने के मंसूबे से जुड़ी है। वहीं भारत के लिए चेतावनी भी है।

भारत भी बना रहा आवास लेकिन परियोजना अटकी

हालांकि भारत ने भी यहां निम्न आय वर्ग के लिए आवास बनाने का वादा किया है, लेकिन ये परियोजनाएं अटकी हुई हैं। रणतुंगा ने कहा कि बुनियादी ढांचे

के विकास में चीनी और भारतीय मदद की उम्मीद करता है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम चीन या भारत के पक्षधर हैं।

कोलंबो अर्बन लैब के संस्थापक और निदेशक, इरोमी परेरा ने बताया कि श्रीलंका को गरीबों के लिए मकान उपलब्ध कराने में मदद चाहिए है। इस मकसद को पूरा करने के लिए एशियाई विकास बैंक जैसे संगठनों से मदद मांग चुका है। पर ये नाकाफी रहे। इसी कारण दूसरे साधन तलाशने पड़ रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में श्रीलंका की ओर से पेश आवास और शहरी विकास की रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में करीब 20% श्रीलंकाई घर केवल एक बेडरूम वाले थे। इसमें भारतीय मूल के तमिलों की स्थिति और खराब थी। उनके 47 प्रतिशत मकानों में एक ही कमरा है। शहरी विकास प्राधिकरण (यूडीए) द्वारा 2011 में कोलंबो में हुए सर्वे के अनुसार, अनुमानित 68,812 परिवार 1,499 अवैध बस्तियों में रहते हैं। शहर की आबादी में इनका आधे से अधिक हिस्सा है।

कोलंबो के थिंक टैंक फैक्टम की प्रमुख शोधकर्ता उदिता देवप्रिया के मुताबिक दोनों देश उसी तरह मदद करना चाहते जैसे अमेरिका या दूसरे पश्चिमी देश करते थे। भारत कई साल मदद देता आया है। देवप्रिया के मुताबिक चीन ने श्रीलंका में अपनी रणनीति बदल दी है। अब वह बड़ी परियोजनाओं के बजाय गरीबों की मदद करने पर ध्यान लगा रहा है। 2022 के आर्थिक संकट में ड्रैगन ने श्रीलंका में सरकार, मंदिरों, अपनी हितैषी समाज-संस्थाओं केजरिए राशन बंटवाया। करीब 2,000 घर बनाने मेंमदद की।

मूवमेंट फॉर लैंड एंड एग्रीकल्चरल रिफॉर्मके चिंतका राजपक्षे ने कहा कि केंद्रीय हाइलैंड्स में संपत्ति क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में गरीब रहते हैं, पर चीन वहां मकान नहीं बनाएगा।

375 साल की तलाश से मिला सबसे छोटा महाद्वीप

न्यूजीलैंड, 27 सितंबर (एजेंसियां)। हम बचपन से पढ़ते आए हैं कि दुनिया में कुल 7 कॉन्टिनेंट हैं, लेकिन अब यह थ्योरी गलत हो गई है। जियोसाइंटिस्ट्स दुनिया में 8वें कॉन्टिनेंट की खोज कर चुके हैं। इसका नाम है जीलैंडिया या ते रिउ-ए-माउई। ये कॉन्टिनेंट करीब 375 साल पहले मौजूद था। फिज डॉट ओआरजी के मुताबिक, रिसर्चर्स ने समुद्र की सतह पर मौजूद चट्टानों के नमूनों की स्टडी करने के बाद यह जानकारी दी है।

बीबीसी के मुताबिक, जीलैंडिया करीब 50 लाख स्क्वायर किमी के एरिया में फैला था। यह अफ्रीकी देश मेडागास्कर (586,884 वर्ग किलोमीटर) से 6 गुना बड़ा था। यह दुनिया का सबसे छोटा और सबसे संकरा कॉन्टिनेंट है। न्यूजीलैंड के क्राउन रिसर्च इंस्टिट्यूट के एक जियोलॉजिस्ट एंडी टुलोक इस कॉन्टिनेंट को ढूंढने वाली टीम में शामिल थे। एंडी ने बताया कि इस कॉन्टिनेंट का करीब 94% हिस्सा पानी में समा चुका है।

उत्पीड़न का आरोप लगा पाकिस्तान भागे भारतीय पिता-पुत्र

अफगानिस्तान के रास्ते चमन इलाके में हुए दाखिल

इस्लामाबाद, 27 सितंबर (एजेंसियां)। अवैध रूप से पाकिस्तान में प्रवेश करने वाले एक भारतीय पिता-पुत्र ने दावा किया है कि उन्होंने धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए नई दिल्ली में अपना घर छोड़कर पलायन किया है। मोहम्मद हसनैन और उसके बेटे इशाक आमिर ने पाकिस्तान-अफगान सीमा से अवैध रूप से पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के चमन इलाके में घुसपैठ की।

दोनों फिलहाल कराची में ईदी वेलफेयर ट्रस्ट के आश्रय गृह में हैं। हसनैन ने कहा, अगर पाकिस्तानी अधिकारी हमें जेल में डालना चाहते हैं तो हम उसके लिए तैयार हैं। हम बिना वैध दस्तावेजों के आए हैं पर हम शरण लेने की कोशिश करेंगे।

हसनैन (70 वर्षीय) और आमिर (31 वर्षीय) नई दिल्ली के गौतमपुरी इलाके के रहने वाले हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लंबे समय तक उत्पीड़न और

धार्मिक अत्याचार का सामना करना पड़ा इसलिए उन्होंने पाकिस्तान भागने का फैसला किया। हसनैन ने कहा, हमें कराची पहुंचने में 14 दिन लगे। वहां पहुंचकर हमने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले दोनों पांच सितंबर को नई दिल्ली से दुबई के लिए रवाना हुए थे। दुबई में उन्हें अफगानिस्तान दूतावास से वीजा मिला।

उसने कहा, हमें वीजा मिला और हम काबुल के लिए रवाना हुए, जहां से हम सड़क मार्ग से कंधार गए और वहां से हम चमन सीमा के जरिए पाकिस्तान में दाखिल हुए। दोनों एक अफगान एजेंट की मदद से सीमा पार करने में सफल रहे और बाद में उन्होंने टैक्सी ड्राइवर को कराची ले जाने के लिए 60,000 रुपये का भुगतान किया। कराची के पुलिस उप महानिरीक्षक (दक्षिण) असद रजा ने कहा कि दोनों पर जासूस होने का संदेह नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें धार्मिक पूर्वाग्रह और उत्पीड़न का शिकार माना गया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने अभी तक इस मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

धरती से इंसानों का यूं होगा खात्मा

लंदन, 27 सितंबर (एजेंसियां)। अंतरिक्ष से गिरे एक विशाल उल्कापिंड ने धरती से डायनासोर का खात्मा कर दिया था। लेकिन इंसानों के खात्मे को लेकर एक नई थ्योरी दी गई है। वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि 25 करोड़ वर्षों में एक नए सुपर महाद्वीप का निर्माण इंसानों और अन्य स्तनधारियों का खात्मा कर देगा। यूनाइटेड किंगडम में ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने सुपर कंप्यूटर के जरिए भविष्य के जलवायु मॉडल को बनाया। इसके जरिए वैज्ञानिकों ने भविष्यवाणी की है कि लगभग 25 करोड़ वर्षों में दुनिया के महाद्वीप एक विशाल महाद्वीप बनाने के लिए जुड़ेंगे। उन्होंने इसका नाम पैंजिया अल्टिमा रखा है। वैज्ञानिकों ने मॉडल के जरिए पता लगाया है कि आखिर महाद्वीपों के मिलने से जलवायु चरम सीमा कैसे तेज होगी। वैज्ञानिकों ने पाया कि महाद्वीपों का मिलना एक बेहद गर्म और शुष्क मौसम को पैदा करेगा। ये स्तनधारियों के लिए खतरनाक होगा। शोधकर्ताओं ने सुपरकॉन्टिनेंट के लिए तापमान, हवा, बारिश और ह्यूमिडिटी का सिमुलेशन किया। इसके साथ कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर की गणना, टेक्टोनिक प्लेट का मूवमेंट, महासागर रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान के मॉडल का इस्तेमाल किया।

बाइडेन के खूंखार कुत्ते ने किया 11वां शिकार

वॉशिंगटन, 27 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के दो वर्षीय जर्मन शेफर्ड कुत्ते कमांडर ने वाइट हाउस में एक अन्य खुफिया सेवा एजेंट को काट लिया। कमांडर से जुड़ी यह 11वीं ज्ञात काटने की घटना है। यूएसएसएस के संचार प्रमुख एंथनी गुग्लिल्मी ने मंगलवार को सीएनएन को बताया,

'कल रात लगभग आठ बजे, एक सीक्रेट सर्विस यूनिफ़ॉर्मड डिवीजन पुलिस अधिकारी फ़र्स्ट फ़ैमिली पालतू जानवर के संपर्क में आया जिसने उसे काट लिया। अधिकारी का परिसर में चिकित्सा कर्मियों द्वारा इलाज किया गया।' गुग्लिल्मी ने कहा कि घायल अधिकारी ने मंगलवार को सीक्रेट सर्विस यूनिफ़ॉर्मड डिवीजन के प्रमुख अल्फोंसो एम. डायसन सीनियर से बात की और वह अब ठीक हैं। सीएनएन के अनुसार, व्हाइट हाउस और डेलावेयर में कमांडर ने कम से कम 11 मौकों पर लोगों को काटा है। वाइट हाउस के अधिकारियों ने जुलाई में कहा था कि घटनाओं के बाद बाइडेन परिवार के पालतू जानवरों के लिए नए प्रशिक्षण और पट्टा प्रोटोकॉल पर काम कर रहे हैं। क्या नया प्रशिक्षण हुआ है या क्या कोई और कार्रवाई होगी।

30 फीसदी विधायकों के टिकट काटेगी भाजपा

संघ की हरी झंडी मिलते ही जारी होगी पहली सूची

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा ने मध्यप्रदेश में टिकट देने के लिए जो रणनीति अपनाई है, वह राजस्थान में भी देखने को मिल सकती है। यानी भाजपा यहां भी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार सकती है। हालांकि, पार्टी इन नेताओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देगी, जहां भाजपा की हार का खतरा सामने आया है...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी सभा के बाद भाजपा ने राजस्थान में फोकस बढ़ा दिया है। पार्टी पहली लिस्ट जारी करने के जोड़ तोड़ में जुट गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा इसे लेकर जयपुर पहुंच रहे हैं। पार्टी के भीतर चर्चा है कि इस बार कुछ मौजूदा विधायकों के टिकट कट सकते हैं। इनकी संख्या 30 से 35 फीसदी बताई जा रही है। इसके अलावा मध्यप्रदेश की तर्ज पर कुछ सांसदों को भी चुनावी मैदान में उतारा जा सकता है।

दरअसल, भाजपा कोई जोखिम नहीं लेना चाहती, इसलिए प्रत्याशियों के चयन में काफी सावधानी बरत रही है। जिन विधायकों के टिकट कट सकते हैं, उन्हें लेकर प्रदेश में काफी हलचल मची हुई है। इस बीच महिला आरक्षण के बिल प्रस्तुत करने के बाद भाजपा महिला उम्मीदवारों के लिए भी अलग से विचार कर रही है। जबकि कई नाम ऐसे हैं जिन पर भाजपा चुनाव समिति की राय लगभग तय हो चुकी है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा बुधवार शाम और गुरुवार सुबह भाजपा-संघ के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। बैठक में विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे व चुनावों में संघ की भूमिका को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। दोनों नेता बुधवार शाम करीब 7 बजे विशेष विमान से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से दोनों नेता सीधे प्रदेश भाजपा मुख्यालय आएंगे। यहां रात 8 बजे से भाजपा कोर कमेटी की बैठक होगी।

बैठक में दोनों नेता आगामी विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे, प्रदेश के सियासी समीकरणों को लेकर चर्चा करेंगे। वहीं हाल ही में संपन्न हुई भाजपा की परिवर्तन यात्रा के दौरान मिले फीडबैक को लेकर भी बैठक में चर्चा की जाएगी। बैठक के बाद नड्डा और शाह जयपुर में ही ठहरेंगे। गुरुवार सुबह दोनों नेता संघ कार्यालय जाएंगे। यहां दोनों संघ के नेताओं के साथ आगामी चुनावों में संघ की भूमिका पर विचार-विमर्श करेंगे। लंबे समय से संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रकाश चंद को आगामी चुनावों के लिए बड़ी जिम्मेदारी देने पर भी चर्चा चल रही है। इसे लेकर भी नड्डा और शाह संघ के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। मानकर चला जा रहा है कि दोनों नेताओं के इस दौरे के बाद प्रकाश चंद नई भूमिका में नज़र आ सकते हैं।

दरअसल, भाजपा ने मध्यप्रदेश में टिकट देने के लिए जो रणनीति अपनाई है, वह राजस्थान में भी देखने को मिल सकती है। यानी भाजपा यहां भी सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतार सकती है। हालांकि, पार्टी इन नेताओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देगी, जहां भाजपा की हार का खतरा सामने आया है। पार्टी का सबसे ज्यादा फोकस सी और डी कैटेगरी की सीटों पर है। भाजपा इन श्रेणी की सीटों पर अब जीत हासिल करने के लिए लगातार जुटी हुई है।

ऐसे में इन कमजोर सीटों पर भाजपा ने केंद्रीय मंत्री और सांसदों को उतारने का मन बनाया है। जहां सी और डी कैटेगरी में पार्टी के दिग्गजों को उतार कर भाजपा वहां से जीत तलाश कर रही है। इनमें केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और कैलाश चौधरी शामिल हैं। इसके अलावा भाजपा भागीरथ चौधरी, डॉ किरोड़ी लाल मीणा, सुखबीर सिंह जौनपुरिया जैसे सांसदों को भी सी और डी कैटेगरी की सीटों पर उतार कर बड़ा दावा खेल सकती है।

पहली सूची के लिए करीब 33 नाम हुए तय

भाजपा चुनाव समिति की ओर से तय किए गए मापदंड में राजस्थान की 200 विधानसभा सीटों में 33 सीटें ऐसी हैं, जिन पर उम्मीदवारों के नाम लगभग तय हैं। इनमें झालरापाटन से पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, चुरू से नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, आमेर से उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, अजमेर साउथ से अनीता भदेल, पुष्कर से सुरेश रावत, नोखा से बिहारी लाल बिश्नोई, आहोर से जगन सिंह, जालौर से जोगेश्वर गर्ग, भीनमाल से पूराराम चौधरी, पिंडवाड़ा से हेमाराम गरासिया के नाम शामिल हैं।

इसके अलावा मावली से धर्म नारायण जोशी, सलूंबर से अमृतलाल, गाढ़ी से कैलाश चंद मीणा, चित्तौड़गढ़ से चंद्रभान, कुंभलगढ़ से सुरेंद्र सिंह राठौड़, राजसमंद से दिप्ती माहेश्वरी, डग से कालूराम, मनोहर थाना से गोविंद प्रसाद, रामगंज मंडी से मदन दिलावर, लाडपुरा से कल्पना देवी हैं।

केशव राय पाटन से चंद्रकांता, जहाजपुर से गोपीचंद मीणा, उदयपुर ग्रामीण से फूल सिंह मीणा, सुमेरपुर से जोराराम कुमावत, पाली से ज्ञानचंद पारख, बाली से पुष्पेंद्र सिंह, सोजत से शोभा चौहान, जैतारण से अविनाश, नसीराबाद से रामस्वरूप लांबा, मालपुरा से कन्हैया लाल चौधरी, अलवर से संजय शर्मा, बीकानेर पूर्व से सिद्धि कुमारी और अनूपगढ़ से संतोष के नाम लगभग तय है। इन नामों पर भाजपा की चुनाव समिति मोहर लगा सकती है।

मंत्री राजेंद्र पर ईडी की रेड पर बोले शेखावत

ये सदी की सबसे भ्रष्टतम सरकार, होनी चाहिए कार्रवाई

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मंत्री राजेंद्र यादव के ठिकानों पर हुई ईडी की कार्रवाई पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत दी प्रतिक्रिया।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि राज्य की गहलोत सरकार इस सदी की सबसे भ्रष्टतम सरकार है। यदि इस सरकार के खिलाफ कार्रवाई हो रही है तो होनी चाहिए। जनता इसका स्वागत करेगी। शेखावत जयपुर में आयोजित रोजगार मेला कार्यक्रम के बाद मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे।

राजस्थान के मंत्री राजेंद्र यादव के ठिकानों पर हुई ईडी की कार्रवाई पर पूछे गए सवाल पर शेखावत ने कहा कि ये सरकार अब तक की सबसे भ्रष्टतम सरकार है। ये बात मैं नहीं, इस सरकार के विधायक और मंत्री कह चुके हैं। विधानसभा में भी और उसके बाहर भी कई बार ऐसी बातें कही जा चुकी है। शेखावत ने कहा कि अभी तो शुरुआत है। मेरा मानना है कि ऐसे भ्रष्ट लोगों के खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होनी ही चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ देश ऐसी कार्रवाई के पक्ष में खड़ा है।

आप नेता-कार्यकर्ता बांट रहे गारंटी कार्ड

सरकार बनी तो हर महीने 300 यूनिट फ्री बिजली की गारंटी

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। दौसा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे मुकेश शर्मा ने कहा यदि आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो बिजली के अलावा, शिक्षा की भी गारंटी रहेगी। राजस्थान के हर बच्चे को अच्छी और फ्री शिक्षा दी जाएगी।

राजस्थान विधानसभा चुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी (आप) भी प्रदेश की 200 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसे लेकर आप नेता और कार्यकर्ताओं ने प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया है। नेता और कार्यकर्ताओं द्वारा लोगों को सरकार बनने पर 300 यूनिट फ्री बिजली देने की गारंटी दी जा रही है। साथ ही एक गारंटी कार्ड भी दिया जा रहा है।

बुधवार को आप नेताओं ने दौसा में गारंटी कार्ड का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर, आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो दिल्ली और पंजाब की तरह राजस्थान में भी हर महीने 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। प्रदेश के सभी गांव और शहरों में 24 घंटे बिजली दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आप की सरकार बनने पर सारे पुराने बकाया घरेलू बिजली बिल भी माफ किए जाएंगे।

आप के प्रदेश संयुक्त सचिव व्यापार विंग मुकेश शर्मा ने कहा कि हमनें पार्टी का गारंटी कार्ड पपलाज माता, नयाबास, नांगल राजवतान, कानपुरा, टिटोली, बड़ा गांव और दौसा शहर में बांटे हैं। दौसा से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे मुकेश शर्मा ने कहा यदि आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो बिजली के अलावा, शिक्षा की भी गारंटी रहेगी। राजस्थान के हर बच्चे को अच्छी और फ्री शिक्षा दी जाएगी। दिल्ली की तरह सभी सरकारी स्कूलों को शानदार बनाया जाएगा।

खालिस्तानी समर्थकों पर एनआईए की छापेमारी

13 जिलों में आधी रात पहुंचीं टीमें; खालिस्तान के नक्शे में भी हैं ये शहर

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में खालिस्तानी समर्थक के यहां नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी की टीमों ने 50 से अधिक जगहों पर देर रात से छापेमारी की।

राजस्थान के 13 जिलों हनुमानगढ़, झुंझुनूं, गंगानगर, जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, सीकर, पाली, जोधपुर ग्रामीण, बाड़मेर, कोटा ग्रामीण, भीलवाड़ा और अजमेर में एनआईए की टीमें मौजूद हैं और सर्च कर रही हैं।

खालिस्तान समर्थकों को फिर से एक्टिव करने के इनपुट एजेंसियों को मिल रहे हैं। इन लोगों को गोपनीय तरीके से कनाडा में बैठे खालिस्तानी टच कर रहे हैं।

यही नहीं उनको खालिस्तानी सोच से जुड़ने के लिए पैसा भी दिया जा रहा हैं। जिन ठिकानों पर एनआईए रेड कर रही है, उन लोगों के बैंक खातों में हुए ट्रांजेक्शन की भी जांच की जा रही है। हाल ही में राजस्थान के 10 से ज्यादा जिलों को भी खालिस्तानी के नए नक्शे में दिखाया गया है।

देश में खालिस्तानी सोच को दोबारा जिंदा करने के लिए फंडिंग पर जोर दिया जा रहा हैं। एनआईए ने हाल ही में एक खालिस्तानी समर्थक को डिटेन किया था, जिसके पास से बड़ी संख्या में ट्रांजैक्शन की डिटेल और कई राज्यों में उनके समर्थकों की जानकारी मिली थी। खालिस्तानी समर्थक से मिली डिटेल की जांच की गई तो एनआईए को एक बड़ा इनपुट देश में पनप रहे खालिस्तानियों का मिला। इस पर एनआईए की टीमों ने देर रात देश में और राजस्थान के 13 जिलों में रेड की सर्च कर रही है।

एनआईए की टीम ने जैसलमेर के पोकरण इलाके के रामदेवरा, पोकरण और छायण गांव में कुछ लोगों से पूछताछ की। इस दौरान कनाडा में संचालित हो रहे खालिस्तान नेटवर्क से बातचीत करने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। जानकारी के अनुसार छायण गांव में एक व्यक्ति को एनआईए द्वारा डिटेन किया गया है।

पकड़े गए व्यक्ति से खालिस्तानी नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश की जा रही है। बताया जा रहा है कि एनआईए को इनपुट मिला था कि पकड़ा गया व्यक्ति कनाडा में खालिस्तान के लोगों के संपर्क में है। उससे छायण पुलिस चौकी में पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि युवक वॉट्सऐप पर कनाडा से कॉल आया था। युवक के अकाउंट से पैसा भी ट्रांसफर हुआ है। हालांकि अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

हनुमानगढ़ के गोलूवाला के गांव 3 एचडीबी में भी एनआईए टीम ने छापेमारी की। गांव में प्लंबर का कार्य करने वाले महेंद्र वर्मा पुत्र लालचंद वर्मा के घर कार्रवाई हुई है। वर्मा ने बताया कि उसके मोबाइल से किसी आतंकी को फोन होने की बात को लेकर एनआईए ने उसके घर पर छापेमारी की है और उसका और उसे भाई का मोबाइल भी एनआईए की टीम साथ लेकर गयी है। जानकारी के अनुसार एनआईए कीर टीम पहले गलत लोकेशन पर चली गई थी।

गहलोत के मंत्री के घर 9 घंटे रहे ईडी अफसर

चाबी नहीं दी तो अलमारी का लॉक तोड़ा, ये बोले राजेंद्र यादव

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। ईडी की कार्रवाई को लेकर गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव ने कहा कि मिड-डे मील मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। सिर्फ मुझे परेशान करने और दबाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। लेकिन, मैं दबने वाला नहीं हूं और न कांग्रेस छोड़ने वाला हूं। मिड-डे मील में गड़बड़ी के मामले को लेकर मंलगवार को ईडी की टीम ने गहलोत के मंत्री राजेंद्र यादव के कोटपूतली स्थित आवास पर छापा मारा। सुबह सात बजे 24 अधिकारियों-कर्मचारियों की टीम ने 18 सुरक्षाकर्मियों के साथ मंत्री के आवास पर पहुंची और शाम 4:15 बजे बाहर निकली। 9 से ज्यादा घंटे चली इस कार्रवाई के बीच मंत्री यादव और ईडी अफसरों के बीच टकराव के हालात भी बने। दरअसल, छापेमारी के लिए पहुंची ईडी की टीम ने मंत्री से उनके घर में रखी अलमारियों की चाबी मांगी तो उन्होंने देने से इनकार कर दिया। इसके बाद लॉक तोड़ने वाले को बुलाकर मंत्री की मौजूदगी में अलमारियों समेत अन्य ताले तुड़वाए गए। इस दौरान उसमें से निकले कुछ दस्तावेजों को ईडी की टीम ने जब्त कर लिया।

ईडी अफसरों के जाने के बाद गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि मिड-डे मील मामले से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। सिर्फ मुझे परेशान करने और दबाने के लिए यह कार्रवाई की गई है। लेकिन, मैं दबने वाला नहीं हूं और न कांग्रेस छोड़ने वाला हूं।

मंत्री के कहने पर बेटी विरोध में उतरी: पूर्व विधायक जयराम जाटव ने कहा

जनता इस एपिसोड को समझ रही सबसे ज्यादा वोट से जीतूंगा

अलवर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के टिकटों की घोषणा से पहले अलवर ग्रामीणा के पूर्व विधायक व बीजेपी नेता जयराम जाटव की खुलकर खिलाफत उनकी बेटी करने में लगी हैं। वे कई बार कह चुकी हैं कि पिता को बीजेपी ने टिकट दिया तो वे भी उनके खिलाफ मैदान में उतरेंगी। कई तरह के आरोप पिता पर लगा चुकी हैं।

इसका जवाब देते हुए पूर्व विधायक जयराम जाटव ने साफ शब्दों में कहा कि भगवान करेगा वो ठीक करेगा। प्रजातंत्र में कोई चुनाव लड़ सकता हैं। मेरी को कोई नाराजगी नहीं है। लेकिन यह सब जानते हैं कि यह पूरा फंडा

कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली का है। यह रिपोर्ट सबके पास है। यह विवाद पैदा करने का प्रयास किया है। फिर भी मैं अलवर जिले में सबसे अधिक वोट से जीतकर आऊंगा।

लोगों को खूब आशाएं थी। मंत्री बनने के बाद उम्मीद बढ़ना स्वभाविक हैं। इन्होंने ईशरदा बांध पानी लाने की बात कही। हुआ कुछ नहीं। चंबल का पानी लाने के कोई प्रयास नहीं किए गए। मंत्री दिन भर झूठ बोलते हैं।

मेरे साथ चलो। उन्होंने कहीं बड़ी रोड बनाई हो तो बताएं। किसी गांव में रोड नही बनाई। मालाखेड़ा व अकबरपुर सीएचसी में एक रुपया नहीं लगाया। मत्स्य यूनिवर्सिटी को पैसे नहीं दिए। एक-दो पीपीपी मॉडल पर रोड बन बन रहे हैं। जिससे जनता को टोल देना पड़ सकता है। जल जीवन मिशन योजना को आगे बढ़ाने की बजाय रोकने का काम किया है। टिकट मांगने का सबको अधिकार है। यह सब पार्टी को तय करना है।

जो भगवान कर रहा है ठीक करेगा। भगवान सब जानता है। 18 साल का बेटा बेटी होने पर स्वतंत्र हो जाते हैं। वो कुछ कर सकते हैं। फिर भी हम समझाने के प्रयास में लगे हैं। लेकिन सबको पता है कि ये फंडा है किसका। पूरा जिला जानता है कि टीकाराम जूली का है।

जनता सब जानती है। कौन यह सब करा रहा है। इसलिए जनता जवाब भी देगी। फिर भी मैं कहता हूं कि और अधिक वोट से जीतकर आऊंगा।

मेरे कार्यकाल को लोग याद करते हैं। मैं सबका काम करता था। 20-20 घंटे जनता के काम में निकल जाते थे। किसानों की समस्याओं को सुनता था। इसलिए जनता से मेरे नाम की आवाज आ रही है।

'कांग्रेस विधायकों के इस्तीफों पर देरी से दिया फैसला'

राठौड़ बोले- स्पीकर के आदेश को देंगे चुनौती; कोर्ट से समय सीमा तय करने का किया आग्रह

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस विधायकों के सामूहिक इस्तीफा प्रकरण में राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सरकार के आग्रह पर कोर्ट याचिका को सारहीन मानकर निस्तारित करना चाहता था, लेकिन नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कोर्ट से इस तरह के मामलों में समय सीमा तय करने का आग्रह किया। इस पर जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की खंडपीठ ने राठौड़ को अपनी याचिका संशोधित करने के निर्देश दिए और मामले की सुनवाई 9 अक्टूबर तक टाल दी।

दरअसल, 25 सितंबर 2022 को कांग्रेस के 81 विधायकों ने स्पीकर सीपी जोशी को अपने इस्तीफे सौंप दिए थे, जिस पर करीब 113 दिन बाद स्पीकर ने यह कहते हुए कि विधायकों ने स्वेच्छा से इस्तीफे नहीं दिए, सभी इस्तीफों को अस्वीकार कर दिया था।

दरअसल, कांग्रेस विधायकों के स्पीकर को सामूहिक इस्तीफा देने के बाद भी जब स्पीकर सीपी जोशी ने कई दिनों तक इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया तो नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

याचिका पर सुनवाई के दौरान स्पीकर सीपी जोशी ने सभी इस्तीफों को स्वेच्छापूर्वक नहीं होना बताकर अस्वीकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता एमएस सिंघवी ने कोर्ट में कहा कि इस्तीफों पर निर्णय नहीं होने पर कोर्ट में याचिका लगाई गई थी, लेकिन अब इस्तीफों पर निर्णय हो चुका है। ऐसे में याचिका अब सारहीन हो गई है।

इस पर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि कोर्ट ने 2 जनवरी 2023 को पॉइंट ऑफ डिटरमिनेशन तय किया था, जिसमें कोर्ट को यह तय करना था कि इस तरह के प्रकरण में स्पीकर को कितने समय में निर्णय देना चाहिए।

वहीं विधानसभा सचिव ने भी इस विधि के बिंदू को भी तय करने की बात को स्वीकारा है। समय सीमा तय होने पर यह फैसला नज़ीर साबित होगा।

दो मिनट में युवक की बची जान

हार्ट अटैक आने से सड़क पर गिरा

डीएसपी ने सीपीआर दिया तो फिर धड़का दिल

बारां, 27 सितंबर (एजेंसियां)। डीएसपी राजेंद्र मीणा ने बताया कि डोल यात्रा के दौरान धर्मादा चौराहे के पास एक युवक अचानक बेहोश होकर सड़क पर गिर गया। मैं वहां से कुछ दूरी पर था, जैसे ही मुझे जानकारी लगी तो मैंने उसे तुरंत सीपीआर देना शुरू कर दिया, करीब दो मिनट बाद वह होश में आकर फिर खड़ा हो गया।

राजस्थान में अक्सर पुलिस की नकारात्मक खबरें सामने आती हैं, लेकिन इस बार प्रदेश के बारां जिले से ऐसी खबर सामने आई है जिसने लोगों को पुलिस प्रशंसा करने को मजबूर कर दिया है। एक युवक की जान बचाकर ये कारनामा किया है बारां डीएसपी राजेंद्र मीणा ने, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मामला जलझूलनी एकादशी का है। जिले में एकादशी के अवसर पर हाड़ौती की प्रसिद्ध डोल यात्रा निकाली जा रही थी। इस यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। देव विमान, अखाड़े और झांकियों के साथ यात्रा आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान यात्रा में शामिल दो युवकों को हार्ट अटैक आ गया और वे सड़क पर गिर गए।

वहां मौजूद डीएसपी राजेंद्र मीणा ने बिना देर किए एक युवक को सीपीआर देना शुरू कर दिया। कुछ ही मिनट में युवक का दिल फिर धड़कने लगा और वह होश में आकर खड़ा हो गया। इस तरह डीएसपी मीणा ने तत्काल हरकत में आकर युवक को मौत के मुंह से बाहर निकाल लिया। बाद में युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, हार्ट अटैक आने से दूसरे युवक की मौत हो गई। पुलिस उप अधीक्षक राजेंद्र मीणा ने बताया कि डोल यात्रा के दौरान धर्मादा चौराहे के पास एक युवक अचानक बेहोश होकर सड़क पर गिर गया। लोगों की भीड़ उसे घेर कर खड़ी थी, मैं वहां से कुछ दूरी पर था, जैसे ही मुझे जानकारी लगी तो मैंने उसे तुरंत सीपीआर देना शुरू कर दिया, करीब दो मिनट बाद युवक होश में आकर खड़ा हो गया।

मेथनल केमिकल से भरा टैंकर पलटा, लगी आग

जिंदा जलने से एक की मौत, टायर फटने से हुआ था हादसा

चूरू, 27 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के तारानगर थाना क्षेत्र के हड़ियाल-रतनपुरा रोड पर मेथनल केमिकल से भरा टैंकर पलट गया था। जिसमें एक व्यक्ति की जिंदा जलने से मौत हो गई। पुलिस ने टैंकर मालिक हादसे की सूचना दी, पुलिस की सूचना पर टैंकर मालिक ने मृतक के परिजनों को सूचित किया। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम करा कर शव उन्हें सौंप दिया।

तारानगर थाना के एएसआई हनुमान सिंह ने बताया कि जूलियासर सीकर निवासी भागीरथ सिंह ने रिपोर्ट दी उसके मामा का बेटा रोजा लाडनूं निवासी आनंद सिंह (26) गुजरात से टैंकर में मेथनल केमिकल भरकर हरियाणा जा रहा था। तभी रास्ते में टैंकर का टायर फटने से टैंकर पलट गया और टैंकर में जिंदा जलने से उसकी मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि टैंकर केबिन में मिले मृतक के नर कंकाल को तारानगर पीएचसी की मोर्चरी में रखवाया गया था। बुधवार दोपहर मृतक के शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया है।

तारानगर थानाधिकारी नवनीत सिंह ने बताया कि टैंकर में मेथनल केमिकल भरा था। जो खुद ज्वलनशील होता है। टैंकर के पलटते ही आग लग गई। जिससे टैंकर में सवार रोजा लाडनूं निवासी आनंद सिंह को बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला और जिंदा जलने से उसकी मौत हो गई। आग लगने के बाद रतननगर और राजगढ़ हाइवे को बंद करा कर, यातायात डायवर्ट किया गया। वहीं सुबह करीब चार बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। जिसके बाद टैंकर को साइड में करवाया।

हाथी गांव में हाथियों को दिया जहर एक की मौत

हाथी मालिक ने लगाया एनजीओ पर हाथियों को बाटी में जहर देने के आरोप,आमेर थाने में एफआईआर दर्ज

जयपुर, 27 सितंबर (एजेंसियां)। आमेर थाना पुलिस ने हाथी गांव में हथनियों को जहर देकर मारने का मामला दर्ज किया हैं। हाथी मालिक सद्दीक खान की ओर से आमेर थाने में एक एनजीओ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई हैं। सद्दीक खान ने रिपोर्ट दी हैं कि 25 तारीख को हर दिन की तरह उनके हाथी आमेर महल से शाम 6 बजे हाथी गांव पहुंचे जहां पर महावत ने उन्हें चारा दिया। महावत अपने कमरों में चले गए। रात 3 बजे 57 नम्बर की हाथनी जिसका नाम लक्ष्मी था उसकी मौत हो गई। महावतों ने मौके से आटे की बाटियां देखी जिस में जहर होना सामने आया। महावतों के फोन पर सद्दीक खान भी मौके पर पहुंचे और पशु चिकित्सक को मौके पर बुलाया गया। तीन हाथियों की हालत अभी-भी खराब हैं उन्होंने खाना छोड़ दिया हैं।

आमेर थाना पुलिस ने बताया कि हाथी मालिक सद्दीक खान ने रिपोर्ट दी हैं कि हाथी गांव में उसके बाड़े में बंधी हुई हथनियों को 25 की रात को एक एनजीओ के लोगों के द्वारा बाटी में जहर दिया गया। इस जहर से उनकी एक हथनी की मौत हो गई। जब की बाकी हाथी की तबीयत खराब हो गई हैं। हाथियों के भोजन के पात्र से 10 के करीब बाटियां महावतों को मिली जिनकी जांच करने पर सामने आया कि उस में जगर मिला हुआ हैं। हालांकि इस बात की जांच की जा रही हैं कि बाटियों में जहर था या कुछ और। पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई हैं।

हाथी मालिक सद्दीक खान का आरोप है कि उनके हाथियों के खिलाफ एक एनजीओ चलाने वाली खुशी गुप्ता पीछे पड़ी हुई हैं। वह उनके हाथियों को हथियाना चाहती हैं। इसे लेकर पहले भी वह जयपुर कमिश्नर को शिकायत कर चुके हैं। लेकिन उसके बाद भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई हैं। सद्दीक का आरोप है कि उसी एनजीओ के द्वारा हाथियों को मारने के लिए बाटियों में जहर मिलाकर उन्हें खिलाया गया हैं। हालांकि मृतक हथनी लक्ष्मी के पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस विषय में कुछ कहा जा सकता है कि हथनी लक्ष्मी की मौत किस कारण से हुई हैं। लेकिन आमेर थाना पुलिस ने सद्दीक की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली हैं।

किशन रेड्डी ने खैरताबाद गणेश में पूजा की

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा तेलंगाना अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने आज खैरताबाद गणेश मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर किशन रेड्डी ने कहा कि दुनिया भर में गणेश नवरात्रि समारोह मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गणपति उत्सव सभी हिंदुओं द्वारा श्रद्धापूर्वक मनाया जाने वाला उत्सव है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार ने उन दिनों गणेश उत्सव के दौरान सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया था और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक ने भारतीयों को जागरूक करने के प्रयास में उनका आयोजन किया ।

रेड्डी ने कहा कि वर्ष 1980 में, पहली बार, हैदराबाद में "टाइगर" नरेंद्र के नेतृत्व में सामूहिक गणेश जुलूस शुरू किए गए थे और कहा कि इससे पहले भी, खैरताबाद उत्सव के दिवंगत सुदर्शन और शंकरैया के नेतृत्व में समारोह आयोजित किए गए थे। समिति. उन्होंने कहा कि ऐसे त्योहारों से राज्य की राजधानी में हिंदुओं के बीच एकता आई है। उन्होंने कहा कि खैरताबाद उत्सव समिति और भाग्यनगर उत्सव समिति के प्रयासों के कारण देश भर से लोग गणेश उत्सव देखने के लिए शहर आ रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदू समुदाय की एकता को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें और साजिशें हो रही हैं।

विश्व जागृति मिशन का श्रद्धापर्व महोत्सव 1 को

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन द्वारा आगामी रविवार 1 अक्टूबर को परमपूज्य सद्गुरुदेव श्रद्धेय श्री सुधांशु जी महाराज द्वारा संस्थापित विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में आबिड्स स्थित हीरा-हॉल में मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर की अध्यक्षता में "श्रद्धापर्व महोत्सव" सायंकाल 5 बजे से 7 बजे तक मनाया जायेगा, जिसमें गुरू भाई-बहन गुरूभक्तो द्वारा अपने अपने माता-पिता, वरिष्ठ वृद्धजनों,अभिभावको का श्रद्धा-सम्मान, पुजन आश्रम के पुजारी सर्वज्ञ शर्मा के मार्गदर्शन में किया जायेगा। तत्पश्चात विडिओ सत्संग, गुरू-वंदना, गुरू आरती तथा महाप्रसाद का आयोजन होगा। मिशन के सत्संग व मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा ने नगरद्वय के समस्त सत्संग धर्म प्रेमी, गुरू भाई-बहनों को इस महत्वपूर्ण महोत्सव में उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढाने की अपील की है।

एनएमडीसी में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 अभियान

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी एनएमडीसी ने अपने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 अभियान के हिस्से के रूप में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व कंपनी के मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री बी विश्वनाथ (आईआरएसएस) ने किया, जिन्होंने निष्पक्ष, नैतिक और सतत विकास प्राप्त करने में केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों से बात करते हुए बी. विश्वनाथ ने कहा कि वीएडब्ल्यू 2023 सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों से जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने में नई प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने का आग्रह करता है। इसके बाद उन्होंने एनएमडीसी के कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन विकासों को जल्दी अपनाएं क्योंकि घरेलू लौह और इस्पात उद्योग अब परिपक्व हो रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार को बीडीएल और मिधानी के सीवीओ डॉ. उपेंद्र वेनम के साथ "जांच अधिकारी और प्रस्तुतकर्ता अधिकारी" पर एक संवाद सत्र के साथ हुई। उन्होंने संविधान और डीओपीटी नियमों के सुसंगत प्रावधानों पर जोर देते हुए जांच अधिकारी और प्रस्तुतकर्ता अधिकारी के दायित्वों का वर्णन करते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया।

सुश्री अनीता बारिक, उप-सीवीओ, दक्षिण मध्य रेलवे ने दिन के अगले सत्र का संचालन किया। उन्होंने निवारक सतर्कता की आवश्यकता की जानकारी दी और वास्तविक दुनिया के उदाहरण देते हुए इन नियमों को कार्रवाई में लागू करके सतर्क और कुशल कार्य संस्कृतियों के निर्माण की दिशा में एक व्यावहारिक दृष्टिकोण की अनुशंसा की। मंगलवार को वित्त मंत्रालय, डीओई के निदेशक (खरीद नीति प्रभाग), कंवलप्रीत ने सार्वजनिक खरीद के आवश्यक सिद्धांतों पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने भारत सरकार की 'विवाद से विश्वास' योजना का वर्णन करते हुए संचार के दस्तावेजीकरण और रिकॉर्ड रखने के महत्व पर विस्तार से बताया।

अगले सत्र के दौरान, सुशील डागा, एमिकस लीगल और विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विजिटिंग फैकल्टी ने 'मध्यस्थता और सुलह अधिनियम' पर चर्चा की। उन्होंने इसके संशोधनों के पीछे के तर्क पर बात की और संविदा अधिनियम और अन्य संबंधित विधियों के प्रासंगिक खंडों की व्याख्या की। एनएमडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) श्री अमिताभ मुखर्जी ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से कर्मचारियों के लिए इन क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को तैयार करने में कंपनी के सतर्कता विभाग के प्रयासों की सराहना की। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, "मैं सभी को अपने कार्य की जिम्मेवारी लेने, अपने कौशल को बढाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं और यह सुनिश्चित किया जाए कि हमारे निर्णय लेने की प्रक्रिया सुविचारित और जवाबदेह है।

स्नेहबांधवी एसोसिएशन, गौलीगुड़ा द्वारा स्थापित गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना करने पहुंचे जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल का सम्मान किया गया। साथ में हैं लक्ष्मण यादव, सुरेश तोलडी, अनिल यादव, सुनील, राजू यादव, विजय, अक्षय, रवि व अन्य।

अग्रवाल समाज द्वारा चेस एवं कैरम प्रतियोगिता 2 को

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित 5147वें अग्रसेन महाराज जयंती उत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस महोत्सव के अंतर्गत कई सांस्कृतिक और खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 2 अक्टूबर को सिकंदराबाद पैराडाइज में स्तिथ अग्रवाल समाज के बैंक्वेट हॉल में अग्रबंधुओं के लिए चेस एवम कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है कार्यक्रम की व्यवस्था की जिम्मेदारी अग्रवाल समाज की मानसरोवर शाखा ने ली है तथा किसान इंडस्ट्रीज एलएलपी इस कार्यक्रम के प्रमुख प्रायोजक है। प्रतियोगिता का समय प्रातः 10 बजे सांय 5 तक रहेगा। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने अग्रबंधुओं से विशेष कर युवाओं से नारी शक्ति से इन प्रतियोगिताओं और जयंती के सभी कार्यक्रमों में तत्परता से भाग लेना का आग्रह किया है।

खैरताबाद गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना करते हुए बजरंग सेना तेलंगाना टीम की संस्थापक आयोजक वीणा माधुरी, अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, सूर्य शुक्र, एम. मनोज, अभिनय तिवारी, सुनील अग्रवाल, प्रिया और अन्य।

क्रेज़ी यूथ एसोसिएशन, बाबुल रेड्डी नगर, काटेदन द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा का दर्शन लाभ प्राप्त करते पहाड़ी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया। साथ में हैं रमेश रेड्डी, शंकर, वीरेश, शेखर, दुर्गेश, विकी, अंकित एवं अन्य ।

बाल वीर हनुमान मंदिर में शिव कथा 15 से, निमंत्रण पत्र की पूजा की गई

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्टेशन प्लेटफार्म नंबर 1 पर पौराणिक शिव मंदिर तथा बाल वीर हनुमान मंदिर में शारदीय नवरात्रि 15 अक्टूबर 2023 से 24 अक्तूबर 2023 होने जा रही शिव कथा के निमंत्रण पत्रों का विधि- विधान से हल्दी, कुमकुम, चंदन लगाकर शिवलिंग के समक्ष सामूहिक रूद्राभिषेक करके, विभिन्न प्रकार के पुष्पों द्वारा आचार्य प्रमोदकृष्ण शास्त्री ने पूजा कराई एवं पहला निमंत्रण पत्र पूज्य प्रभुदासजी महाराज ने शिव परिवार को दिया।

इस अवसर पर अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री पूज्य कमलेश स्वामी महाराज ने भी अनेक मंत्रो द्वारा शिव की आराधना कराई। इस पावन अवसर पर सर्वदलीय गौरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शिव पुराण कथा के संयोजक ठाकुर जयपाल सिंह नयाल सनातनी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन गौभक्त जसमत भाई पटेल, प्राणी मित्र रमेश जागीरदार ट्रस्ट के महामंत्री रिद्दीश जागीरदार, आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन आर के जैन, श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ फीलखाना के पूर्वमंत्री मुकेश भाई चौहान आदि ने पूजा अनुष्ठान में भाग लिया।

ज्ञानवाग कॉलोनी में स्थापित गणेश पंडाल में पूजा-अर्चना करते हुए गोकुलचंद उपाध्याय, मदनलाल उपाध्याय, रामदेव नागला, श्रीनिवास तिवाड़ी, हनुमान डागा, वीरेंद्र यादव, सुरेंद्र गहलोत, अशोक सोनी व अन्य।

हिन्दी महाविद्यालय समिति की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय समिति की वार्षिक साधारण सभा आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता वर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मीनिवास शर्मा ने की तथा उन्होंने महाविद्यालय की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मानद मंत्री शील कुमार जैन ने गत बैठक की कार्यवाही प्रस्तुत की जिसे सर्वसम्मित से स्वीकृति प्रदान की गई। मानदमंत्री ने हिन्दी महाविद्यालय की वर्ष 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए हर्ष व्यक्त किया एवं संपूर्ण गतिविधियों में प्रबंध समिति एवं स्टॉफ के योगदा के सराहना की। वार्षिक रिपोर्ट को भी सर्वसम्मति से पारित कया गया। कोषाध्यक्ष सीए सतीश काबरा ने वर्ष 2023-23 का आय तथा व्यय विवरण प्रस्तुत किया और सदस्यों के प्रश्नों का उचित समाधान दिया। उन्होंने बताया कि समिति ने सभी क्षेत्रों में प्रगति की है। आय-व्यय विवरण भी सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। 2023-24 के लिए मधु मंत्री एंड असोसिएट्स को पुनः लेखा परीक्षक के रूप में सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। बहु प्रतीक्षित संविधान संशोधन को लक्ष्मीनिवास शर्मा ने सदस्यों के सम्मुख रखा, जिसे स्वीकार किया गया।

वर्ष 2023-26 के लिए निम्न प्रकार से पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति का सर्वसम्मति से निर्वाचन किया। अध्यक्ष सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदड़ा, मानदमंत्री शील कुमार जैन, संयुक्त मंत्री प्रदीप दत्त, कोषाध्यक्ष सीए सतीश काबरा तथा कार्यकारिणी सदस्य सुरेंद्र लूणिया (अध्यक्ष एमिरेट्स), कमलनारायण अग्रवाल (अध्यक्ष एमिरेट्स), सुरेशचंद्र लाहोटी परामर्शदाता, गोविंद राठी, सीए दयानिवास शर्मा, शैलेश अग्रवाल, जयदेव बल्दवा, सोहनलाल कडेल, किशोर संचेती, अनीष गुप्ता, डॉ. वैजयंती कोरटकर शामिल हैं। उपाध्यक्ष श्यामसुंदर मूंदडा ने आभार व्यक्त किया एवं उसके साथ साधारण सभा संपन्न हुई।

केबीआर पार्क स्थित गणेश मंदिर में बुधवार के पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुख्य यजमानों में सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, चंद्रकांत डकोतिया, रामनिवास, विनोद डकोतिया, शेषाचार्य, संदीप अग्रवाल व अन्य।

जियागुडा स्थित भारत अभ्युदय हाईस्कूल की पर्यावरण परीरक्षणा सेवा समिति द्वारा आयोजित 'मेरी माटी-मेरा देश' कार्यक्रम में सीआरएफ अधिकारी को माटीभरा कलश भेंट करती हुईं कुश्ती में स्वर्णपदक विजेता हर्षिता व संगीता।

हिंदी को दिलों की भाषा बनाएं : रमेश बंग

डॉ. मोहन गुप्ता ने की हिन्दी की स्थिति पर मानस मंथन करने की अपील

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने हिंदी विभाग, एवी कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स द्वारा आयोजित हिंदी दिवस व एक दिवसीय अंतर्महाविद्यालयीन विद्यार्थी संगोष्ठी में कहा कि कहा कि वर्तमान में जिस प्रकार हिंदी दिवसों का आयोजन किया जा रहा है, इससे सचमुच हिंदी का वकास संभव नहीं है। हमें हिंदी को दिलों की भाषा बनाने की आवश्यकता है। इस पर सभी को मानस मंथन करने की भी जरूरत है। हिंदी हिंदुस्तान की भाषा है, यह आकुमारी हिमाचल को जोडने वाली भाषा है। हाल ही में दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में हमारे पीएम ने हिंदी में भाषण प्रस्तुत कर पूरे विश्व को हिंदी और हिंदुस्तान का संदेश दे दिया है। वर्तमान में हम सभी को हिंदी के व्यावहारिक उपयोग की शपथ लेनी होगी। कॉलेज के आईक्यूएसी संभाग की संयोजिका एम. विद्युलता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में बतौर विशेष अतिथि उपस्थित आरोग्या अस्पताल के संस्थापक तथा विशिष्ट चिकित्सक डॉ. मोहन गुप्ता ने हिंदी के उद्भव के हतिहास बखानते हुए वर्तमान में हिंदी की दशा और दिशा पर आलोकपात किया। बतौर अतिथि उपस्थित साहित्यकार मनोज गोयल ने हिंदी की वर्तमान दशा पर चिंता जताते हुए कहा कि वर्तमान की पीढी को भाषा और साहित्य को बचाये रखने के लिए कसम खानी होगी, नहीं तो भाषाओं का अस्तित्व मिट जाएगा और इससे वह दिन दूर नहीं, जब हमारे भारत का अस्तित्व भी मिट जाएगा। द्वितीय सत्र में एक दिवसीय अंतर्महाविद्यालयीन विद्यार्थी संगोष्ठी में कई विद्यार्थियों ने प्रपत्र वाचन किया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. शशिकांत मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भैंसा शहर में गणेश विसर्जन हुआ। यह कार्यक्रम 24 घंटे जारी रहा। ऐसपी कांतिलाल पाटिल के नेतृत्व में भारी बंदोबस्त किया गया था।

भादव मास के पावन अवसर पर रुणीचा धाम में बाबा रामदेवजी के दर्शन वंदनकर अलवाल रामदेवजी मंदिर में बाबा के पगलिया की पूजा-अर्चना करते हुए रामदेव नवयुवक मित्र मंडल के महेन्द्रसिंह-इन्द्रादेवी पीतावत, मयंकसिंह, प्रेमसिंह, मन्नाराम, ओमदेवी व अन्य।

उप्पल काचवानी सिंगारम स्थित कुमावत समाज के सर्वसहमति से नवनिर्वाचित सचिव चुने जाने पर लिख्माराम मनावत का सम्मान करते हुए संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़, भींयाराम मंगलोड़ा, नवरतन ऐकलिया व अन्य।

श्री अंजनेय भक्त समाज, कारवान, कुंभराजगुड़ा द्वारा स्थापित गणेश पंडाल का दृश्य।

एशियन गेम्स: नेपाल- 314, मंगोलिया 41, जीत 273 रन की

नेपाल के दीपेंद्र के 10 गेंद में 52 रन, 8 छक्के; युवराज का रिकॉर्ड तोड़ा

हांगझोऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स में बुधवार को नेपाल ने मंगोलिया को 273 रनों से हराकर टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ी जीत का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम ने 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 314 बनाए। जवाब में मंगोलिया 13.1 ओवर में 41 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले, सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड चेक रिपब्लिक के नाम था। उसने तुर्की के खिलाफ साल 2019 में 257 से जीत दर्ज की थी।

नेपाल के दीपेंद्र सिंह ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज हाफ सेंचुरी जमाने का भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। दीपेंद्र ने चीन के हांगझोउ में चल रहे एशियन गेम्स मेंस क्रिकेट में मंगोलिया के खिलाफ महज 9 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर लिया।

उन्होंने अपनी पारी में कुल 10 गेंदें खेलीं और 8 छक्के की मदद से 52 रन बनाए।

युवराज ने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों पर हाफ सेंचुरी जमाई थी। युवराज ने उसी मैच में स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में लगातार 6 छक्के भी जड़े थे।

टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज हाफ सेंचुरी

खिलाड़ी	बॉल	खिलाफ	कब
दीपेंद्र सिंह (नेपाल)	9	मंगोलिया	27 सितंबर 2023
युवराज सिंह (भारत)	12	इंग्लैंड	19 सितंबर 2007
मिर्जा अहसन (ऑस्ट्रिया)	13	लक्जमबर्ग	31 अगस्त 2019

नेपाल की टीम और खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड बनाए कुशल मल्ला ने सबसे तेज सेंचुरी लगाई

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कुशल मल्ला ने सिर्फ 34 गेंद पर ही शतक जड़ दिय। ये टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज सेंचुरी है।

इससे पहले ये रिकॉर्ड संयुक्त रूप से डेविड मिलर और रोहित शर्मा के नाम पर दर्ज था। दोनों ही बल्लेबाजों ने 35 गेंदों पर T20I में शतक लगाने का कारनामा किया था।

मल्ला ने 50 बॉल पर 8 चौके, 12 छक्के की मदद से 137 रन की पारी खेली।

टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज सेंचुरी

खिलाड़ी	बॉल	खिलाफ	कब
कुशल मल्ला (नेपाल)	34	मंगोलिया	27 सितंबर 2023
डेविड मिलर (साउथ अफ्रीका)	35	बांग्लादेश	29 अक्टूबर 2017
रोहित शर्मा (भारत)	35	श्रीलंका	22 दिसंबर 2017

नेपाल ने सबसे बड़ा टीम स्कोर भी बनाया

नेपाल ने इस मैच में टी-20 इंटरनेशनल में सबसे बड़े टीम स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। नेपाल की टीम ने मंगोलिया के खिलाफ 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 314 रन बनाए। पिछला वर्ल्ड रिकॉर्ड अफगानिस्तान के नाम था। अफगान टीम ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 20 ओवर में 3 विकेट खोकर 278 रन बनाए थे। 314 रन बनाए।

एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के

नेपाल की पारी के दौरान बल्लेबाजों ने 26 छक्के लगाए, जो किसी एक मेंस टी-20 इंटरनेशनल पारी के लिए नया रिकॉर्ड है। इससे पहले अफगानिस्तान ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 22 छक्के मारे थे।

300+ टीम स्कोर

नेपाल ने मंगोलिया के खिलाफ 314 रन बनाए। इससे पहले, टी-20 इंटरनेशनल में किसी टीम ने 300+ स्कोर नहीं बनाया था। इससे पहले टी-20 और टी-20 इंटरनेशनल इतिहास का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के नाम था, जिन्होंने देहरादून में आयरलैंड के खिलाफ 278 बनाए थे।

मेंस में 18 टीमें हिस्सा ले रहीं

क्रिकेट के सभी मैच झीजांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड के मैदान पर खेले जाएंगे। मेंस में 18 टीमें पार्टिसिपेट कर रही हैं। टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है।

एक जून 2023 तक ICC रैंकिंग में एशिया की टॉप-4 नंबर पर रहीं टीमों को सीधे क्वार्टर फाइनल में एंट्री मिलेगी। इसी डेडलाइन के हिसाब से बाकी टीमों की रैंकिंग और मैच भी तय होंगे।

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप ट्रॉफी धर्मशाला पहुंची

कांगड़ा एयरपोर्ट पर फैंस ने खिंचवाई फोटो; टूर्नामेंट के प्रचार के लिए टूर

धर्मशाला, 27 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट के महाकुंभ यानी वनडे वर्ल्ड कप का आगाज होने जा रहा है। 12 साल के लंबे अंतराल के बाद भारत इसकी मेजबानी कर रहा है। वर्ल्ड कप से पहले ICC वर्ल्ड कप के प्रचार के लिए ट्रॉफी टूर करवा रही है, लेकिन टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी बुधवार को कांगड़ा एयरपोर्ट पहुंची।

इस दौरान क्रिकेट फैंस ने ट्रॉफी के साथ फोटो खिंचवाई। ट्रॉफी को गगल चौक, शहीद स्मारक धर्मशाला, कोतवाली बाजार चौक, मैक्लोडगंज मुख्य चौक, दलाईलामा बौद्ध मठ मैक्लोडगंज, स्काईवे मैक्लोडगंज से होते हुए टी गार्डन से होते हुए धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम पहुंचेगी।

7 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक वर्ल्ड कप 2023 के 5 मैच धर्मशाला में खेले जाने हैं। यह पहली बार है कि वर्ल्ड कप के मैच धर्मशाला में खेले जाएंगे। हर किसी के लिए इस आयोजन का हिस्सा बनने का मौका है और यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे बड़े आयोजन के लिए मूड तैयार करेगी।

इससे पहले 2011 में वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन भारत की मेजबानी में किया गया था। उस समय टीम इंडिया ने एमएस धोनी की कप्तानी में वर्ल्ड विजेता बनने का गौरव हासिल किया था। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का सपना पूरा हुआ था। इसके साथ ही करोड़ों भारतीय फैंस का भी गोल्डन ड्रीम पूरा हुआ था। उम्मीद की जा रही है कि रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम धोनी वाला कारनामा करे और 1983 और 2011 के बाद तीसरी बार खिताब अपने नाम करे। आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप ट्रॉफी क्रिकेट वर्ल्ड कप के विजेता को प्रदान की जाती है । वर्तमान ट्रॉफी 1999 चैंपियनशिप के लिए बनाई गई थी और यह टूर्नामेंट के इतिहास में पहला स्थायी पुरस्कार था। इससे पहले, प्रत्येक विश्व कप के लिए अलग-अलग ट्रॉफियां बनाई जाती थीं।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश टीम का ऐलान

संन्यास से वापसी के बाद भी तमीम टीम में नहीं; कप्तान शाकिब से था विवाद

ढाका, 27 सितंबर (एजेंसियां)। तमाम विवादों के बीच बांग्लादेश ने आखिरकार अपनी वर्ल्ड कप टीम की घोषणा की है। टीम में सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल का नाम नहीं है। रिपोर्ट्स में सामने आया था कि वनडे कप्तान शाकिब अल हसन और ओपनर तमीम इकबाल के बीच वर्ल्ड कप टीम में शामिल होने और न होने पर विवाद हो रहा था। इस विवाद में जीत शाकिब की हुई, जो वर्ल्ड कप में कप्तानी करेंगे।

शाकिब और तमीम में विवाद

दरअसल, तमीम पीठ में चोट से जूझ रहे हैं। यही कारण है कि उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को साफ कर दिया था कि अगर वह वर्ल्ड कप का हिस्सा होते हैं तो वह पांच मुकाबले से ज्यादा नहीं खेलेंगे। उधर शाकिब का कहना था कि अगर तमीम की शर्तों को मंजूरी मिलती है तो वह वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं होंगे और कप्तानी भी छोड़ देंगे। उनका मत था कि चयनकर्ताओं को तमीम की जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल करना चाहिए।

तमीम ने 6 जुलाई को अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही सीरीज के दौरान संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन बोर्ड और प्रधानमंत्री से बात के बाद उन्होंने महज 24 घंटे के अंदर फैसले को वापस ले लिया था। उन्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर स्वस्थ होने के लिए छह हफ्ते का ब्रेक दिया गया। उसके बाद उन्होंने वनडे की कप्तानी छोड़ दी और वे एशिया कप से भी बाहर हो गए। तमीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान टीम में लौटे और उन्होंने दूसरे मुकाबले में 58 गेंदों में 44 रन की पारी खेली। बांग्लादेश का पहला मुकाबला सात अक्टूबर को अफगानिस्तान से होना है।

बांग्लादेश वर्ल्ड कप स्क्वॉड:

शाकिब अल हसन (कप्तान), नजमुल हुसैन शान्तो (उपकप्तान), लिटन दास, तंजीद हसन तमीम, तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम, महमूदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, शक महेदी हसन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद। शोरफुल इस्लाम, तंज़ीम हसन साकिब

भारतीय महिला हॉकी टीम ने किया धमाकेदार आगाज

पहले मैच में सिंगापुर को 13-0 से हराया

हांगझोऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया है. भारत के लिए संगीता कुमारी ने 3 गोल दागे.

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स की धमाकेदार अंदाज में आगाज किया है. सविता पूनिया की अगुवाई वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने पहले मैच में सिंगापुर को 13-0 से हरा दिया है. भारत के लिए संगीता कुमारी ने 3 गोल दागे. बहरहाल, भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने अभियान की शानदार शुरूआत की है. भारतीय टीम को मलेशिया, साउथ कोरिया, हांगकांग और सिंगापुर के साथ पूल-ए में रखा गया है.

सिंगापुर को मिली लगातार दूसरी हार

इस पूल के पहले मैच में मलेशिया ने हांगकांग को 8-0 से हराया. जबकि दूसरे मैच में साउथ कोरिया ने सिंगापुर को 4-0 से करारी शिकस्त दी. अब भारतीय टीम ने सिंगापुर को 13-0 के बड़े अंतर से हराया है. इस तरह सिंगापुर टीम को लगातार दूसरे मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है. दरअसल, भारतीय महिला हॉकी टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है. भारतीय फैंस को उम्मीद है कि सविता पूनिया की अगुवाई में भारतीय महिला हॉकी टीम गोल्ड मेडल जीतने में जरूर कामयाब होगी.

संगीता कुमारी ने हैट्रिक गोल कर भारत को दिलाई बड़ी जीत

वहीं, भारत-सिंगापुर मैच की बात करें तो उदिता ने पहला गोल दागा. इसके बाद दीपिका ने गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया. इसके बाद भारतीय खिलाड़ी लगातार हमले करते रहे. खासकर, संगीता कुमारी ने हैट्रिक गोल दागकर भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. बहरहाल, अब इसके बाद भारतीय हॉकी टीम का सामना पूल मैच में मलेशिया, साउथ कोरिया और हांगकांग से होना है. बताते चलें कि आज सुनील छेत्री की अगुवाई वाली भारतीय मेंस टीम सऊदी अरब के खिलाफ मैदान पर उतरेगी. यह अंतिम-16 राउंड में भारत का पहला मैच होगा.

टेनिस में सुमित नागल और अंकिता रैना क्वार्टर फाइनल में

हांगझोऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। रैंकिंग में 198 वें स्थान पर काबिज अंकिता 354वें स्थान की खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले में अपने तीनों ब्रेक प्वाइंट भुनाने में सफल रहीं। अंकिता को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की हारुका काजी (213 वीं रैंकिंग) की चुनौती से पार पाना होगा। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और अंकिता रैना आसान जीत के साथ एशियाई खेलों के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे जबकि रामकुमार रामनाथन और रुतुजा भोसले की चुनौती एकल स्पर्धा में हार के साथ खत्म हो गई। नागल ने कजाखस्तान के बेबिट जुकायेव को 7-6 (9), 6-4 से हराया। महिला एकल में भारत शीर्ष खिलाड़ी अंकिता ने हांगकांग की अदित्या पी करुणारत्ने को महिला एकल के तीसरे दौर के मुकाबले में 6-1 6-2 से शिकस्त दी। रैंकिंग में 198 वें स्थान पर काबिज अंकिता 354वें स्थान की खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 34 मिनट तक चले मुकाबले में अपने तीनों ब्रेक प्वाइंट भुनाने में सफल रहीं। अंकिता को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए जापान की हारुका काजी (213 वीं रैंकिंग) की चुनौती से पार पाना होगा। टेनिस में सेमीफाइनल में पहुंचने पर पदक तय हो जाता है।

रामकुमार को मिली हार

रैंकिंग में 336 स्थान पर काबिज भोसले को फिलीपींस की अलेक्जेंडर एला (विश्व रैंकिंग 190) ने एक घंटे 51 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6, 6-2 से हराया। पुरुष एकल में रामकुमार विश्व रैंकिंग में 78वें स्थान पर काबिज योसुके वतानुकी की चुनौती से पार पाने में नाकाम रहे। रामकुमार ने जापान के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन दो घंटे और 40 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7, 7-6, 5-7 से हार गए। रामकुमार और रुतुजा दोनों के युगल मुकाबले में बने हुए है।

आयोजन के विलंब से हुआ नेहा को फायदा

तय समय पर होते खेल तो भाग भी नहीं ले पाती रजत पदक विजेता

हांगझोऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों का आयोजन अगर पिछले साल अपने मूल कार्यक्रम के अनुसार होता तो नेहा भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होती, क्योंकि उस समय रितिका डांगी इस स्पर्धा में देश की नंबर एक खिलाड़ी थीं।

चीन में कोविड-19 महामारी के कारण एशियाई खेलों को जब एक साल के लिए टाला गया तो यह कई खिलाड़ियों के लिए निराशाजनक रहा लेकिन भारतीय सेलर (पाल नाविक) नेहा ठाकुर के लिए यह फैसला वरदान साबित हुआ। नेहा ने यहां हांगझोऊ खेलों में लड़कियों की डिंगी आईएलसीए-4 स्पर्धा में रजत पदक जीतकर इस खेल में देश के लिए पदकों का खाता खोला।

एशियाई खेलों का आयोजन अगर पिछले साल अपने मूल कार्यक्रम के अनुसार होता तो नेहा भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होती, क्योंकि उस समय रितिका डांगी इस स्पर्धा में देश की नंबर एक खिलाड़ी थीं। एशियाई खेलों में जगह बनाने वालीं रितिका हालांकि आईएलसीए-4 स्पर्धा के लिए जरूरी 17 साल की आयु सीमा को पार कर गई और उनकी जगह टीम में नेहा को शामिल किया गया। नेहा ने पिछले साल अबू धाबी में एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

नेशनल सेलिंग (पाल नौकायन) स्कूल (एनएसएस) के कोच अनिल शर्मा ने कहा, ' एशियाई खेलों में रितिका को हिस्सा लेना था लेकिन दुर्भाग्य से वह आयु सीमा को पार कर गई।

वह इस साल 18 बरस की हो गई।' नेहा राष्ट्रीय चयन ट्रायल में हिस्सा लेने वाली एनसीसी की तीन खिलाड़ियों में से एक थी। शर्मा ने कहा, ' नेहा ने तीन महीने के लिए स्पेन में अभ्यास किया और इस दौरान उन्होंने काफी सुधार की। हम उसे सेलिंग के ओलंपिक वर्ग महिला आईएलसीए-6 में रितिका के साथ रखने की योजना बना रहे हैं।

उम्मीद है कि वह अगले साल पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर पाएगी। हमारा अगला लक्ष्य यही है।' नेहा का अभियान 11 रेस की स्पर्धा में कुल 32 अंक के साथ खत्म हुआ। उनका नेट स्कोर हालांकि 27 अंक रहा जिससे वह थाईलैंड की स्वर्ण पदक विजेता नोपासोर्न खुनबूनजान के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। किसान पिता के लिए आसान नहीं था तीन साल बेटी को परिवार से दूर भेजना

नेहा के पिता मुकेश कुमार किसान हैं और उनके लिए अपनी सबसे बड़ी बेटी को तीन साल पहले परिवार से दूर सेलिंग अकादमी में भेजने का फैसला काफी मुश्किल भरा था। मुकेश ने कहा, ' खेती में मुझे हर साल नुकसान हो रहा है।

इस साल भी सूखे जैसी स्थिति है और मुझे नहीं लगता की मैं अपनी लागत निकाल पाउंगा। वह (नेहा) बचपन में हमेशा बहुत महत्वाकांक्षी रही है और प्रतिभा-खोज कार्यक्रम में चुने जाने के बाद मैंने सोचा कि उसके सपने को पूरा करने का मौका मिलना चाहिए।' मुकेश ने कहा, 'उसके दो भाइयों ने भी उसे बहुत प्रेरित किया था और मैं उसके लिए वास्तव में खुश हूं। उसकी मां शुरुआत में उसे हमसे दूर भेजने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब हर कोई खुश है और हमारे गांव में हर कोई उसके बारे में बात कर रहा है।'

भारत की बेटियों ने शूटिंग में लहराया परचम, जीता सोना

कौन हैं मनु भाकर, ईशा और रिदम सांगवान

हांगझोऊ, 27 सितंबर (एजेंसियां)। ईशा को इस स्थान तक पहुंचाने के लिए उनके माता-पिता को काफी त्याग करने पड़े। वहीं, मनु पहले मुक्केबाज बनना चाहती थीं। आंख पर चोट ने उन्हें निशानेबाजी के लिए प्रेरित किया। रिदम बचपन से ही शूटर बनना चाहती थीं। आइए इनकी कहानी जानते हैं...

एशियाई खेलों में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। चौथे दिन भारतीय एथलीट्स ने अब तक चार पदक जीत लिए हैं। बुधवार को पहला स्वर्ण भारत की बेटियों ने शूटिंग इवेंट में जीता। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की महिला टीम ने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत की बेटियों ने चीन को तीन अंकों से हराया।

भाकर ने राउंड की शुरुआत दो अंकों की बढ़त के साथ की और जैसे-जैसे राउंड आगे बढ़ा, उन्होंने इसे तीन अंकों तक बढ़ा दिया। फिर ईशा और रिदम ने भारत की बढ़त को बनाए रखा और देश के लिए स्वर्ण अपने नाम किया। आइए जानते हैं, मनु, ईशा और रिदम कौन हैं और उनका क्या इतिहास रहा है...

1. मनु भाकर मुक्केबाज बनना चाहती थीं, लेकिन आंख में चोट के कारण शूटिंग में करियर बनाया। युवा अवस्था में ही मनु भाकर रैंकिंग के माध्यम से भारत की शूटिंग स्टार बन गईं। भारत का हरियाणा राज्य मुक्केबाजों और पहलवानों के लिए विख्यात है, लेकिन मनु ने इस जगह को शूटिंग से अलग पहचान दिलाई। हरियाणा के झज्जर में जन्मीं मनु भाकर ने स्कूल के दिनों में टेनिस, स्केटिंग और मुक्केबाजी मुकाबलों में हिस्सा लिया। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाली 'थांग ता नामक एक मार्शल आर्ट में भी भाग लिया। मनु मुक्केबाज बनना चाहती थीं, लेकिन आंख में चोट लगने के कारण मुक्केबाजी छोड़ दी।

2. नौ वर्ष की उम्र से ही शूटिंग सीख रही हैं ईशा, 18 वर्ष में एशियाई खेलों में जीता स्वर्ण । ईशा सिंह ने भी एशियाई खेलों में स्वर्ण जीता। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में शूटिंग में काफी अच्छा नाम बना लिया है। ईशा के पिता सचिन सिंह मोटरस्पोर्ट्स में नेशनल रैली चैंपियन रह चुके हैं। इसलिए उनमें एक एथलीट वाले गुण अपने पिता से ही मिले हैं। ईशा अभी केवल 18 साल की हैं और उन्होंने नौ वर्ष की उम्र से ही शूटिंग की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी थी। साल 2014 में ईशा ने पहली बार बंदूक पकड़ी थी। उन्होंने साल 2018 में नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप का खिताब जीता। महज 13 वर्ष की उम्र में ही ईशा ने कई अंतरराष्ट्रीय अवॉर्ड जीते। साथ ही ईशा ने यूथ, जूनियर और सीनियर कैटेगरी में तीन स्वर्ण अपने नाम किए। ईशा का कहना है कि उन्हें पिस्टल की गोली की आवाज किसी संगीत से कम नहीं लगती।

3. पिता की सर्विस रिवॉल्वर देख रिदम ने शूटिंग में रखा कदम, अब नाम किया रौशन, ओलंपिक में गोल्ड लाना है लक्ष्य

पुलिस विभाग में तैनात पिता नरेंद्र सांगवान की वर्दी और सर्विस रिवॉल्वर से प्रभावित होकर शूटिंग में कदम रखने वालीं गांव मेहड़ा निवासी रिदम सांगवान का फैसला सही साबित हुआ है। उन्होंने देश के लिए एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतकर देश का नाम रौशन किया है। अब तक वो शूटिंग वर्ल्ड कप समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में 10 स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। मेहड़ा निवासी रिदम के पिता नरेंद्र सांगवान हरियाणा पुलिस में डीएसपी के पद पर हैं।

पिता नरेंद्र के अनुसार, रिदम ने 2017 में सर्विस रिवॉल्वर चलाने की जिद कई बार की, लेकिन हर बार उन्होंने उसे समझाने का प्रयास किया। इसके बाद भी रिदम की जिद जारी रही तो उन्होंने उसे शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण दिलाने के लिए भेजना शुरू कर दिया।

पीएम के प्रदेश दौरे के लिए पुख्ता व्यवस्था करें : शांति कुमारी

सीएस ने उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिये कई निर्देश

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज अधिकारियों को अगले महीने की पहली तारीख को राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के लिए संबंधित विभागों के साथ निकट समन्वय में पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और हाई प्रोफाइल यात्रा के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

प्रधानमंत्री एनएच 365 खम्मम-सूर्यपेट सड़क राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वह वारंगल-खम्मम और खम्मम-विजयवाड़ा एनएच 163 ग्रीन फील्ड एक्सेस कंट्रोल हाईवे की आधारशिला भी रखेंगे, जो नागपुर-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे का हिस्सा है। मुख्य सचिव ने पुलिस विभाग को ब्लू बुक के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने का निर्देश दिया। इसी प्रकार, अग्निशमन, स्वास्थ्य, बिजली, आर एंड बी और अन्य विभागों को भी व्यापक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। महबूबनगर के कलेक्टर और एसपी को भूतपुर में होने वाली सार्वजनिक बैठक के लिए आयोजकों के साथ निकट समन्वय में काम करने के लिए कहा गया। बैठक में डीजीपी अंजनी कुमार, ऊर्जा विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा, जीएडी सचिव शेषाद्रि, सड़क एवं भवन सचिव श्रीनिवास राजू, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिव रिजवी, सूचना एवं जनसंपर्क विशेष आयुक्त अशोक रेड्डी, पुलिस, एनएचएआई, बीएसएनएल, अग्निशमन और विमानन विभाग के अधिकारी शामिल हुए।

जीएचएमसी आयुक्त ने झीलों और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने आज शहर के दक्षिण क्षेत्र से राजेंद्रनगर सर्कल के अत्तापुर में विभिन्न झीलों और स्वच्छता कार्यों का निरीक्षण किया। आयुक्त ने क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान के पास पेद्दा तल्लाकुंटा का दौरा किया। राष्ट्रीय सीमा शुल्क और नारकोटिक्स और अप्रत्यक्ष कर अकादमी के अधिकारियों ने आयुक्त को सूचित किया कि स्वच्छ भारत के तहत, वे पेद्दा तल्लाकुंटा को गोद लेना चाहते हैं और झील के रखरखाव के अलावा सौंदर्यीकरण कार्य करना चाहते हैं। उन्होंने आयुक्त से भी अनुमति देने का अनुरोध किया। आयुक्त ने सीमा शुल्क अधिकारियों से इस संबंध में एक पत्र देने को कहा और कहा कि जीएचएमसी तदनुसार कार्रवाई करेगी। सीमा शुल्क अधिकारियों ने आयुक्त को सूचित किया कि वे जल, गाद सफाई और हरियाली के विकास जैसी अन्य विकासात्मक गतिविधियाँ करना चाहते हैं। स्थानीय निवासियों के अनुरोध पर, आयुक्त ने संबंधित जीएचएमसी अधिकारियों को प्रकाश व्यवस्था, बाड़, सीसी कैमरे और ओपन जिम सामग्री उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आयुक्त ने स्थानीय निवासियों से उनके घरों से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के संबंध में बातचीत की। बाद में उन्होंने लुप्तप्राय भाषणों के संरक्षण के लिए प्रयोगशाला के पास के क्षेत्र का दौरा किया और कचरा संवेदनशील बिंदुओं का निरीक्षण किया। आयुक्त ने चिंताकुंटा पार्क का निरीक्षण किया। पार्क में सुबह सैर करने वालों ने कमिश्नर से शिकायत की है कि पार्क के अंदर सीवरेज का पानी बह रहा है, जिससे आसपास के निवासियों को दुर्गंध आ रही है। उन्होंने उनसे सीवरेज के पानी को पार्क में प्रवेश करने से रोकने का अनुरोध किया। आयुक्त ने संबंधित ईई को मामले को देखने और खराबी को दूर करने और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। बाद में, आयुक्त ने हैदरगुडा क्षेत्र में जनप्रिय अपार्टमेंट का दौरा किया और इंजीनियरिंग अधिकारियों को सड़क के दोनों किनारों पर अतिक्रमण को रोकने के लिए फुटपाथ बनाने का निर्देश दिया। ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी, जोनल कमिश्नर वेंकन्ना, डिप्टी कमिश्नर रवि कुमार, ई.ई. नरेंद्र गौड़ और इंजीनियरिंग और स्वच्छता विंग के वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान आयुक्त के साथ थे।

गणेश विसर्जन : राचकोंडा पुलिस ने यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने गुरुवार को गणेश मूर्ति विसर्जन कार्यक्रम के मद्देनजर विभिन्न स्थानों पर यातायात प्रतिबंधों की घोषणा की। सरूरनगर झील विसर्जन स्थल पर, वाहनों को गुरुवार सुबह 6 बजे से अगले दिन सुबह 8 बजे तक सरूरनगर डाकघर की ओर और कर्मघाट की ओर से सरूरनगर टैंक की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सफिलगुडा झील विसर्जन बिंदु पर, भारी वाहनों को मेट्टुगुडा से मल्काजगिरि की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और मल्काजगिरि चौराहे पर डायवर्ट किया जाएगा। मल्काजगिरी से सामान्य यातायात को सफिलगुडा जंक्शन की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और एओसी क्षेत्र से यातायात को आनंदबाग की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और गौतमनगर की ओर मोड़ दिया जाएगा। बलरामनगर से सफिलगुडा की ओर यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी और सफिलगुडा जंक्शन की ओर मोड़ दिया जाएगा। विनायकनगर से यातायात को सफिलगुडा जंक्शन की ओर नहीं जाने दिया जाएगा और डीएवी स्कूल की ओर मोड़ दिया जाएगा।

कपरा झील विसर्जन स्थल पर, नेताजीनगर चौराहे और यपराल की ओर से कपरा झील की ओर सामान्य यातायात की अनुमति नहीं होगी। उप्पल में, चेंगिचेरला चौराहे से उप्पल की ओर जाने वाले भारी वाहनों को उप्पल चौराहे की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उन्हें आईओसीएल और चेंगिचेरला के माध्यम से एनएफसी की ओर मोड़ दिया जाएगा। बैरमलगुडा से चंपापेट, चेंगिचेरला से उप्पल, नेरेडमेट से सफिलगुडा टैंक, आरके पुरम से ईसीआईएल और लालागुडा टी जंक्शन से मिरजालगुडा सहित विभिन्न मार्गों पर भारी वाहनों पर प्रतिबंध रहेगा।

कौशल विकास निगम घोटाला : नायुडू की याचिका पर एससी की एक और पीठ 3 अक्टूबर को करेगी सुनवाई

नई दिल्ली/हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट की एक नई पीठ 3 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी ने राज्य के कौशल विकास निगम में कथित 371 करोड़ रुपये के घोटाले में उनके खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। बुधवार को इसकी सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। न्यायमूर्ति भट्टी, जो न्यायमूर्ति संजीव खन्ना के साथ बैठे थे, ने खुद को उनकी याचिका पर सुनवाई से अलग कर लिया, जिसके बाद तेदेपा नेता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के पास पहुंचे।

पीठ ने कहा कि हम इसे मंगलवार को उचित पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करेंगे,'' पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि वह टीडीपी नेता की आगे की पुलिस हिरासत की मांग करने वाली अभियोजन पक्ष की याचिका पर विचार करने से ट्रायल जज को नहीं रोक सकती। नायडू को 2015 में मुख्यमंत्री रहते हुए कौशल विकास निगम से धन की कथित हेराफेरी करने के आरोप में 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिससे राज्य के खजाने को 371 करोड़ करोड़ रुपये का कथित नुकसान हुआ था। ट्रायल कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 5 अक्टूबर तक बढ़ा दी है।

लोकेश ने इनर रिंग रोड घोटाले में अग्रिम जमानत मांगी

गुंटूर, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश ने अमरावती इनर रिंग रोड एलाइनमेंट घोटाले में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है। लोकेश, जिसका नाम अभियुक्त संख्या है, के वकील। घोटाले में 14 लोगों ने नई दिल्ली में होने के कारण बुधवार को अपनी ओर से याचिका दायर की। पिछली टीडीपी सरकार ने प्रस्तावित राजधानी अमरावती में इनर रिंग रोड बिछाने के नाम पर कथित तौर पर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं कीं और एपी सीआईडी ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के विधायक अल्ला रामकृष्ण रेड्डी की शिकायत पर मामला दर्ज किया और एसीबी में एक ज्ञापन दायर किया। विजयवाड़ा की अदालत

93 लाख रुपये के गांजे के साथ ओडिशा के दो लोग गिरफ्तार

मंचेरियल, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ट्रैक्टर में सीमेंट ईंटों के परिवहन की आड़ में गांजा तस्करी के आरोप में ओडिशा के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 93 लाख रुपये मूल्य का 465 किलोग्राम गांजा और एक ट्रैक्टर जब्त किया गया। दो आरोपी फरार हैं। रामगुंडम की पुलिस आयुक्त रेमा राजेश्वरी ने कहा कि आरोपी ओडिशा के मलकानगिरी जिले के चितापरी गांव के रहने वाले ड्राइवर जगदबंधु क्रिसानी और किसान चित्रसेन क्रिसानी हैं। दो अन्य आरोपी, ओडिशा के ईश्वर और गुरु, अभी भी फरार हैं। गांजा और सीमेंट की ईंटें ले जा रहा ट्रैक्टर श्रीरामपुर में एससीसीएल जीएम कार्यालय के पास सड़क पर खड़ा था, तभी उसका एक टायर पंक्चर हो गया। जब पुलिस ने ट्रैक्टर को पुलिस स्टेशन ले जाया तो उन्हें ईंटों के नीचे गांजा मिला और अपराधियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया।

दोनों ने स्वीकार किया कि ईश्वर और गुरु के निर्देशानुसार गांजा औरंगाबाद ले जाया जा रहा था। कथित तौर पर वे फसल उगाने के लिए ओडिशा के जंगलों में आदिवासियों को भी काम पर रख रहे थे। आयुक्त ने तस्करों को पकड़ने के लिए टास्क फोर्स इंस्पेक्टर दमेरा सुधाकर, श्रीरामपुर इंस्पेक्टर जी रमेश बाबू, सब-इंस्पेक्टर एम प्रसाद, यू उपेंदर, के राजेश, जी राजा वर्धन, कांस्टेबल मल्लेश और जी सतीश की सराहना की। पुलिस उपायुक्त सुधीर केकन और सहायक पुलिस आयुक्त बी मोहन उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पुलिस की जांच शुरू, सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने के खिलाफ चेतावनी

चित्तूर, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में चित्तूर पुलिस ने वेणुगोपापुरम गांव में 16 वर्षीय लड़की की मौत के संबंध में गलत सूचना फैलाने के खिलाफ चेतावनी देते हुए एक आदेश जारी किया है। पुलिस ने कहा कि लड़की का शव चित्तूर के वेणुगोपालपुरम गांव में अपने घर से लापता होने की रिपोर्ट के तीन दिन बाद 20 अक्टूबर को एक कुएं के अंदर आंशिक रूप से विघटित अवस्था में पाया गया था।

चित्तूर की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीलक्ष्मी ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता के दौरान संवाददाताओं को बताया कि पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि गणेश प्रतिमा विसर्जन के अनुष्ठान के दौरान ग्रामीणों ने कुएं में लड़की का शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचित किया और शव को कुएं से बाहर निकाला। लड़की के परिवार की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने लड़की की हत्या के संदेह में चार लोगों को हिरासत में लिया है, उन्होंने कहा कि संदिग्धों से पूछताछ जारी है। पुलिस ने बताया कि फॉरेंसिक रिपोर्ट के मुताबिक, मृतक के शरीर पर रेप या किसी अन्य चोट का जिक्र नहीं है।

कॉल डिटेल/तकनीकी विश्लेषण और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर हम इस मामले में चार संदिग्धों से पूछताछ कर रहे हैं, उनसे भी पूछताछ कर रहे हैं. आरोपी चाहे कोई भी हो, सख्त कार्रवाई की जाएगी। एडिशनल एसपी ने कहा कि जो भी बिना तथ्य के खबर पोस्ट करेगा और इस संबंध में गलत सूचना फैलाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भारत चैतन्य युवजन (बीसीवाई) पार्टी के प्रमुख रामचंद्र यादव ने वेणुगोपालपुरम गांव में मृतक लड़की के परिवार से मुलाकात की। यादव ने आरोप लगाया है कि विपक्षियों पर झूठे मुकदमे दर्ज किये जा रहे हैं जबकि नाबालिग लड़की की हत्या के मामले को पुलिस नजरअंदाज कर रही है। भले ही एक महिला गृह मंत्री हो, लेकिन बच्चियों को न्याय नहीं मिल रहा है।

सरकार व टीएसपीएससी से ग्रुप-1 प्रारंभिक परीक्षा फिर से आयोजित कराने के निर्देश

हैदराबाद, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार और टीएसपीएससी को आज राज्य के उच्च न्यायालय में झटका लगा। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने आज फैसला सुनाया कि राज्य सरकार को एक बार फिर ग्रुप-1 प्रारंभिक परीक्षा आयोजित करनी चाहिए। खंडपीठ ने इस मामले में एकल न्यायाधीश पीठ के फैसले को भी बरकरार रखा। खंडपीठ ने कहा कि टीएसपीएससी ग्रुप-1 प्रीलिम्स को पारदर्शी तरीके से आयोजित करने में विफल रहा है। कोर्ट ने परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक्स न लगाए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। अदालत ने पाया कि 50,000 उम्मीदवार, जिन्होंने पहले परीक्षा लिखी थी, परीक्षा में शामिल नहीं हो सके क्योंकि उन्होंने सिस्टम और टीएसपीएससी पर विश्वास खो दिया था। राज्य के महाधिवक्ता ने कहा कि पिछले साल अक्टूबर में 2.83 लाख उम्मीदवारों ने ग्रुप-1 की परीक्षा दी थी और दूसरी बार 2.33 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि 50,000 लोगों ने दूसरी बार ग्रुप-1 की परीक्षा नहीं दी थी। हाई कोर्ट ने पूछा कि जब 2.85 लाख लोगों ने पहली बार बायोमेट्रिक लिया तो दूसरी बार में 2.33 लाख लोगों को दिक्कत क्यों हुई? यह कहते हुए कि याचिका तीन उम्मीदवारों द्वारा दायर की गई थी, महाधिवक्ता ने एचसी को बताया कि उनके लिए पूरी परीक्षा रद्द करने की मांग करना उचित नहीं था। उन्होंने कहा कि परीक्षा में बायोमेट्रिक्स का उपयोग करना या उससे बचना टीएसपीएससी का निर्णय था। हालाँकि, खंडपीठ ने महाधिवक्ता के तर्कों से सहमति जताई और एकल न्यायाधीश पीठ के फैसले को बरकरार रखा।

टीडीपी नेता को चंद्रबाबू पर ओवैसी की टिप्पणी में खामियां नजर आईं

अमरावती, 27 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेता मोहम्मद अहमद शरीफ ने आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू की गिरफ्तारी के बारे में एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की टिप्पणियों में गलती पाई है। आंध्र प्रदेश विधान परिषद के पूर्व अध्यक्ष शरीफ ने कहा है कि ओवेसी की टिप्पणी से पता चलता है कि वह चंद्रबाबू नायडू के प्रति कितने पक्षपाती हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.